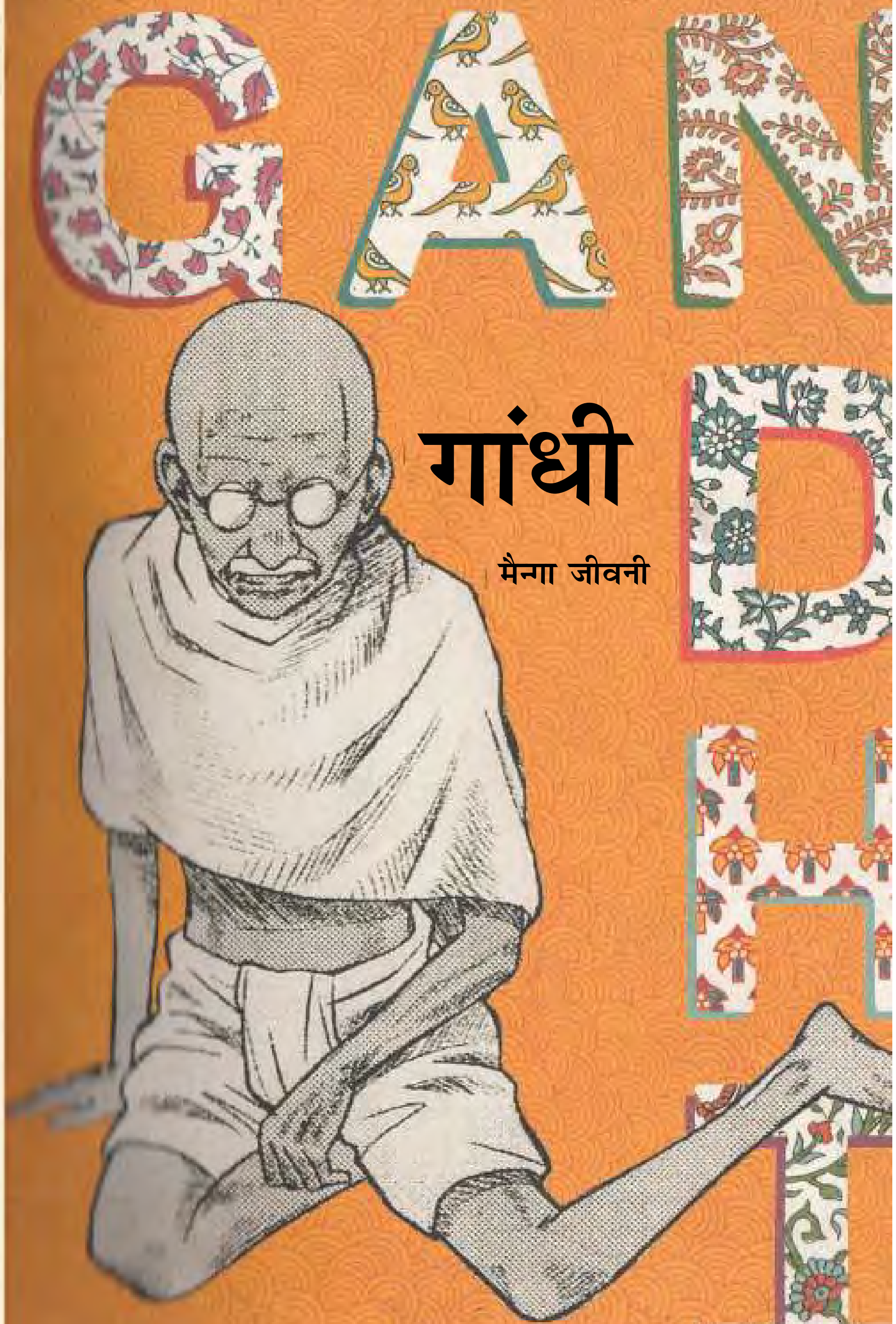
बीसवीं शताब्दी के एक महान विश्व हीरो की प्रेरक कथा

अपने सशक्त नेतृत्व और अहिंसा द्वारा महात्मा गांधी भारत को ब्रिटिश राज से मुक्त करा पाए। इसीलिए गांधी दुनिया भर में पूजे जाने लगे। इतिहास के पन्नों में गांधी के शब्दों और उनके संघर्ष दर्ज हैं, परन्तु गांधी के व्यक्तित्व पर अभी भी पर्दा पड़ा है और लोगों के लिए आम जीवन में गांधी के संदर्भ को समझना मुश्किल होता है। बहुपुरुस्कृत जापानी मैन्गा आर्टिस्ट **काजुकी इबान** ने गांधी की एक रोचक जीवनी लिखी है और बेहतरीन चित्र शिल्प किए हैं। आम लोगों की तरह ही गांधी के जीवन में भी तमाम मुश्किलें और दुविधाएं आयीं। पर इन सबसे उनका अपने सपने में विश्वास डिगा नहीं, बल्कि और दृढ़ हुआ और वे अपने लोगों को एक बेहतर जीवन की ओर ले जा सके। गांधी की प्रेरक और मानवीय जीवनी नई पीढ़ी के पाठकों को अवश्य पसंद आएगी।



गांधी

मैन्गा जीवनी

लेखक और चित्रकार : **काजुकी इबान**

गांधी - मैन्गा जीवनी

काजुकी इबान

हिन्दी अनुवाद: अरविन्द गुप्ता

‘कमजोर लोग कभी माफ नहीं कर सकते।
माफ करना ताकतवर लोगों का काम होता है।’

–महात्मा गांधी

गांधी

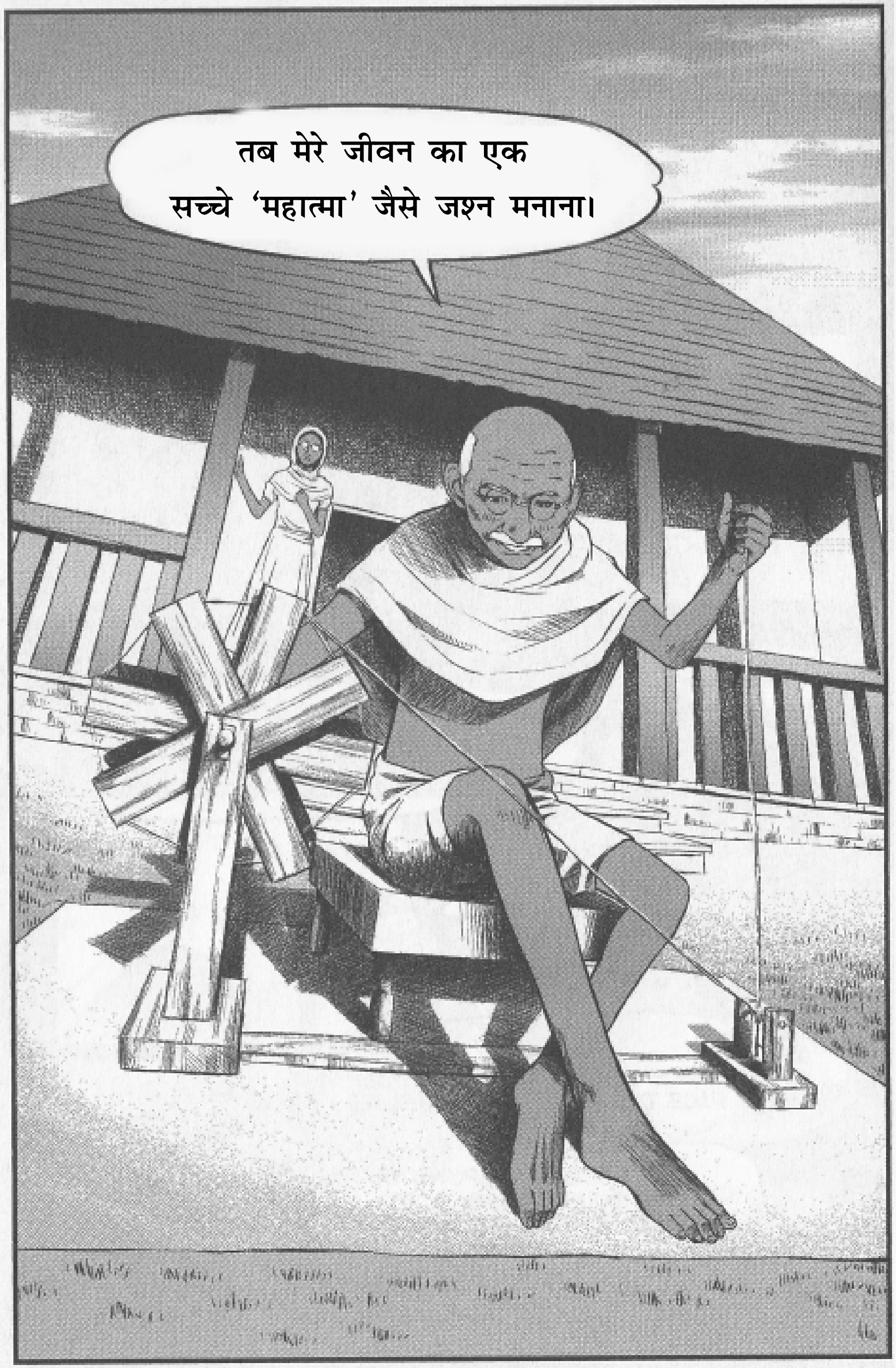
मैन्गा जीवनी



काजुकी इबान


बापू
हां, क्या बात है?
आप अंदर जल्दी क्यों नहीं आते?
क्या तुम्हें डर है इस बूढ़े आदमी को जुकाम हो जाएगा?
नहीं, ऐसा नहीं है।
मुझे डर है...
कल जो बम्ब फटा था...
वो बिल्कुल आपके पास आकर फटा था..


मुझे लगता है कि इस क्षण भी आप पर कोई हमला करने की कोशिश कर रहा होगा बापू...
हा! हा! मुझे लगा वो धमाका फौज की कवायदों के दौरान हुआ।
मनु...
अगर मैं किसी बीमारी से मरूं तो मुझे महात्मा मत बुलाना।
अगर कोई मेरे सीने पर बंदूक रखेगा तो मैं उसे मुस्कुरा कर स्वीकार करूंगा।
और अगर गोली मेरे शरीर में प्रवेश करेगी तो मैं 'राम' कहूंगा।


तब मेरे जीवन का एक
सच्चे 'महात्मा' जैसे जश्न मनाना।

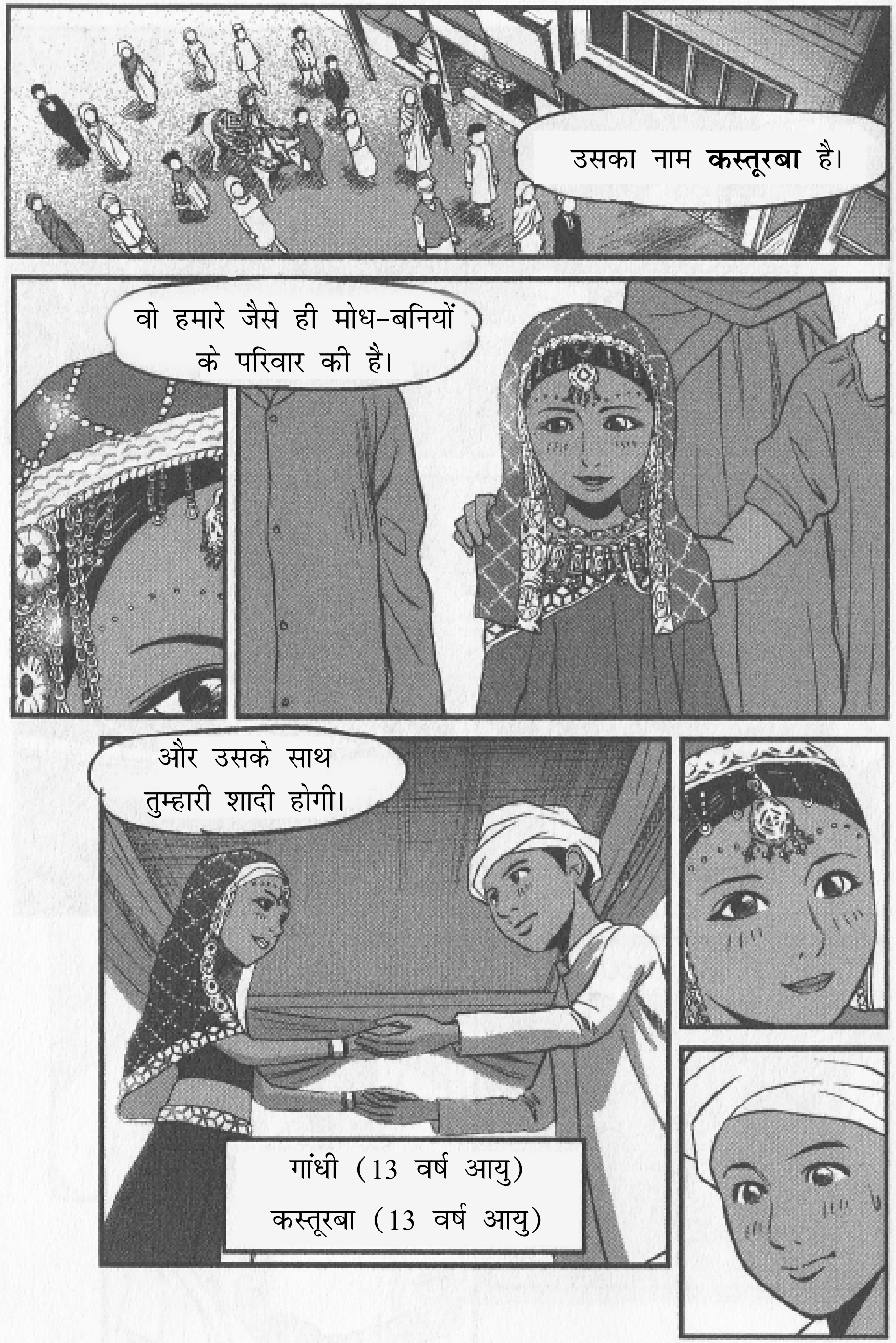

1880 पोरबंदर - ब्रिटिश भारत का एक राज्य
मोहन, पेज 49 को पढ़ो।
मोहन
तबियत तो ठीक है, मोहनदास।
मोहनदास करमचंद गांधी (आयु 11 वर्ष)
......

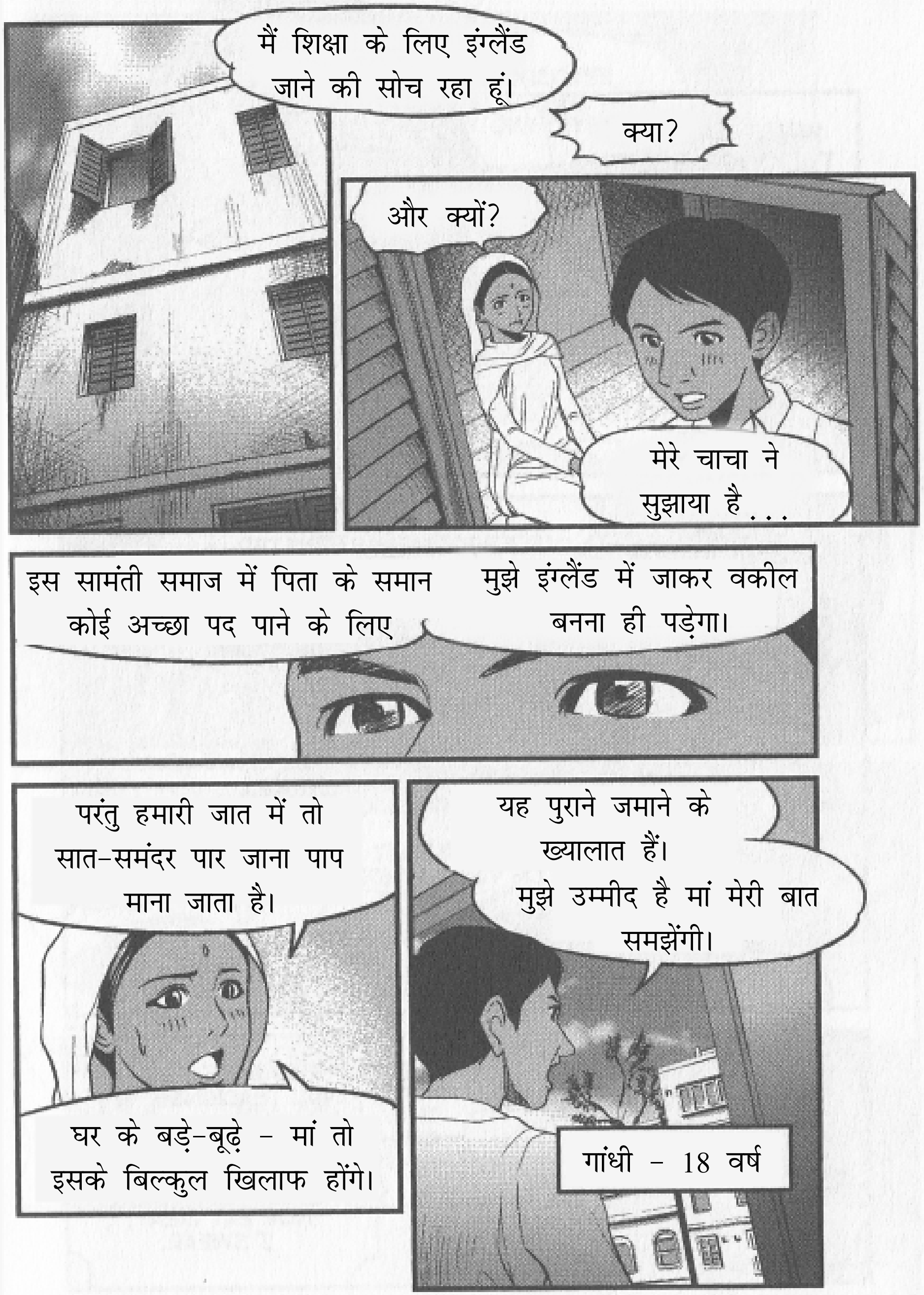

लोगों के ध्यान का केंद्र बनने पर मैं घबरा जाता हूं और मेरा दिमाग शून्य जैसा हो जाता है।
क्या मैं कुछ अजीब हूं...?
देखो, एक प्राचीन हिंदू शास्त्र में लिखा है...
'.. जो भक्ती का पथ अपनाकर पूरी तरह धर्म का पालन करता हैं...'
क्या मतलब?
तुम्हें सिर्फ अपने बारे में नहीं सोचना चाहिए बल्कि दूसरों के लिए अपना जीवन समर्पित करना चाहिए।

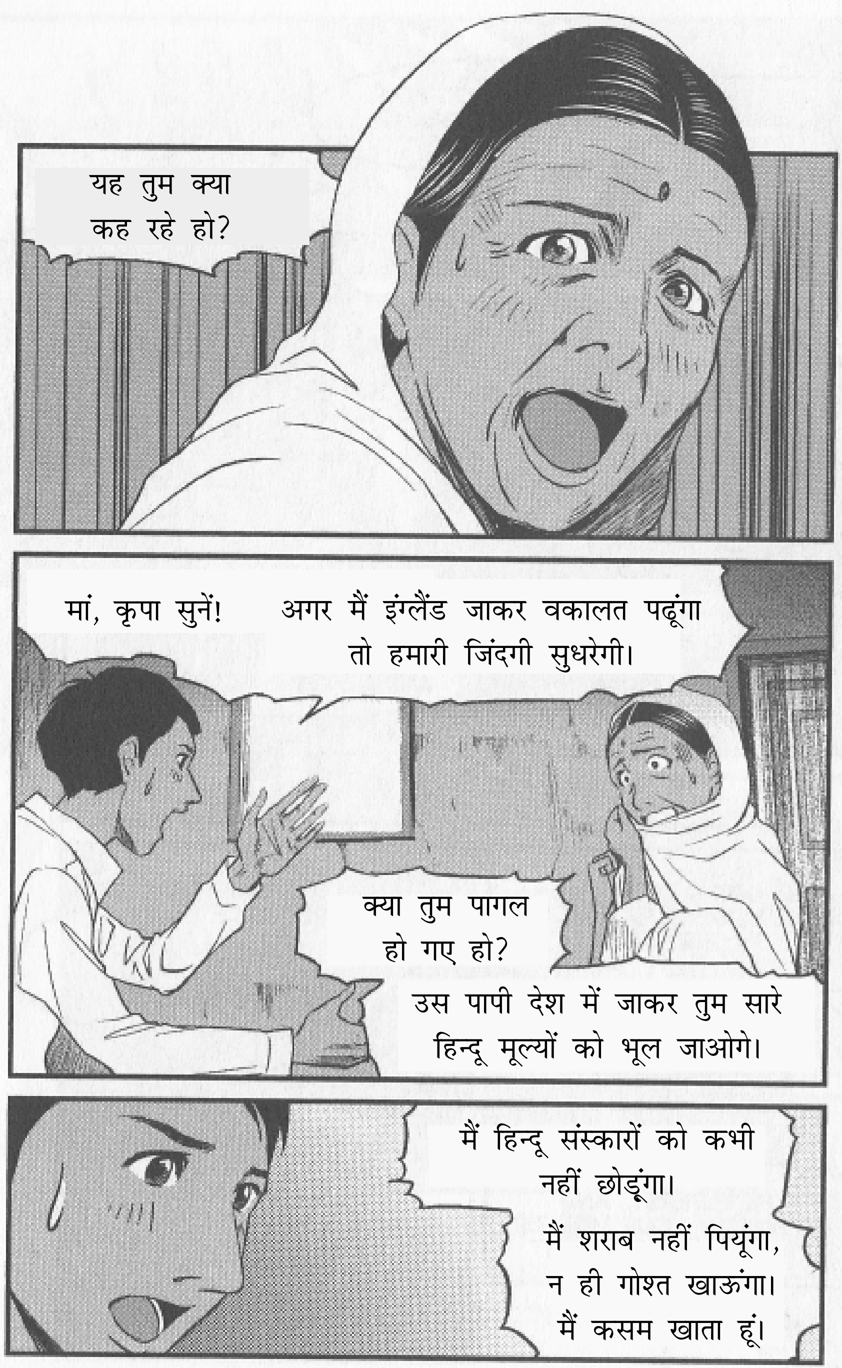

तुम अभी भी बहुत आत्म-केंद्रित हो।
लोग तुम्हारे बारे में क्या सोचते हैं उसकी तुम बहुत परवाह करते हो।
जिस दिन तुम दूसरों के भले और खुशी के बारे में सोचोगे, उस दिन तुम इस आदत से मुक्त हो जाओगे।
अन्य लोगों की...
खुशी...
जरा देखो तो तुम कहां जा रहे हो!!
!!
तुम जरूर अछूत होगे।
तुमने मेरी परछाईं पर पांव रखा?

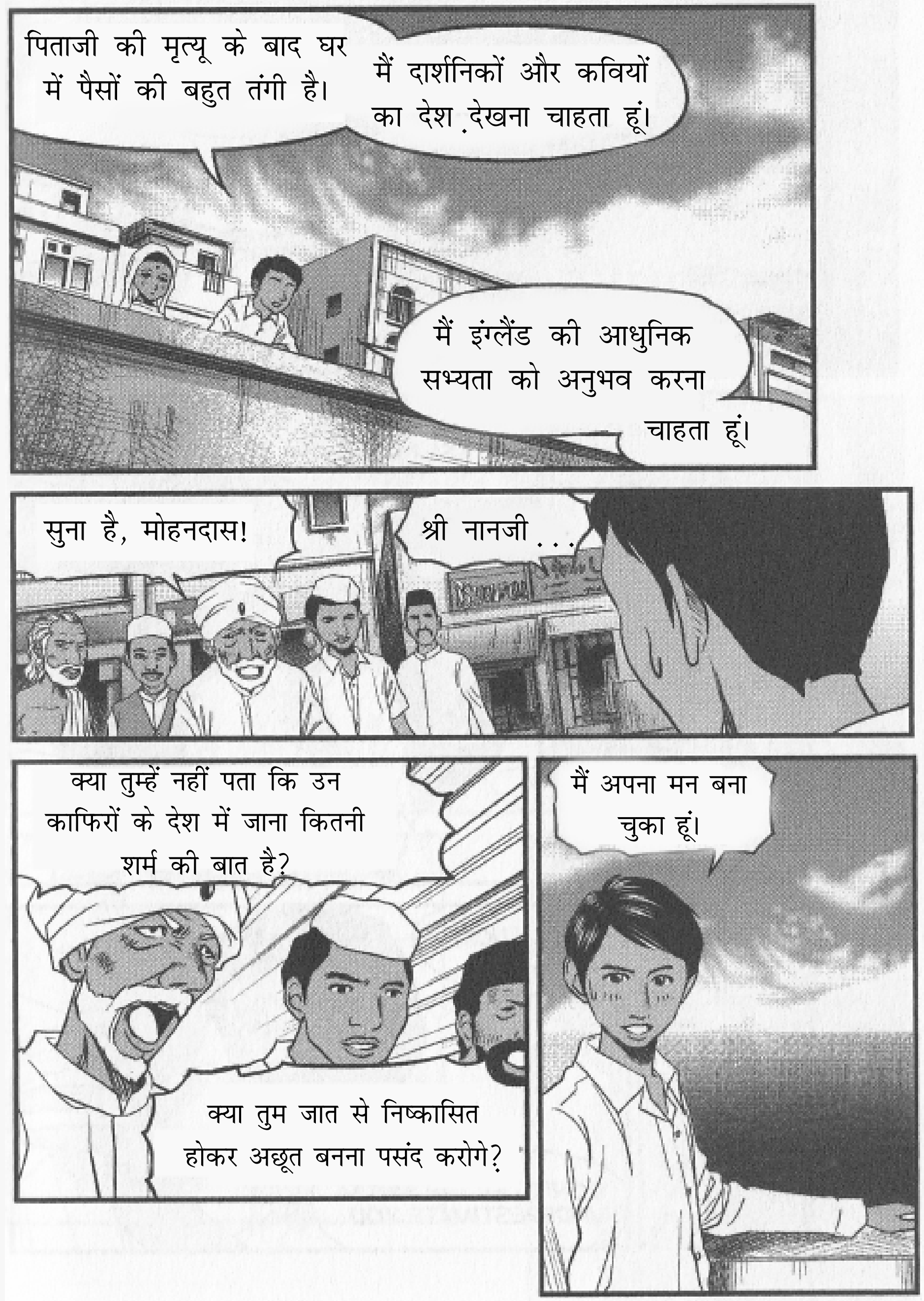

गल्ती हुई।
अपना सड़ा मुंह खोलने की कोशिश मत करो! नहीं तो मुझे भी पाप लगेगा!!
हमें आगे चलना चाहिए, मोहन।
ऐसी मान्यता है कि अछूतों ने पिछले जन्म में पाप किए होंगे।
......
मारो!
BDOK
जाति व्यवस्था में यही होता है। हमें इसे स्वीकार करना होगा।
चलो, दूर हटो।

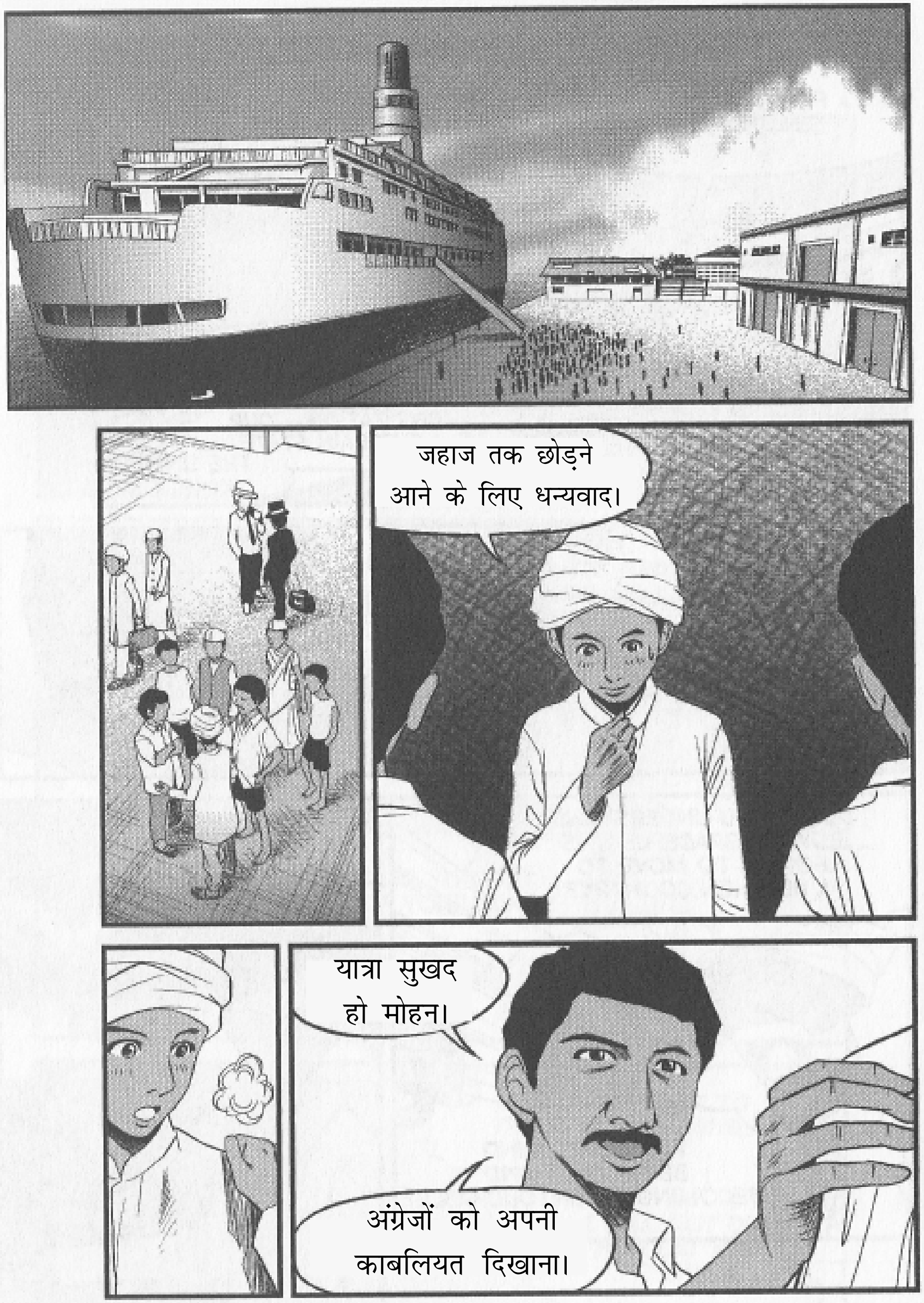

SQUASH
दूर हटो!
......

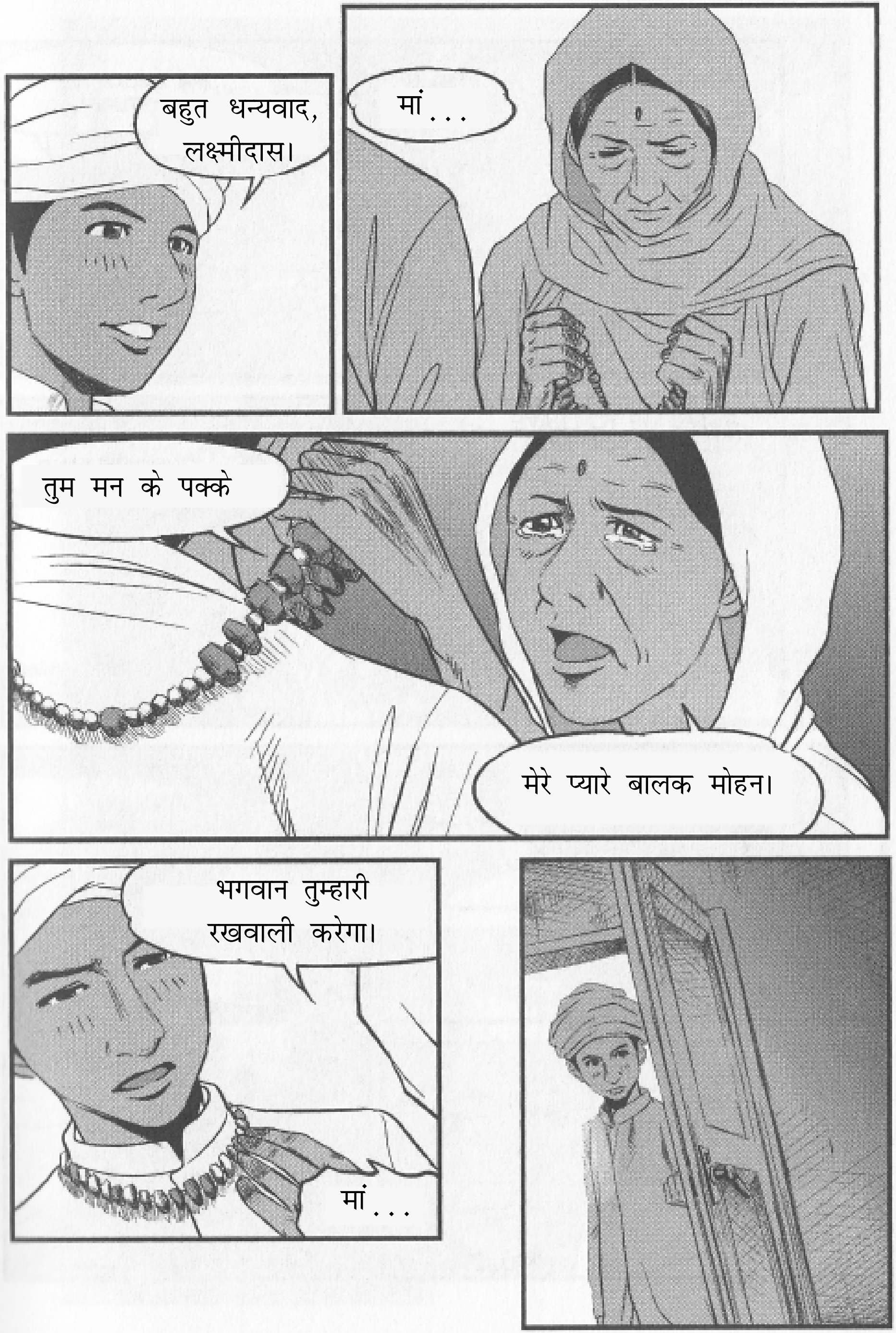

उसका नाम **कस्तूरबा** है।
वो हमारे जैसे ही मोध-बनियों के परिवार की है।
और उसके साथ तुम्हारी शादी होगी।
गांधी (13 वर्ष आयु)
कस्तूरबा (13 वर्ष आयु)


मैं शिक्षा के लिए इंग्लैंड जाने की सोच रहा हूं।
क्या?
और क्यों?
मेरे चाचा ने सुझाया है . . .
इस सामंती समाज में पिता के समान कोई अच्छा पद पाने के लिए
मुझे इंग्लैंड में जाकर वकील बनना ही पड़ेगा।
परंतु हमारी जात में तो सात-समंदर पार जाना पाप माना जाता है।
घर के बड़े-बूढ़े - मां तो इसके बिल्कुल खिलाफ होंगे।
यह पुराने जमाने के ख्यालात हैं।
मुझे उम्मीद है मां मेरी बात समझेंगी।
गांधी - 18 वर्ष

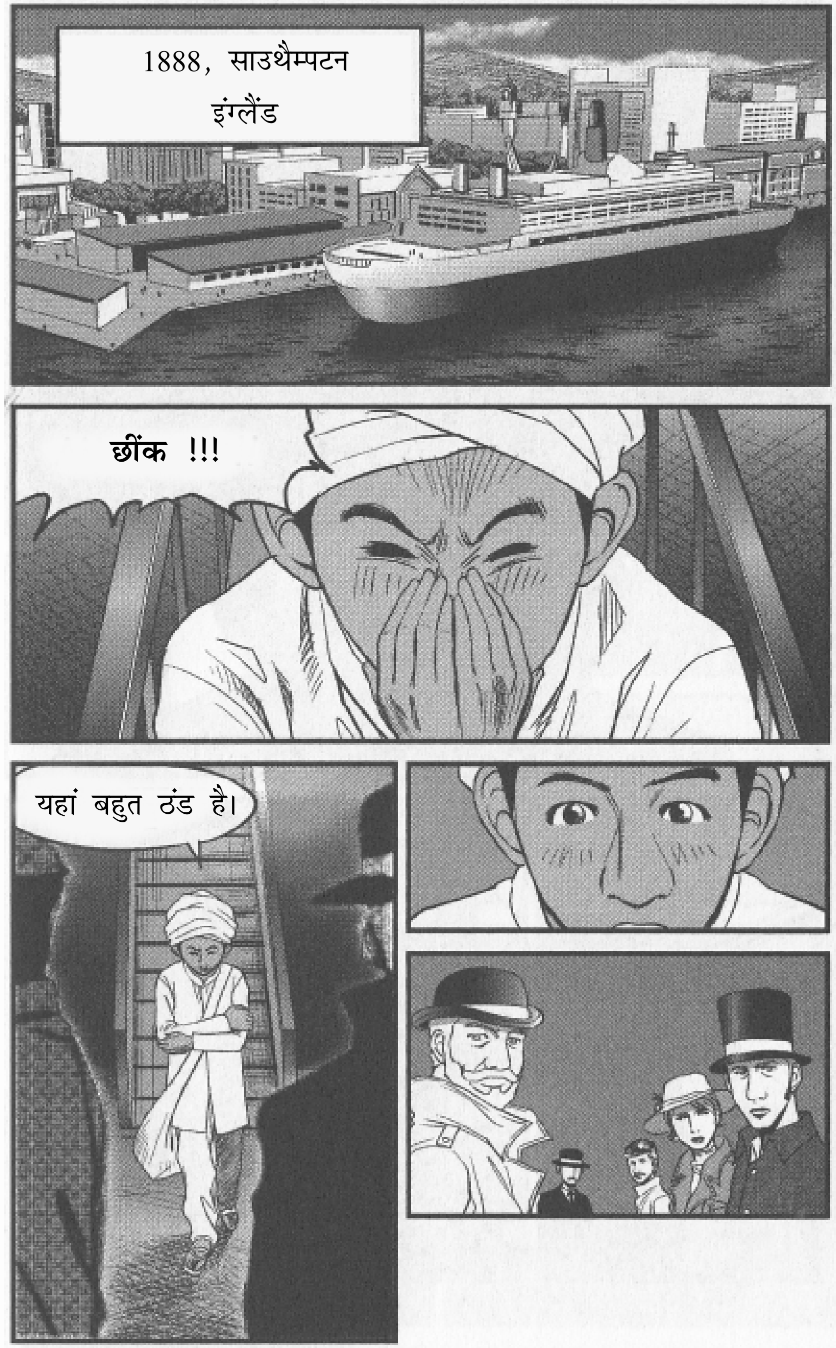

यह तुम क्या कह रहे हो?
मां, कृपा सुनें!
अगर मैं इंग्लैंड जाकर वकालत पढ़ूंगा तो हमारी जिंदगी सुधरेगी।
क्या तुम पागल हो गए हो?
उस पापी देश में जाकर तुम सारे हिन्दू मूल्यों को भूल जाओगे।
मैं हिन्दू संस्कारों को कभी नहीं छोड़ूंगा।
मैं शराब नहीं पियूंगा, न ही गोश्त खाऊंगा। मैं कसम खाता हूं।

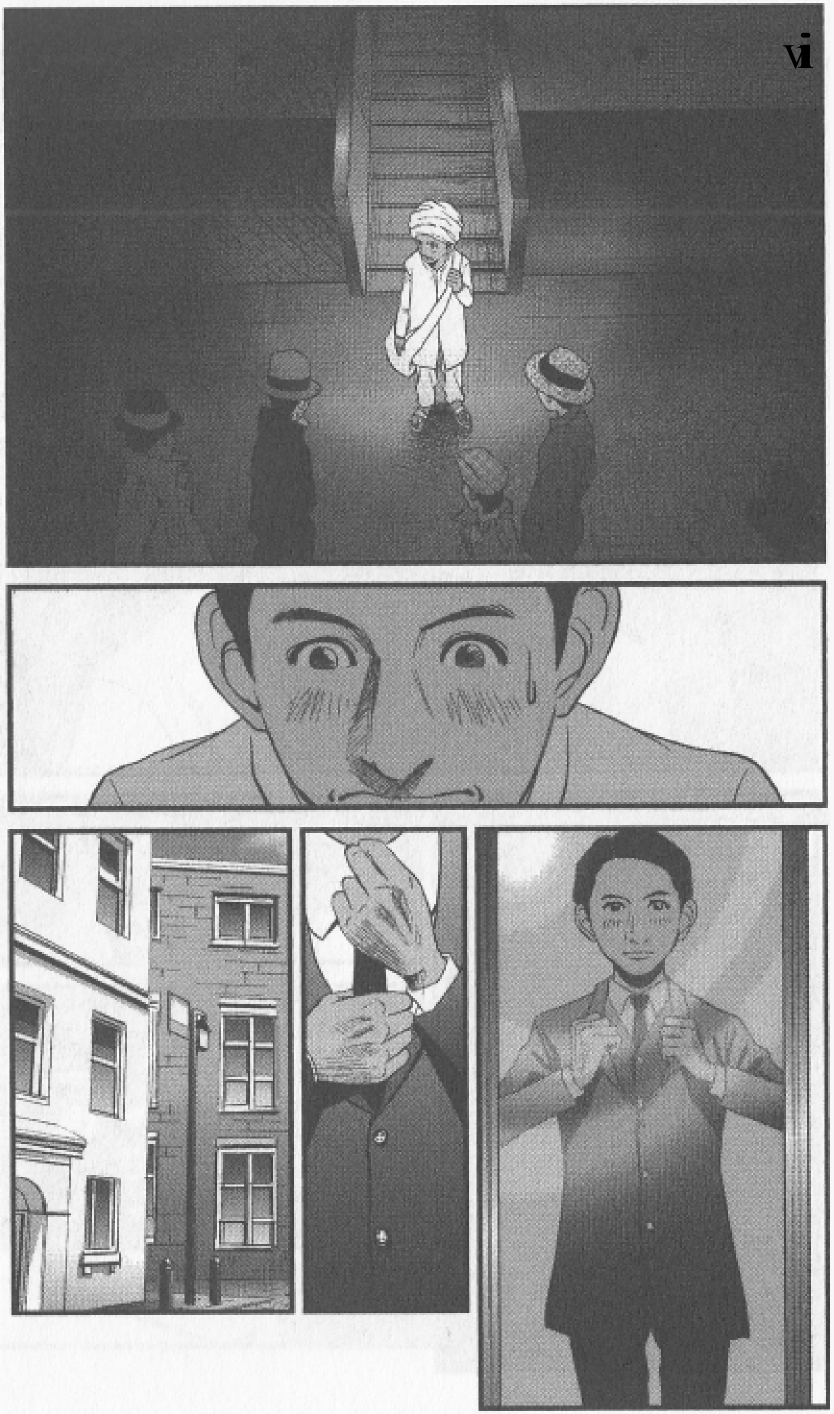

पिताजी की मृत्यू के बाद घर में पैसों की बहुत तंगी है।
मैं दार्शनिकों और कवियों का देश देखना चाहता हूं।
मैं इंग्लैंड की आधुनिक सभ्यता को अनुभव करना चाहता हूं।
सुना है, मोहनदास!
श्री नानजी . . .
क्या तुम्हें नहीं पता कि उन काफिरों के देश में जाना कितनी शर्म की बात है?
क्या तुम जात से निष्कासित होकर अछूत बनना पसंद करोगे?
मैं अपना मन बना चुका हूं।

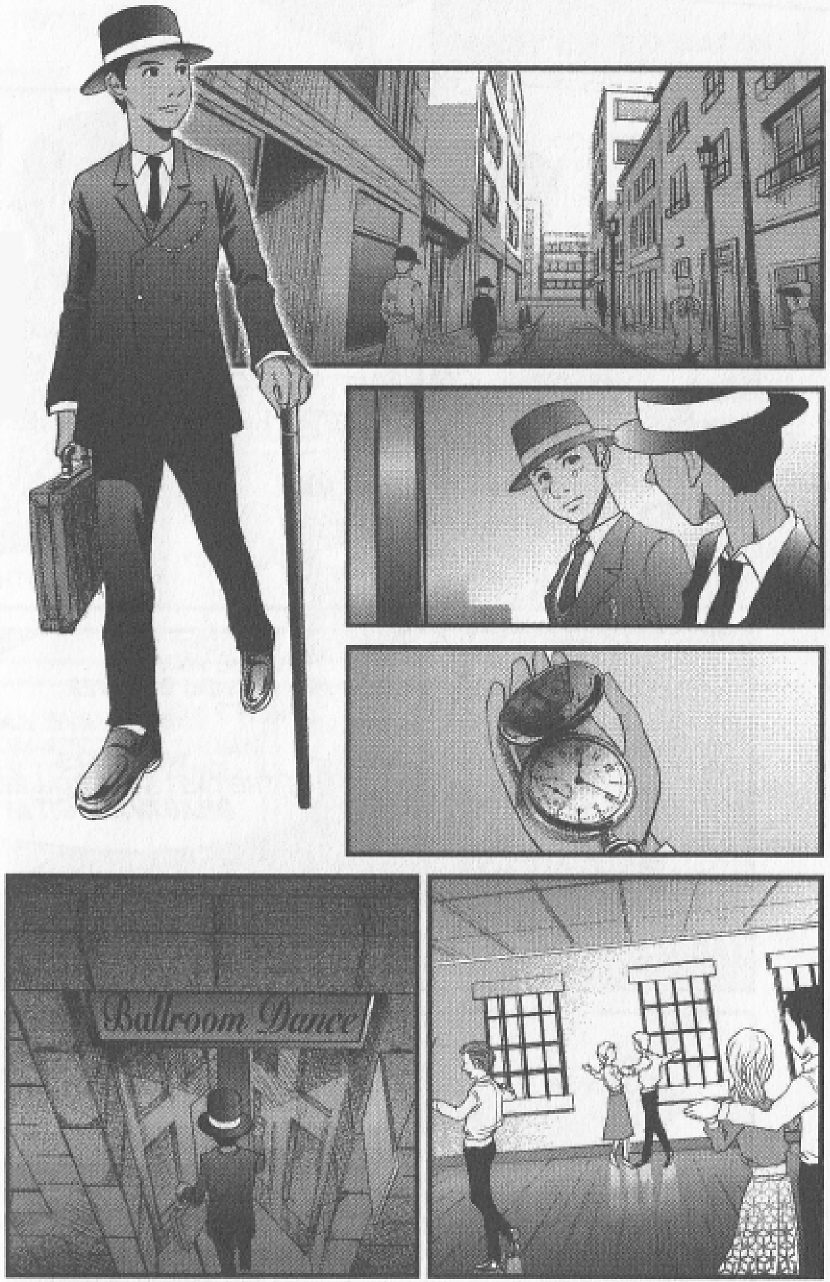

जहाज तक छोड़ने
आने के लिए धन्यवाद।
यात्रा सुखद
हो मोहन।
अंग्रेजों को अपनी
काबलियत दिखाना।

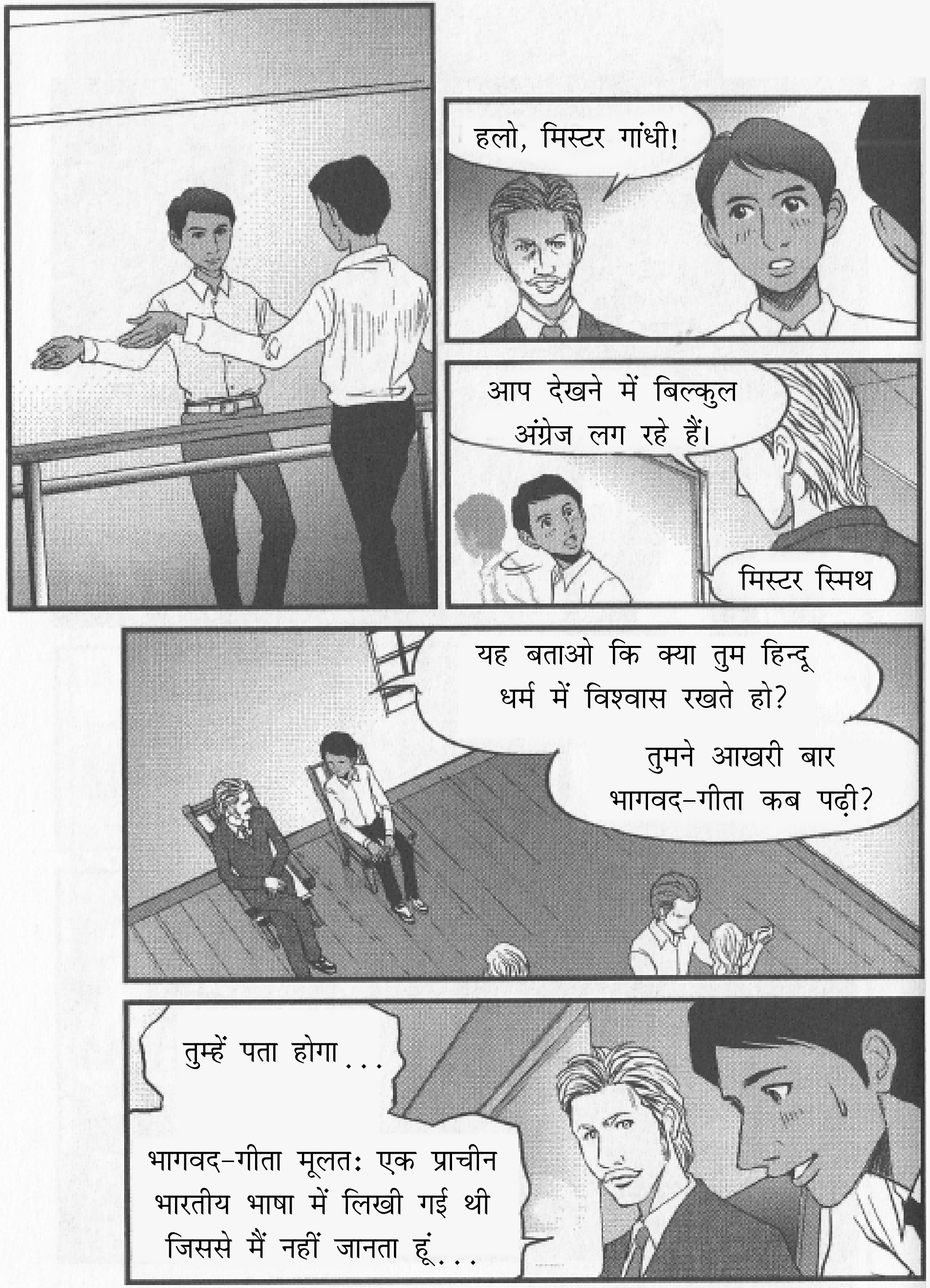

बहुत धन्यवाद,
लक्ष्मीदास।
मां...
तुम मन के पक्के
मेरे प्यारे बालक मोहन।
भगवान तुम्हारी
रखवाली करेगा।
मां...


मोहन...
बा (कस्तूरबा का घर का नाम)
छोड़ कर जाने के लिए मुझे माफ करना।
मैं समझती हूं।
कृपा मां, हरिलाल
की देखभाल करना।


1888, साउथैम्प्टन इंग्लैंड
छींक !!!
यहां बहुत ठंड है।

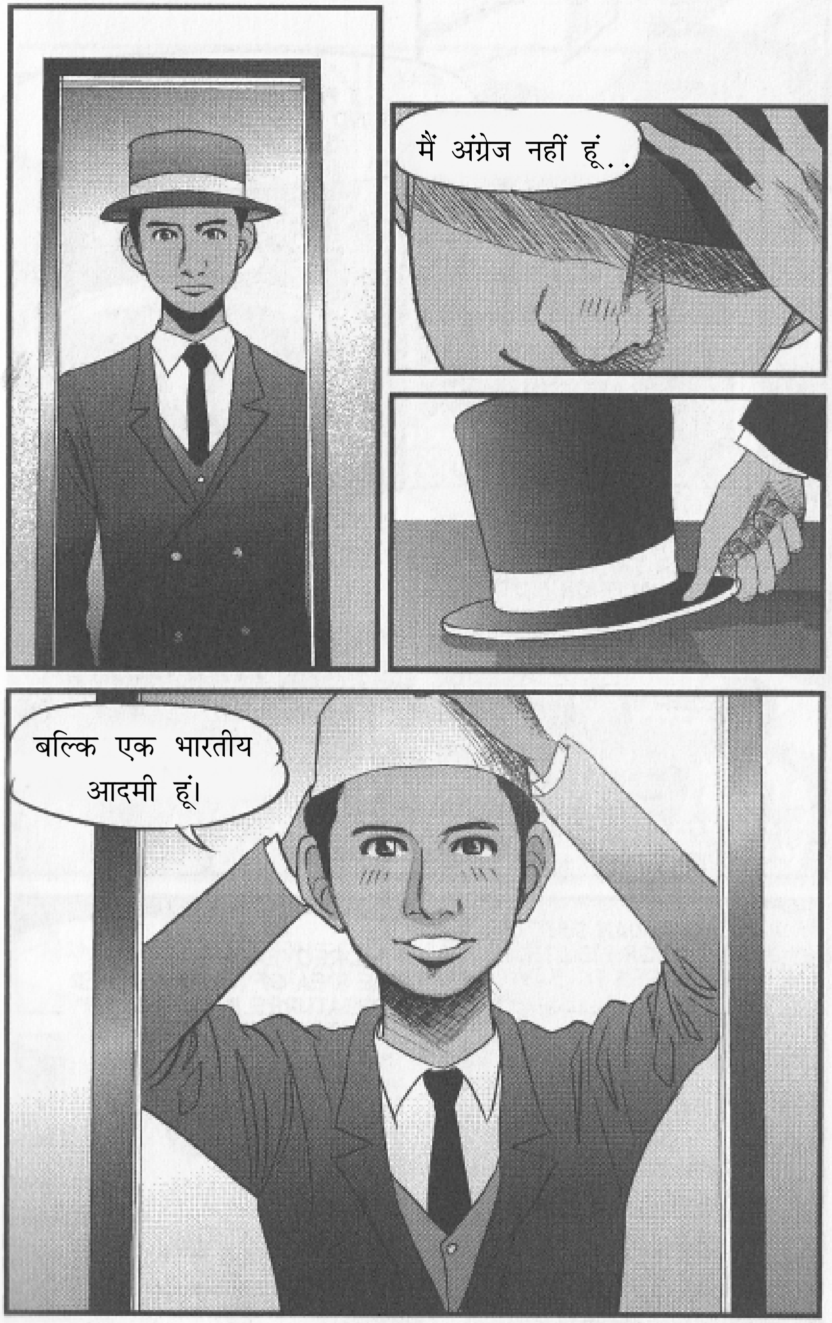


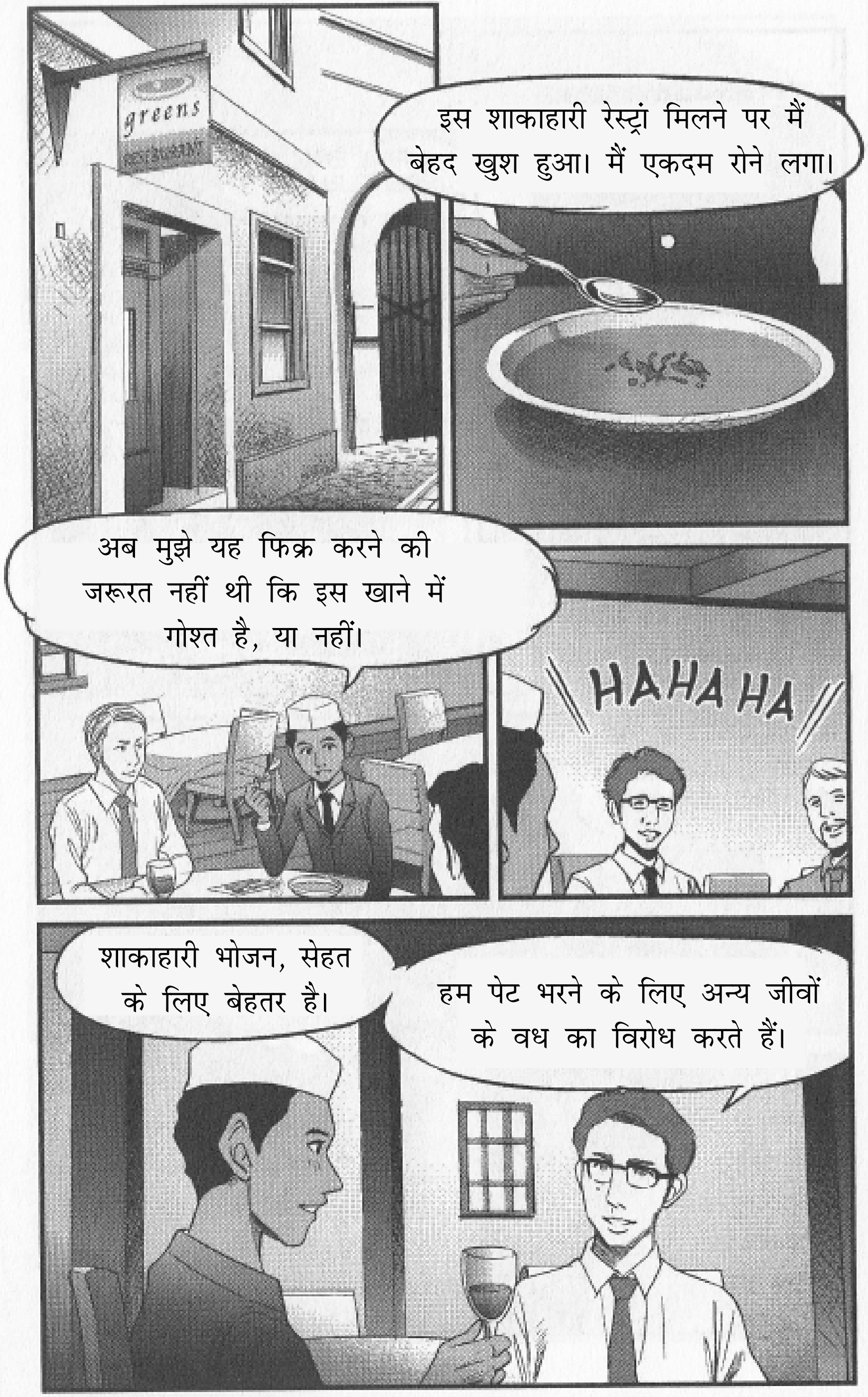

Ballroom Dance

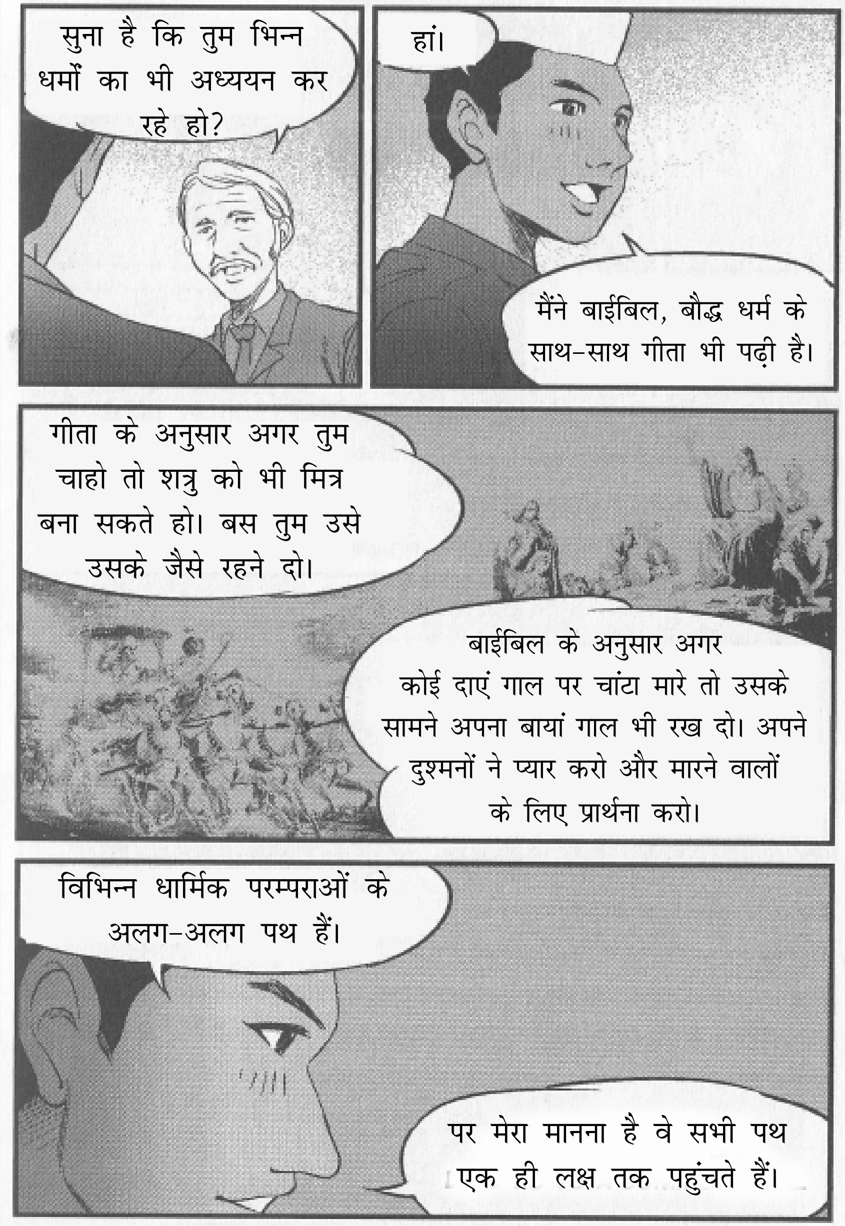

हलो, मिस्टर गांधी!
आप देखने में बिल्कुल अंग्रेज लग रहे हैं।
मिस्टर स्मिथ
यह बताओ कि क्या तुम हिन्दू धर्म में विश्वास रखते हो?
तुमने आखरी बार भागवद-गीता कब पढ़ी?
तुम्हें पता होगा...
भागवद-गीता मूलतः एक प्राचीन भारतीय भाषा में लिखी गई थी जिससे मैं नहीं जानता हूं...


यह बड़े दुख की बात है, क्योंकि गीता एक महान ग्रंथ है।
अब उसका अंग्रेजी अनुवाद उपलब्ध है।
तुम उसे जरूर पढ़ना - अंग्रेजी सुधारने के लिए भी।
हां!
?
माफ करें?
एक अंग्रेज ने सिफारिश की है कि मैं - एक भारतीय, हिन्दू ग्रंथ पढ़ूं...
मुझे तो यह मजाक लगता है।
ऐसा लगता है...
...जैसे तुम अंग्रेज बनने में ब्रिटिश लोगों को भी मात कर रहे हो।


किसी भी जीव पर गुस्सा मत करो और न ही उसे हानि पहुंचाओ।
आनंद और खुशी में भी विरक्त रहो।
आत्म-नियंत्रण रखो,
सच बोलो, प्रेम करो।
और दूसरों की सेवा करने का व्रत लो।
शक्तिशाली बनो, धैर्य रखो और मन साफ रखो।
नफरत और अहम से दूर रहो।
तब तुम अपनी मंजिल तक अवश्य पहुंचोगे।


मैं अंग्रेज नहीं हूं..
बल्कि एक भारतीय आदमी हूं।


greens
RESTAURANT
इस शाकाहारी रेस्ट्रां मिलने पर मैं बेहद खुश हुआ। मैं एकदम रोने लगा।
अब मुझे यह फिक्र करने की जरूरत नहीं थी कि इस खाने में गोश्त है, या नहीं।
HAHAHA
शाकाहारी भोजन, सेहत के लिए बेहतर है।
हम पेट भरने के लिए अन्य जीवों के वध का विरोध करते हैं।


सुना है कि तुम भिन्न धर्मों का भी अध्ययन कर रहे हो?
हां।
मैंने बाईबिल, बौद्ध धर्म के साथ-साथ गीता भी पढ़ी है।
गीता के अनुसार अगर तुम चाहो तो शत्रु को भी मित्र बना सकते हो। बस तुम उसे उसके जैसे रहने दो।
बाईबिल के अनुसार अगर कोई दाएं गाल पर चांटा मारे तो उसके सामने अपना बायां गाल भी रख दो। अपने दुश्मनों ने प्यार करो और मारने वालों के लिए प्रार्थना करो।
विभिन्न धार्मिक परम्पराओं के अलग-अलग पथ हैं।
पर मेरा मानना है वे सभी पथ एक ही लक्ष तक पहुंचते हैं।


माफी चाहता हूं। मैं कौन होता हूं आपको यह सब बताने वाला।
नहीं, तुम्हारे विचार बहुत अच्छे हैं।
... रोचक हैं।
तुम शाकाहार पर हमारी पत्रिका के लिए लेख लिखो।

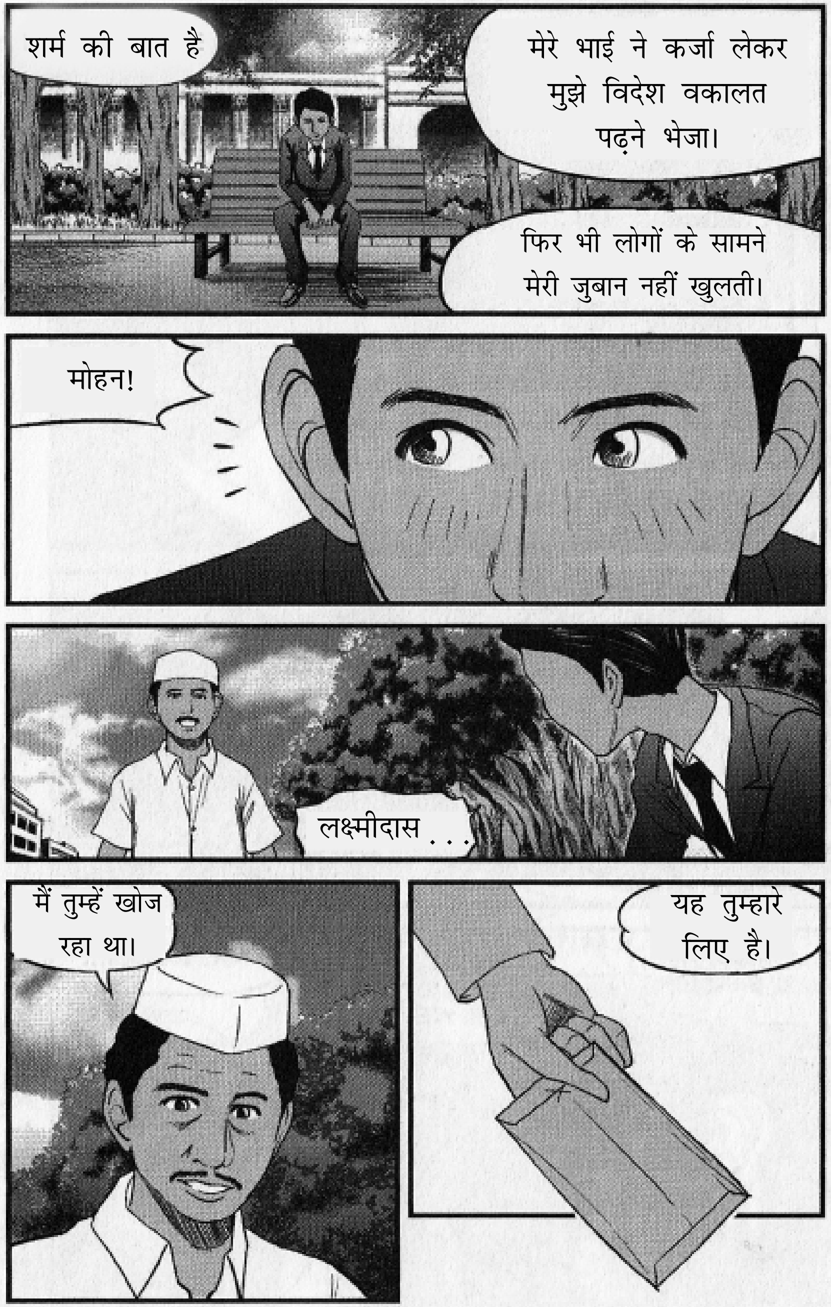

1891 वकालत की परीक्षा में उत्तीर्ण
गांधी (22 वर्ष)
यहां समय कितनी जल्दी बीत गया।
अनुभव वाकई में दिलचस्प और मजेदार था।


बम्बई, भारत
मोहनदास!
लक्ष्मीदास!
मैं तुम्हें पहचान नहीं पाया!
तुम्हारा वजन जरूर कम हुआ है। क्यों, सच है न?
घर में सब कैसे हैं? मां ठीक हैं न?
मैं तुम्हारे लिए कई तौहफे लाया हूं।


मां ने कठिन व्रत रखकर तुम्हें जरूर परेशान करा होगा।
उनकी प्रबल इच्छा शक्ति से हम सभी परिचित हैं।
असल में
माफ करना मोहन...
हम तुम्हारी पढ़ाई में विघ्न डालना नहीं चाहते थे...
मां अब...
नहीं रहीं...


माफ करना लक्ष्मीदास...
तुमने बहुत दुख सहा होगा।
मैं अपने को सम्भालूंगा।
चलो घर चलें।
मोहन...
बापू!
हरीलाल!


कुछ दिनों बाद बम्बई
वकील गुनहगार से सवाल जवाब पूछना शुरू करे।
मिस्टर गांधी
......
क्या हुआ, मिस्टर गांधी?
माफ करें, मेरी तबियत खराब है।
मिस्टर गांधी...
SLAM



शर्म की बात है
मेरे भाई ने कर्जा लेकर मुझे विदेश वकालत पढ़ने भेजा।
फिर भी लोगों के सामने मेरी जुबान नहीं खुलती।
मोहन!
लक्ष्मीदास . . .
मैं तुम्हें खोज रहा था।
यह तुम्हारे लिए है।

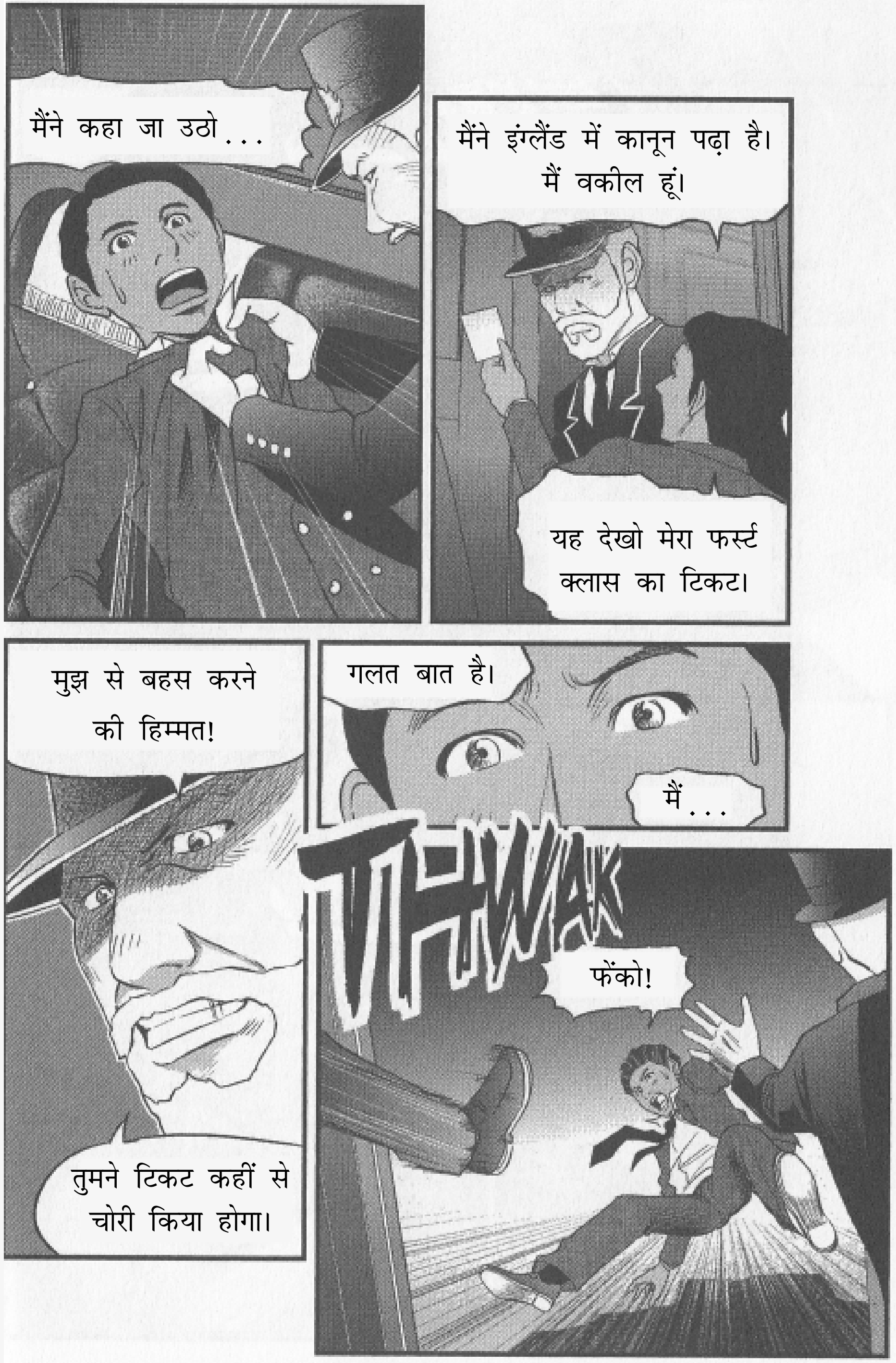


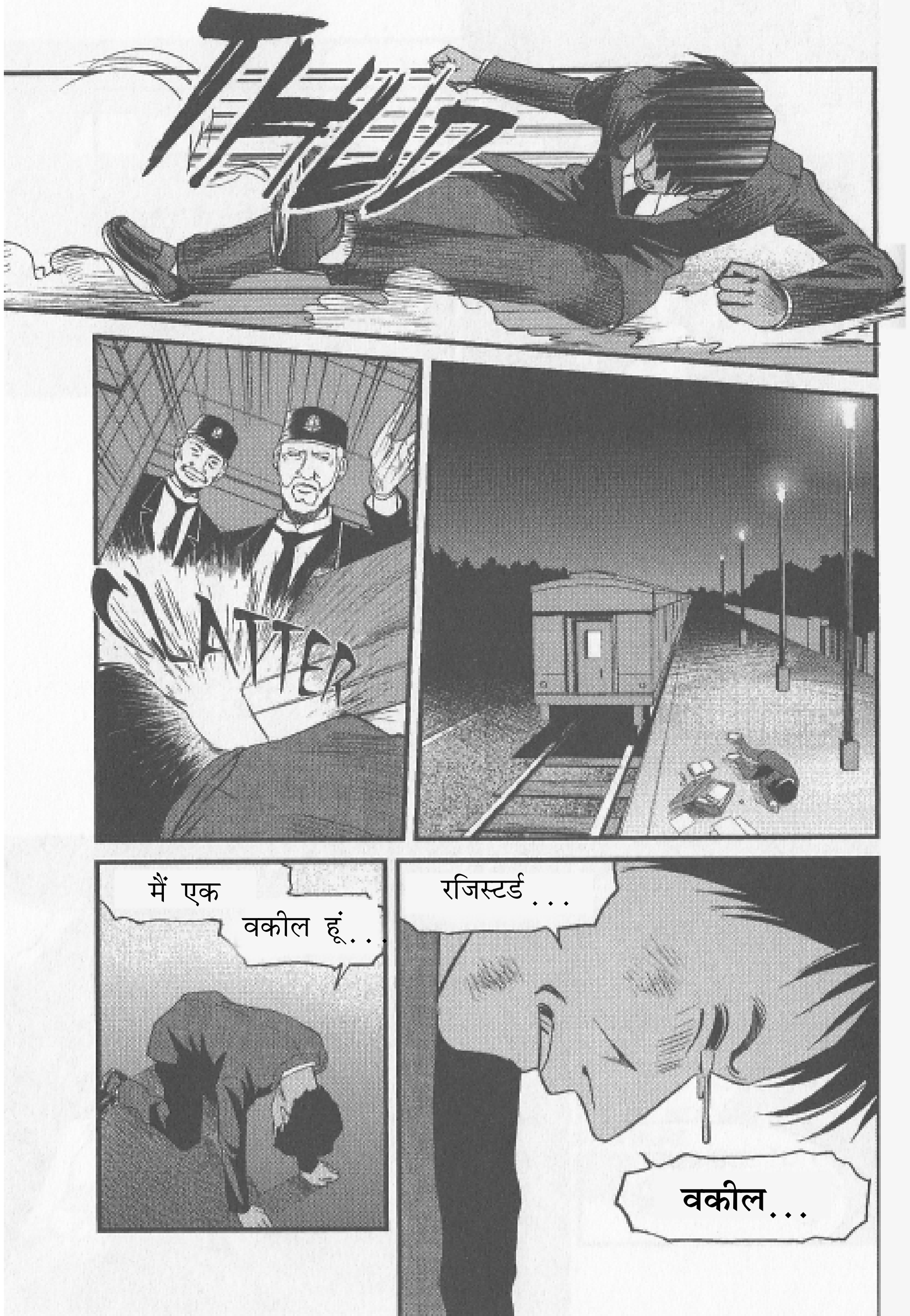
दक्षिण अफ्रीका से न्यौता?
दक्षिण अफ्रीका में एक मुस्लिम व्यापारी . .
. . . एक कानूनी केस में फंसा है और वो तुम्हारी मदद चाहता है।
तनख्वाह बुरी नहीं है। बस साल भर का काम है। प्रस्ताव तुम्हें पसंद आएगा।
मेरे भाई तुम्हारा धन्यवाद।
यह मौका सही समय पर आया है।

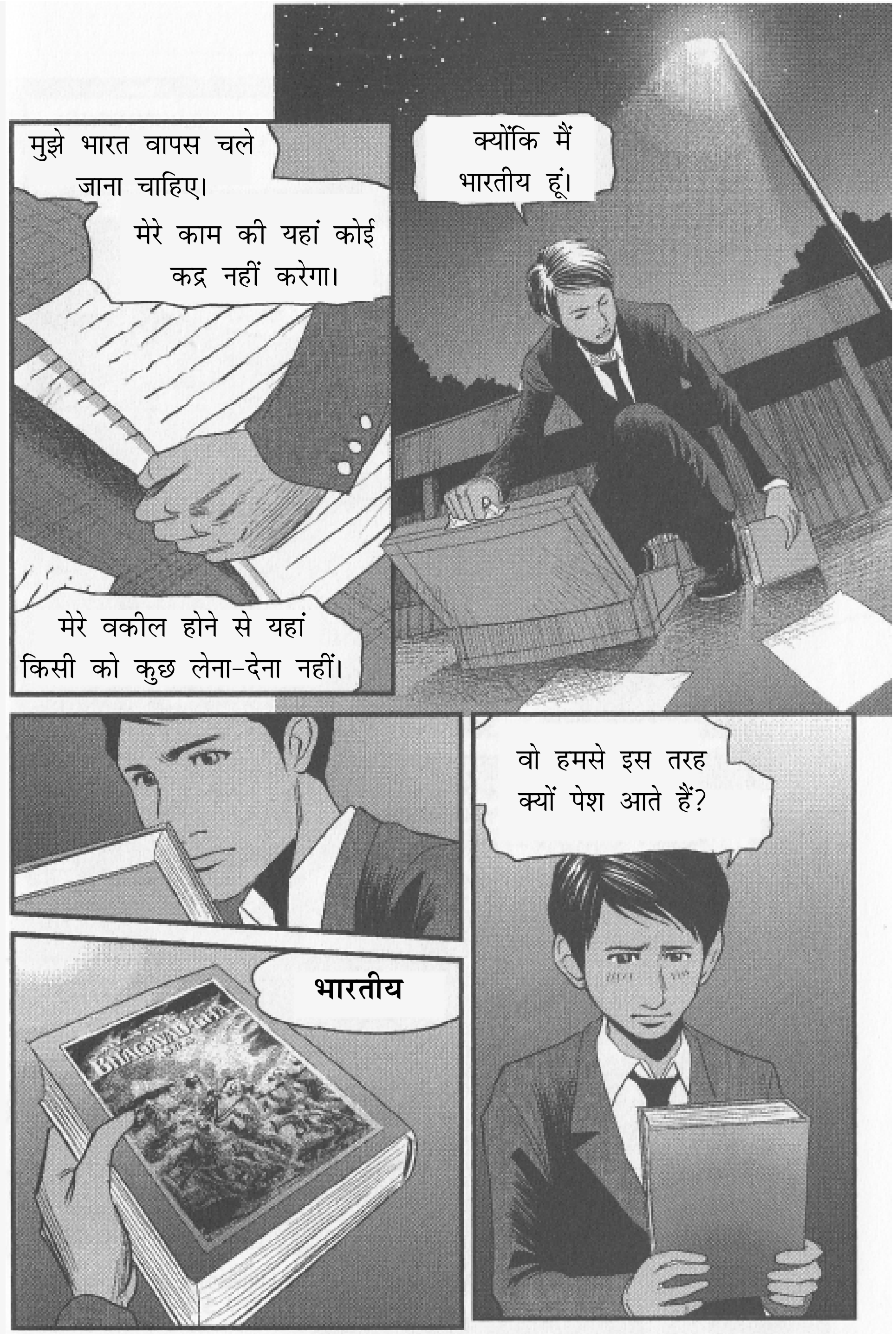

1893, डरबन, नाताल दक्षिण अफ्रीका
आपका बहुत-बहुत शुक्रिया, मिस्टर अब्दुल्ला।
प्रिटोरिया के ट्रेन टिकट खरीदे जा चुके हैं।
तुम नाताल अभी ही आए हो। इसलिए तुम्हें तुरंत भेजना मुझे अच्छा नहीं लग रहा है।
कोई बात नहीं। यह अवसर सही वक्त पर आया है।
तुम्हें बहुत सावधानी बरतनी होगी।
अश्वेत और भारतीय लोगों के साथ लोगों का व्यवहार
पड़ोस के ट्रांसवाल इलाके में नाताल से कहीं अधिक भयानक है। नाताल ब्रिटिश राज के आधीन है।
ट्रांसवाल
TRANSVAAL
प्रिटोरिया
PRETORIA
नाताल
NATAL
डरबन
DURBAN
भारतीय महासागर
INDIAN OCEAN
जौहानिसबर्ग
JOHANNESBURG
मारिट्सबर्ग
MARITZBURG

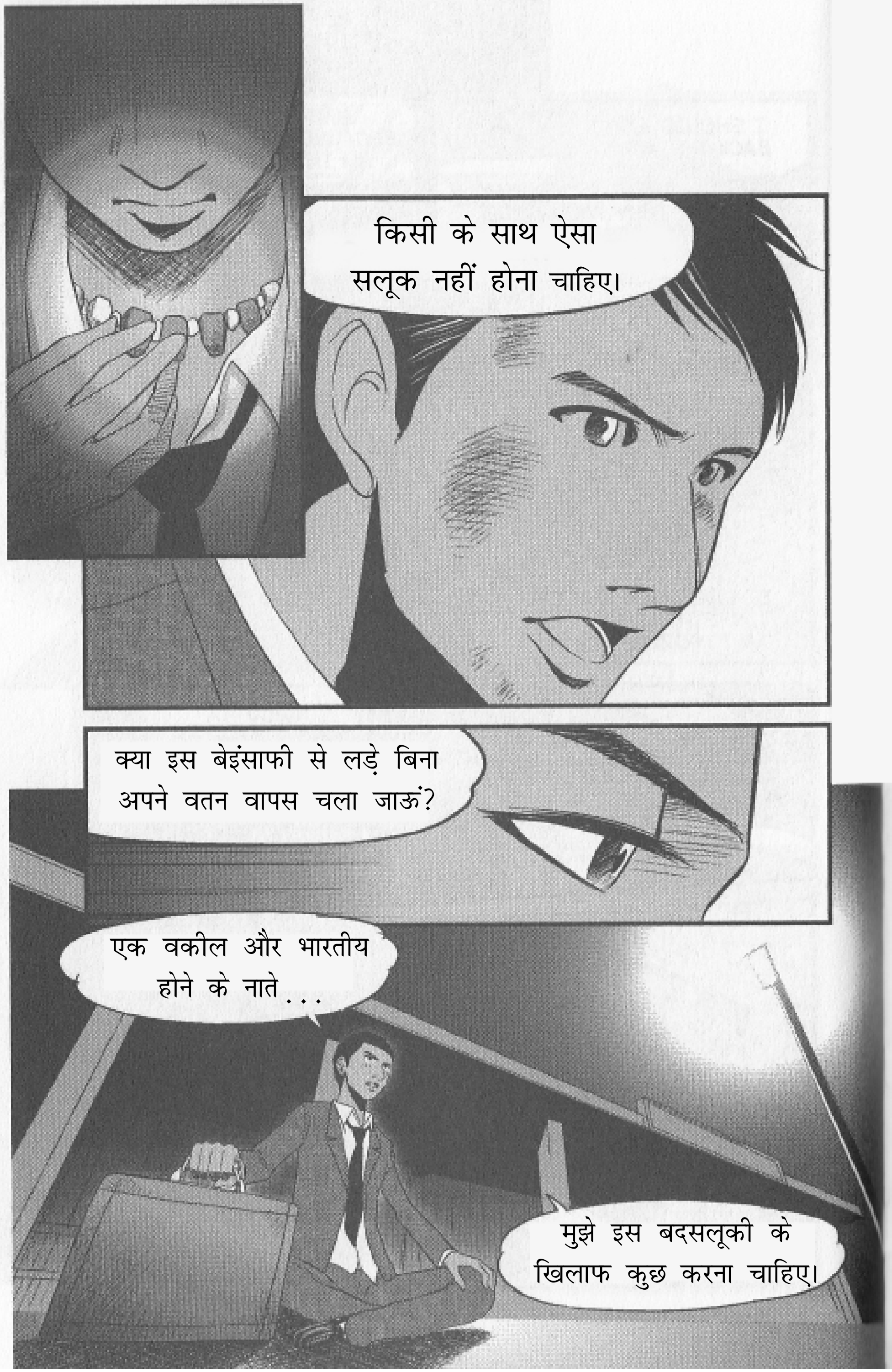

ट्रेन छूटने में अभी कुछ देरी है।
गांधी (23 वर्ष)
मैं कुछ देर आराम करता हूं।
यह तो...
केवल श्वेत यूरोपियन्स के लिए
EUROPEANS BLANKES
!?


भारतीयों के साथ यहां भी रंगभेद होता है।
पर मैं वकील हूं। इसलिए लोग मेरे साथ सभ्य व्यवहार करेंगे।
PIETERMARITZBUR
पीटरमारिट्सबर्ग
SLAM
कुली? क्या कहा?
अरे कुली, तू यहां क्या कर रहा है?
यह फर्स्ट क्लास है। तुम यहां क्या कर रहे हो?
पीछे मालगाड़ी में जाकर बैठो।


मैंने कहा जा उठो...
मैंने इंग्लैंड में कानून पढ़ा है। मैं वकील हूं।
यह देखो मेरा फर्स्ट क्लास का टिकट।
मुझ से बहस करने की हिम्मत!
तुमने टिकट कहीं से चोरी किया होगा।
गलत बात है।
मैं...
THWAK
फेंको!

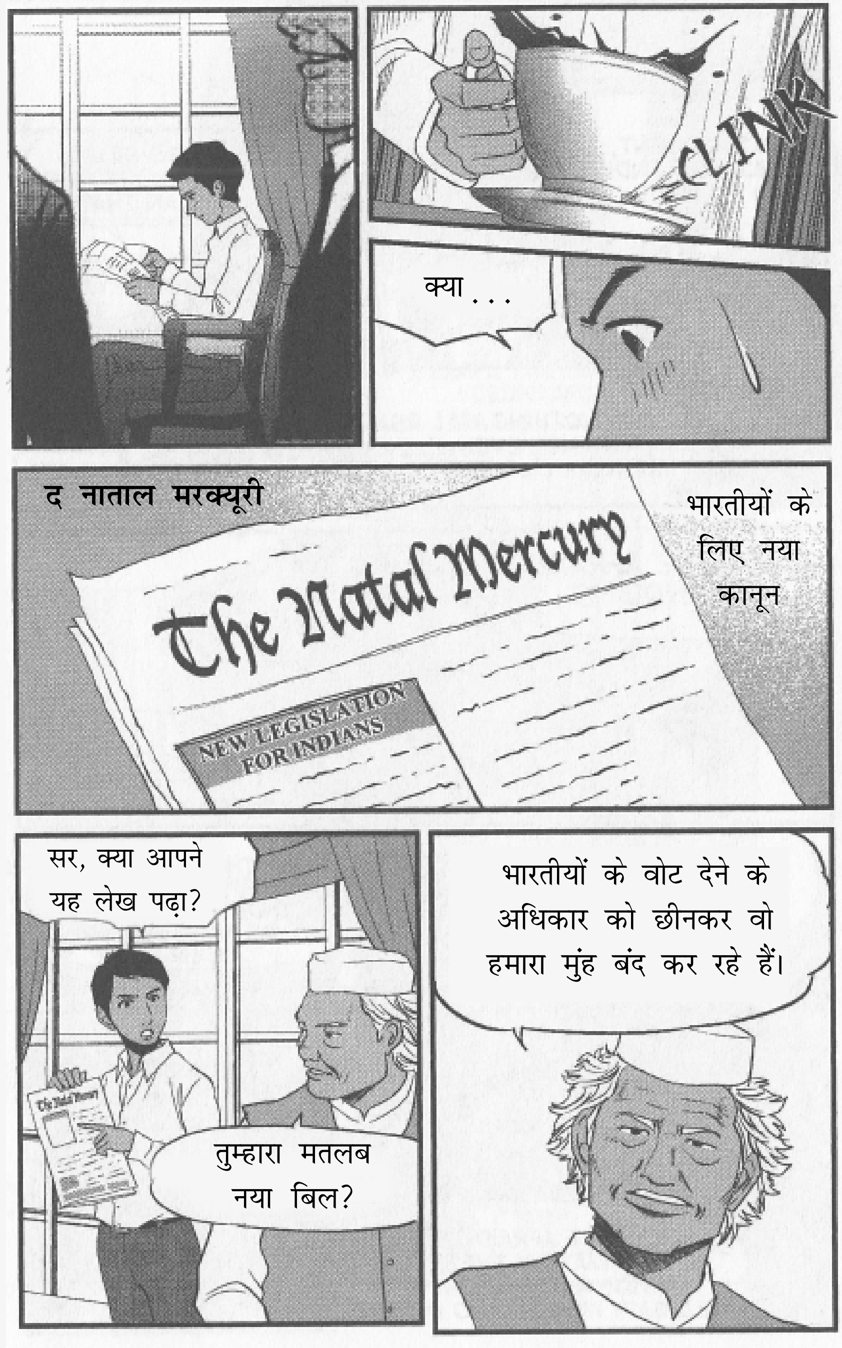

THUD
CLATTER
मैं एक वकील हूं...
रजिस्टर्ड...
वकील...


मुझे भारत वापस चले जाना चाहिए।
मेरे काम की यहां कोई कद्र नहीं करेगा।
मेरे वकील होने से यहां किसी को कुछ लेना-देना नहीं।
क्योंकि मैं भारतीय हूं।
भारतीय
वो हमसे इस तरह क्यों पेश आते हैं?


किसी के साथ ऐसा सलूक नहीं होना चाहिए।
क्या इस बेइंसाफी से लड़े बिना अपने वतन वापस चला जाऊं?
एक वकील और भारतीय होने के नाते...
मुझे इस बदसलूकी के खिलाफ कुछ करना चाहिए।


प्रिटोरिया
द ट्रांसवाल रिपब्लिक
उनका मुझ पर बड़ा अहसान है।
उसे भूलना मुश्किल है।
मुझे आप कुछ परेशान लगते हैं।
पर लम्बी कानूनी लड़ाई से वो कंगाल हो जाएंगे।
आप उनसे बात करें।
उनको नुकसान पहुंचाने की बजाए आप अपने निर्णय को बदलें।
अपनी हिम्मत और ईमानदारी देखकर।


नाताल
प्रिटोरिया में तुम्हारे काम से मैं बहुत खुश हूं।
तुमने कोर्ट के बाहर केस हल कर बड़ा काम किया! सालों से हम आपस में लड़ रहे थे।
बिल्कुल नहीं। इस केस में मैंने सबसे ज्यादा सीखा।
अगर लोगों की आत्मा से अपील की जाए तो वे वाकई में नेक काम करते हैं।
क्योंकि तुम काम सही तरह से अंजाम
दिया उसके लिए जश्न की पार्टी का मजा लो।
धन्यवाद।

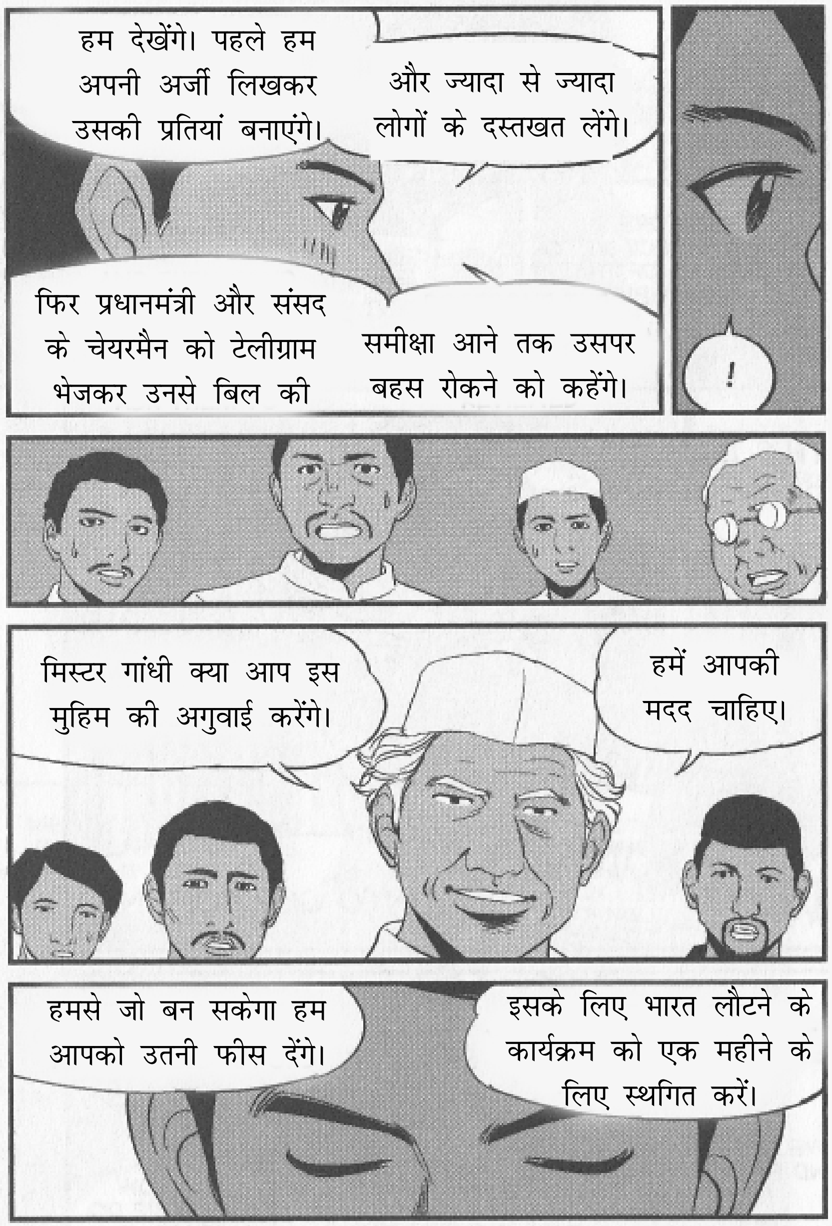

CLINK
क्या...
द नाताल मरक्यूरी
The Natal Mercury
NEW LEGISLATION FOR INDIANS
भारतीयों के लिए नया कानून
सर, क्या आपने यह लेख पढ़ा?
तुम्हारा मतलब नया बिल?
भारतीयों के वोट देने के अधिकार को छीनकर वो हमारा मुंह बंद कर रहे हैं।



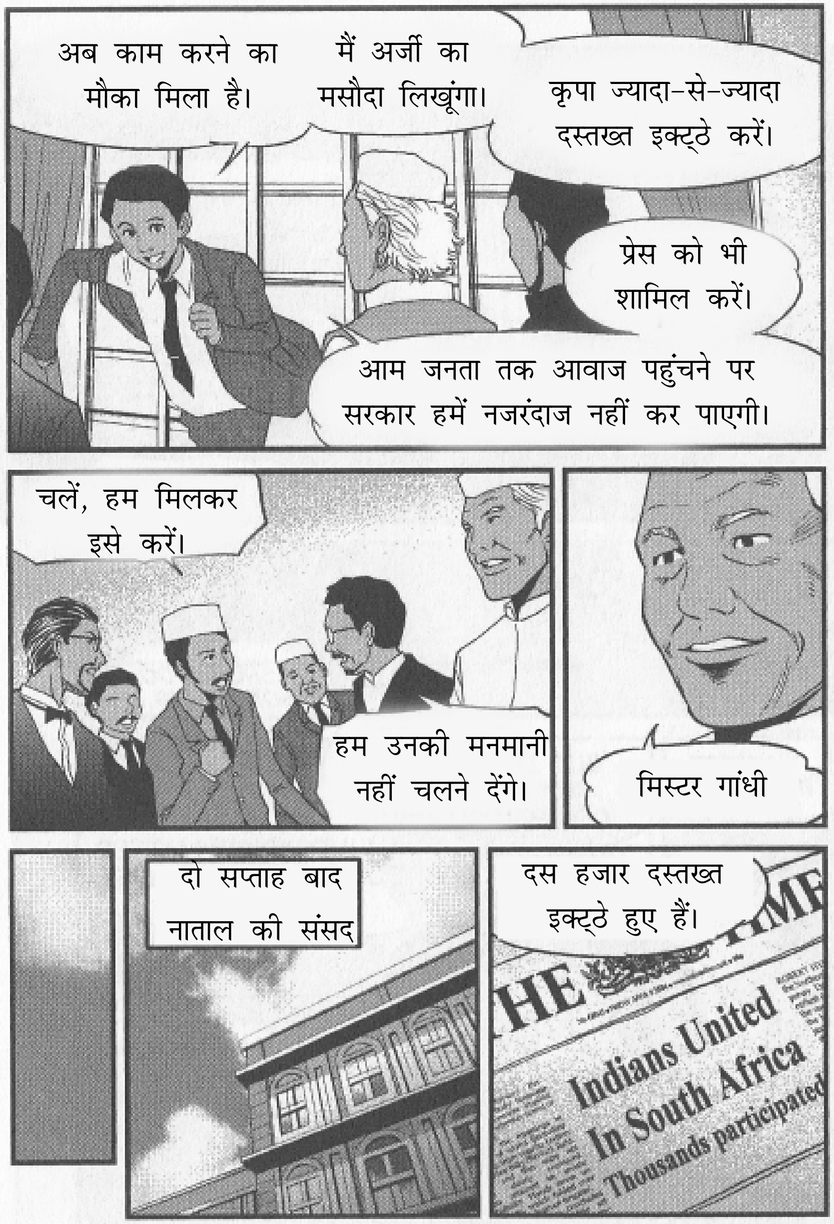
आज यहां सिर्फ 250 भारतीयों को ही वोट देने का अधिकार है।
इसलिए वोट देने के हमारे अधिकार को छीनने से ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा।
बिल इससे अधिक महत्वपूर्ण है।
क्या?
वो भारतीयों से भयभीत हैं! उन्हें लगता है
भारतीय सत्ता में आ जाएंगे।
पांच साल बाद हमें यहां के नागरिकों के अधिकार मिलते हैं।
उन्हें डर है कि राष्ट्रीयता मिलने के बाद भारतीय बहुत धन और सत्ता हथियाएंगे।
वो नए भारतीयों को केवल मजदूरों की श्रेणी में रखना चाहते हैं।



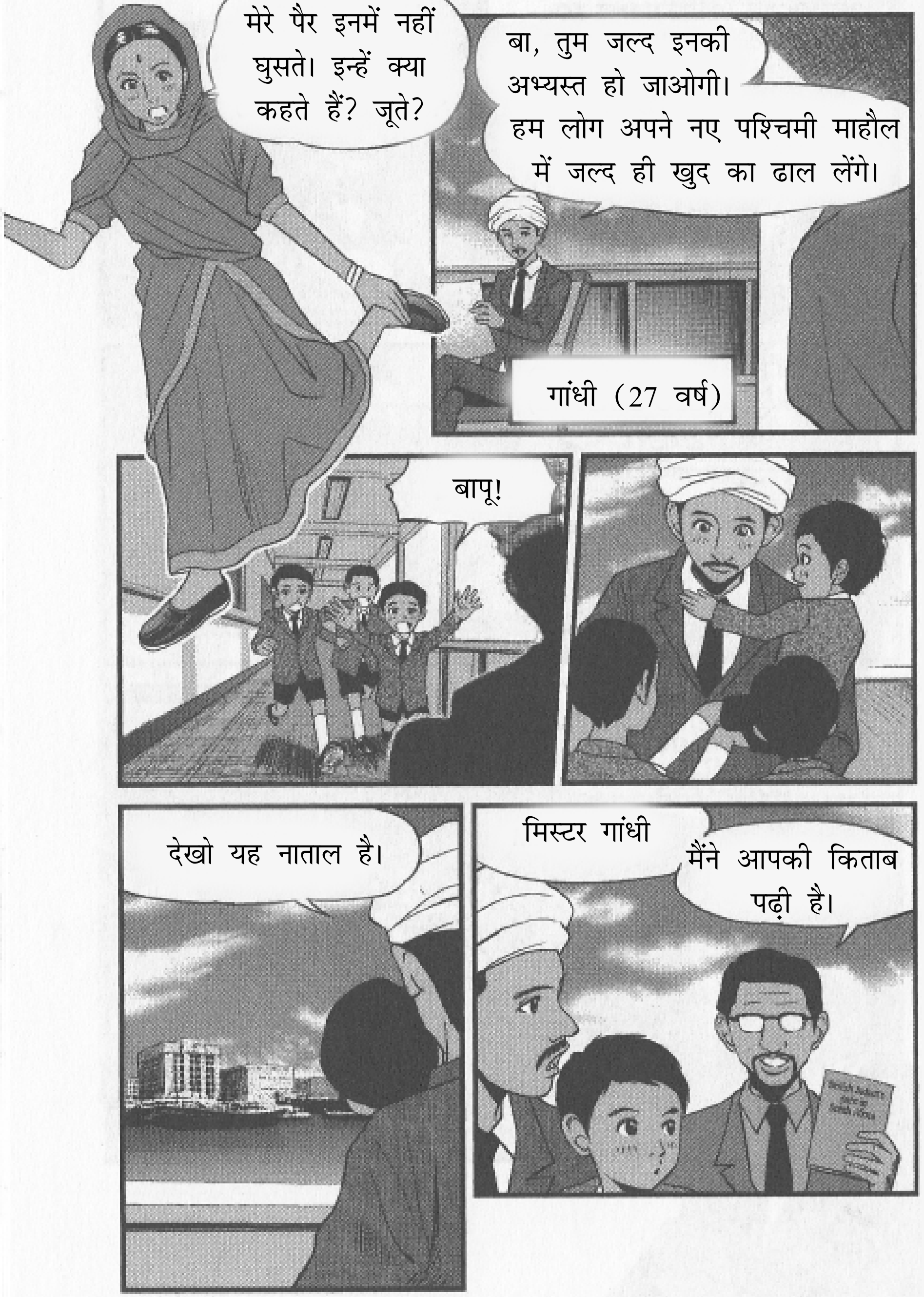
इसलिए वो हमें सभी अधिकारों से वंचित रखना चाहते हैं।
जिससे दुखी होकर अंत में हम स्वेच्छा से इस देश को छोड़ कर वापस अपने वतन चले जाएं।
यह बिल हमारे कफन में . . .
पहली कील है।
हमें इस बिल को हरगिज पास नहीं होने देना चाहिए।
इसके लिए हमें संगठित होकर लड़ना पड़ेगा।
क्या करें . . .

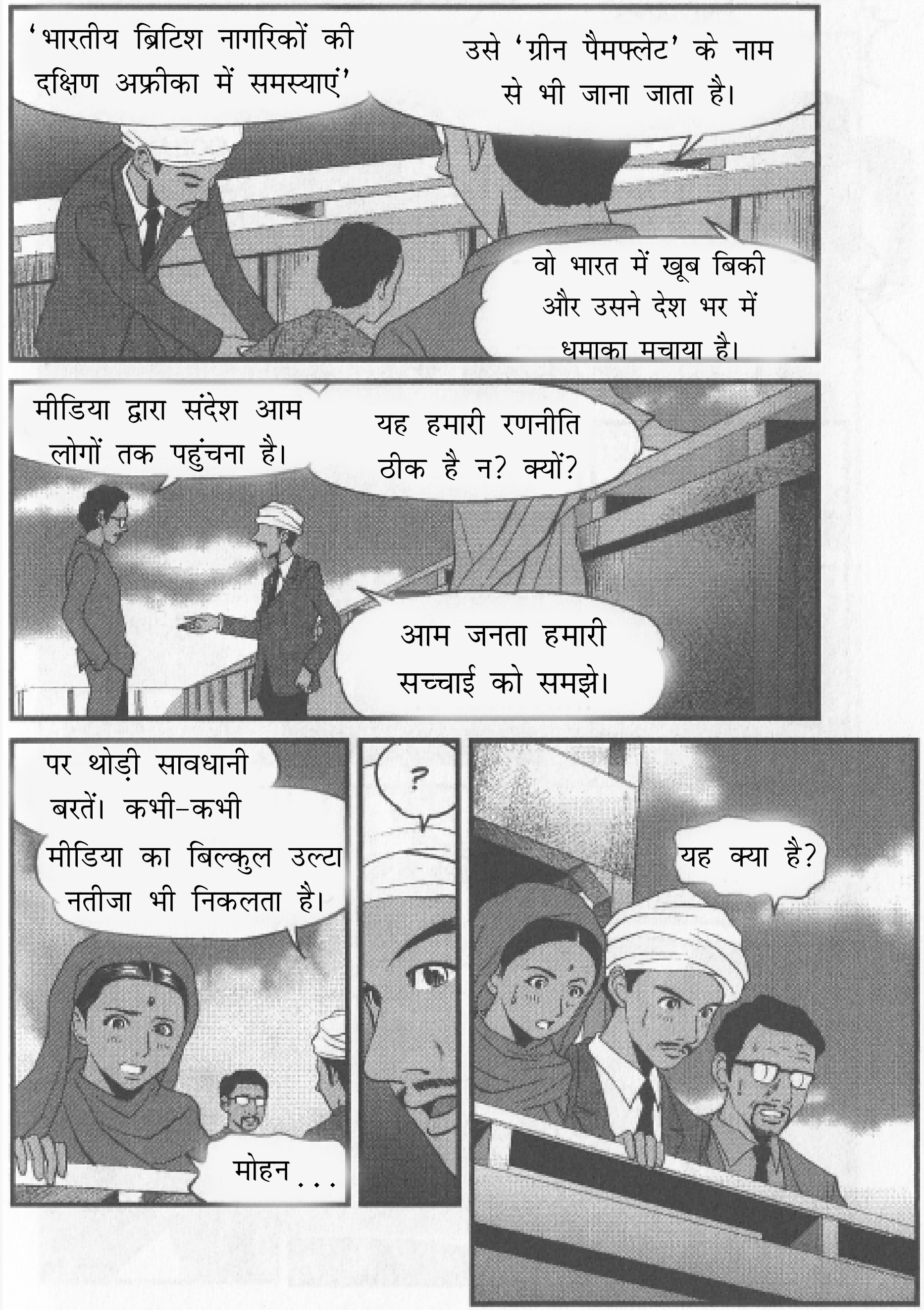

हम देखेंगे। पहले हम अपनी अर्जी लिखकर उसकी प्रतियां बनाएंगे।
और ज्यादा से ज्यादा लोगों के दस्तखत लेंगे।
फिर प्रधानमंत्री और संसद के चेयरमैन को टेलीग्राम भेजकर उनसे बिल की
समीक्षा आने तक उसपर बहस रोकने को कहेंगे।
!
मिस्टर गांधी क्या आप इस मुहिम की अगुवाई करेंगे।
हमें आपकी मदद चाहिए।
हमसे जो बन सकेगा हम आपको उतनी फीस देंगे।
इसके लिए भारत लौटने के कार्यक्रम को एक महीने के लिए स्थगित करें।


मिस्टर गांधी
मिस्टर गांधी
मदद करें!
भारतीय होने के नाते
मुझे कुछ करना चाहिए...
मैं जरूर करूंगा।
पर मैं इसके लिए कोई पैसे नहीं लूंगा।
यह एक व्यक्ति का काम नहीं है पूरे भारतीय समाज का काम है।
सामाजिक कार्य के लिए मैं फीस नहीं लूंगा।


अब काम करने का मौका मिला है।
मैं अर्जी का मसौदा लिखूंगा।
कृपा ज्यादा-से-ज्यादा दस्तख्त इक्ट्ठे करें।
प्रेस को भी शामिल करें।
आम जनता तक आवाज पहुंचने पर सरकार हमें नजरंदाज नहीं कर पाएगी।
चलें, हम मिलकर इसे करें।
हम उनकी मनमानी नहीं चलने देंगे।
मिस्टर गांधी
दो सप्ताह बाद नाताल की संसद
दस हजार दस्तख्त इक्ट्ठे हुए हैं।
Indians United In South Africa
Thousands participated

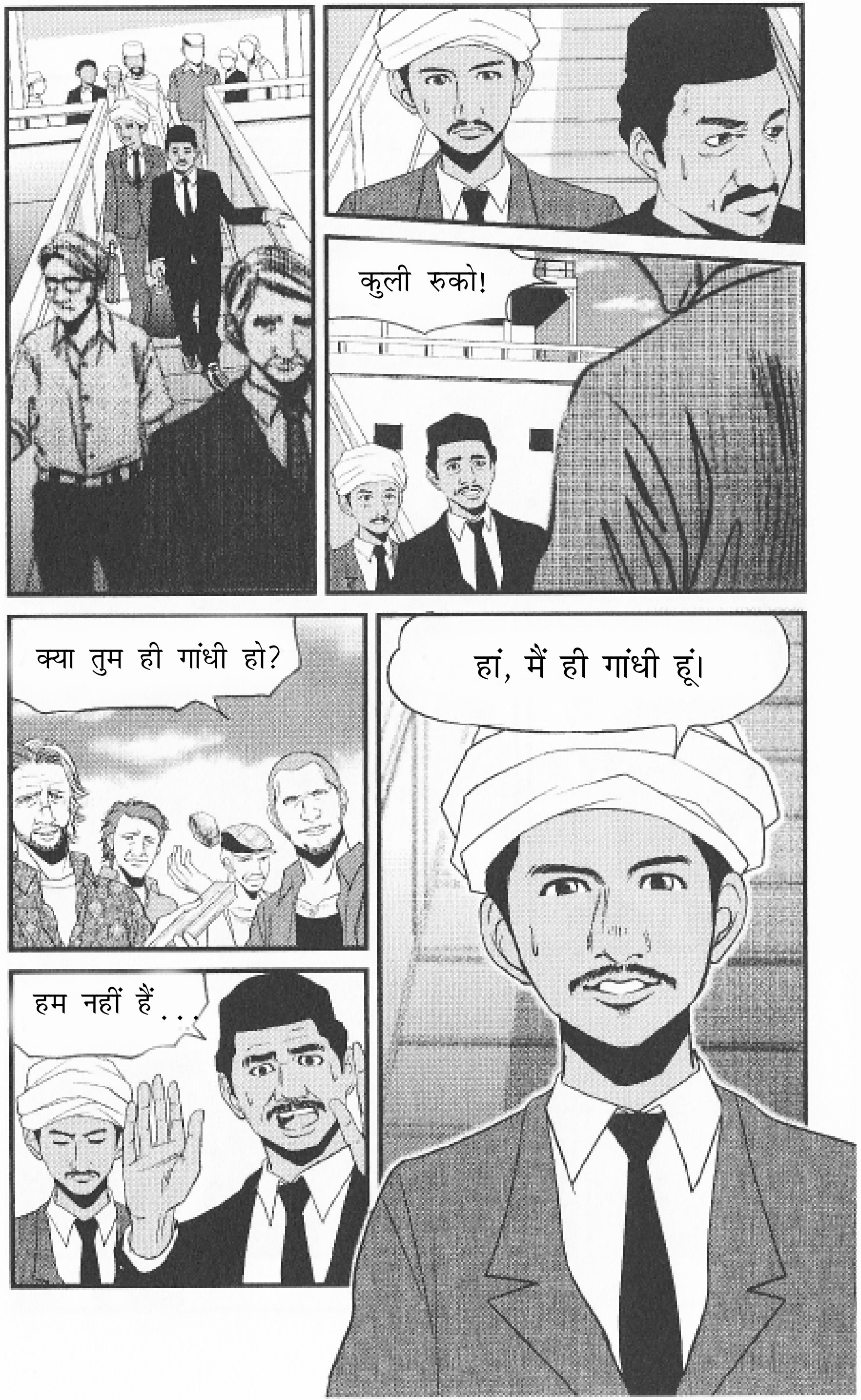

इस अर्जी को इंग्लैंड और भारत दोनों जगह भेजा गया।
टाइम्स अखबार भारतीयों की मांग के प्रति संवेदनशील है।
भाड़ में जाएं भारतीय . .
गांधी नाम का वकील इस आंदोलन को संचालित कर रहा है।
गांधी . . .
उसने स्थानीय भारतीयों को संगठित कर नाताल इंडियन कांग्रेस स्थापित की है।
पूरे देश में उनके मोर्चे निकल रहे हैं।
दिसंबर 1896 भारतीय महासागर


मेरे पैर इनमें नहीं घुसते। इन्हें क्या कहते हैं? जूते?
बा, तुम जल्द इनकी अभ्यस्त हो जाओगी।
हम लोग अपने नए पश्चिमी माहौल में जल्द ही खुद का ढाल लेंगे।
गांधी (27 वर्ष)
बापू!
देखो यह नाताल है।
मिस्टर गांधी
मैंने आपकी किताब पढ़ी है।


‘भारतीय ब्रिटिश नागरिकों की दक्षिण अफ्रीका में समस्याएं’
उसे ‘ग्रीन पैमफ्लेट’ के नाम से भी जाना जाता है।
वो भारत में खूब बिकी और उसने देश भर में धमाका मचाया है।
मीडिया द्वारा संदेश आम लोगों तक पहुंचना है।
यह हमारी रणनीति ठीक है न? क्यों?
आम जनता हमारी सच्चाई को समझे।
पर थोड़ी सावधानी बरतें। कभी-कभी मीडिया का बिल्कुल उल्टा नतीजा भी निकलता है।
मोहन . . .
?
यह क्या है?


भारतीयों अपने देश वापस जाओ!
नहीं तो हम तुम सब को समुद्र में फेंक देंगे!
यह क्या हो रहा है?
मिस्टर गांधी हालात खराब हैं।
मिस्टर लाफटन
आपकी गैरहाजिरी में रौयटर्स ने आपकी पुस्तक का विकृत रूप छापा...
बाहर खड़ी भीड़ मानती है कि आपने गोरों पर लांछन लगाने का मुहिम छेड़ा है।
यह बकवास है।


जहाज से अभी उतरने में भारी खतरा है।
हमने परिवार सहित आपको सुरक्षित घर पहुंचाने के लिए गाड़ी का इंतजाम किया है।
सिर्फ हम दोनों अकेले ही आकर्षण का केंद्र बने हैं।
चलो, चलें।
हमें जल्दी निकला चाहिए।


कुली रुको!
क्या तुम ही गांधी हो?
हम नहीं हैं...
हां, मैं ही गांधी हूं।


घूंसा!
SMAK
वो यहां है!
यही है गांधी!
THWAK

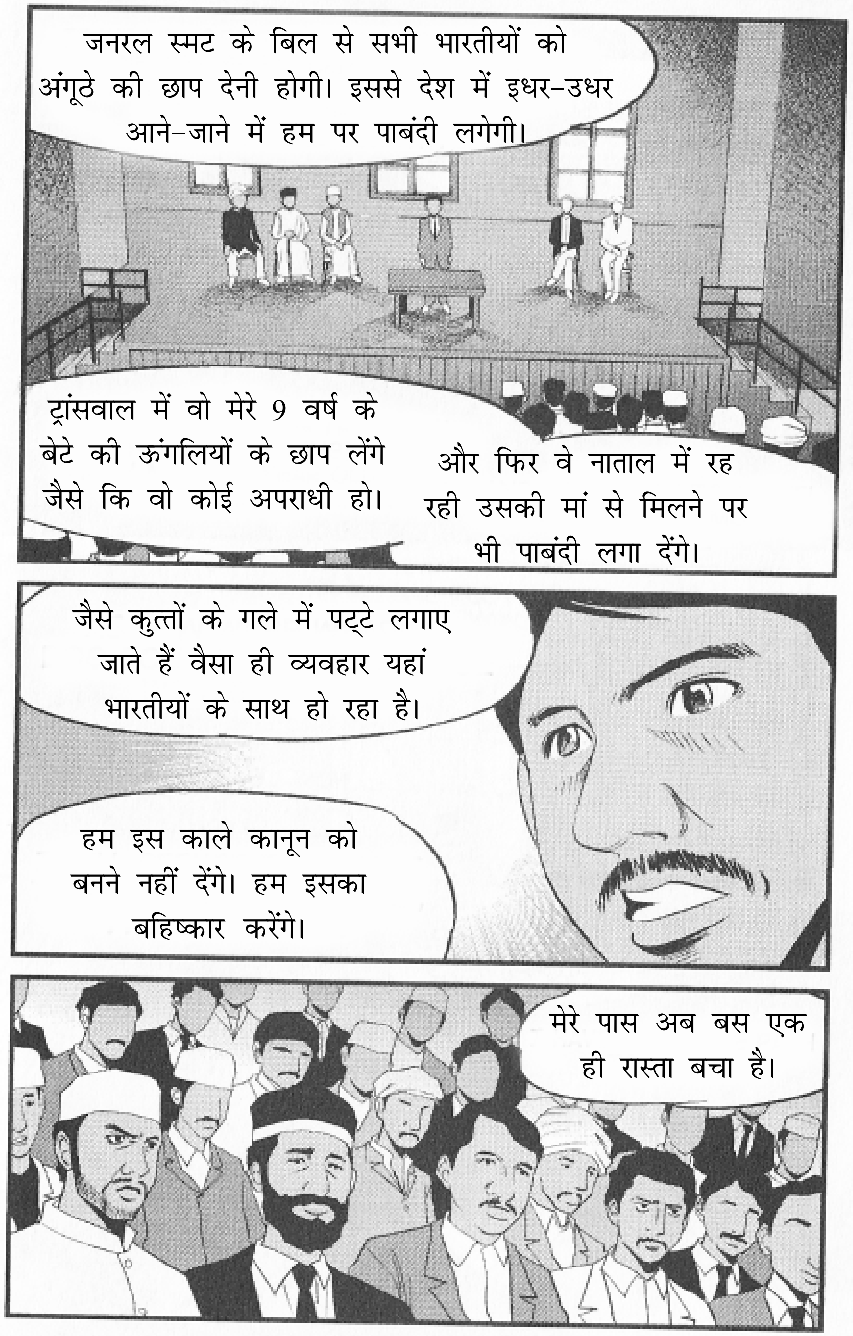

बहुत हो गया! इस गरीब को मारने की तुमने कैसे जुर्रत की!
लानत हो तुम पर!!
तुम समझते नहीं!
यह आदमी बड़ी मुश्किलें खड़ी कर रहा है।
मेरा पति पुलिस स्टेशन का चीफ है।
मैं तुम सभी को गिरफ्तार करवाऊंगी!


उनकी तबियत कैसी है?
इस हालात में भी आप
मेरी जुबान बंद नहीं रख सकते हैं...
ब्रिटिश सरकार इस हमले की निंदा करती है।
ब्रिटिश सचिव चेम्बरलेन ने इस घटना की शिनाख्त और हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश दिए हैं।


इसलिए मैं चाहता हूं कि आप हमलावरों की पहचान करें।
आपको उनमें से किसी का चेहरा याद है?
कृपा ध्यान से देखें।
किसी भी दोषी को सजा नहीं दें।
माफ करें?
मैं किसी को सजा देना नहीं चाहता।


मैं सत्य की खोज में हूं।
अगर वो भी सच को देखेंगे तो वो खुद अपनी गलती को पहचानेंगे।
मैं इसी से ही संतुष्ट हूं।
......
मिस्टर गांधी
'गांधी किसी हमलावर के खिलाफ केस दर्ज करना नहीं चाहते हैं।'
गांधी
The Natal Mercury


1906, जोहैनिसबर्ग
दक्षिण अफ्रीका
3!
4!
PAT
PAT
5!
उफ!
बापू वापस आए हैं।
HA HA HA
गांधी (37 वर्ष)
मिस्टर गांधी
सरकार नया बिल
पेश कर रही है।


जनरल स्मट के बिल से सभी भारतीयों को अंगूठे की छाप देनी होगी। इससे देश में इधर-उधर आने-जाने में हम पर पाबंदी लगेगी।
ट्रांसवाल में वो मेरे 9 वर्ष के बेटे की ऊंगलियों के छाप लेंगे जैसे कि वो कोई अपराधी हो।
और फिर वे नाताल में रह रही उसकी मां से मिलने पर भी पाबंदी लगा देंगे।
जैसे कुत्तों के गले में पट्टे लगाए जाते हैं वैसा ही व्यवहार यहां भारतीयों के साथ हो रहा है।
हम इस काले कानून को बनने नहीं देंगे। हम इसका बहिष्कार करेंगे।
मेरे पास अब बस एक ही रास्ता बचा है।



मैं इस काले कानून को स्वीकार नहीं करूंगा और जमकर विरोध करूंगा।
YEAHHH
मिस्टर गांधी
आपका भाषण हमेशा दिल को छूने वाला होता है।
मैं कैसे जनता को भाषण दूं जिससे उनका दिल जीत पाऊं? बिल्कुल आप जैसे?
दूसरों के सुख की कामना करो।



काले कानून का बहिष्कार करो!! सब लोग संगठित होकर खड़े रहो
ट्रांसवाल, संसद
जनरल स्मट्स, भारतीय लोग . . .
क्या हुआ? क्या उन्होंने विद्रोह शुरू किया?
वो लोग पंजीकरण दफ्तर के सामने धरना दे रहे हैं।
और चारों ओर खिलाफत के पोस्टर चिपका रहे हैं।
इसके पीछे भी वही गांधी होगा।


जो भी आंदोलन में भाग ले उसे गिरफ्तार करो।
जो भी विरोध करे उसे तुरंत भारत वापस भेज दो।
एक और काम है। मुझे '*इंडियन ओपिनियन*' की एक प्रति लाकर दो।
वही पत्रिका जो भारतीयों में बांटी जा रही है।
हां।
जौहैनिसबर्ग जेल


CLUNK
गांधी, उठो!
जनरल स्मट्स, गांधी इधर हैं।

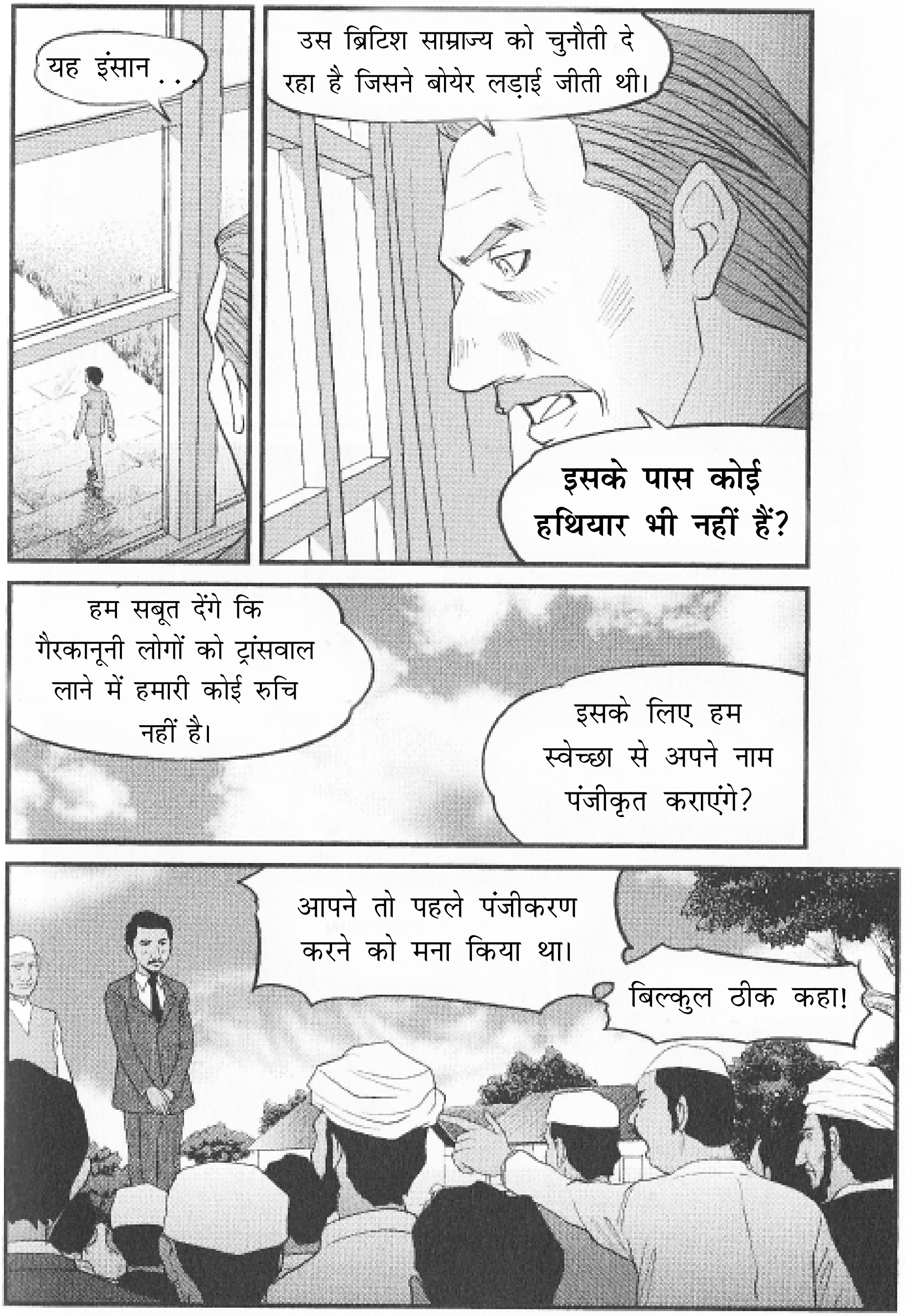


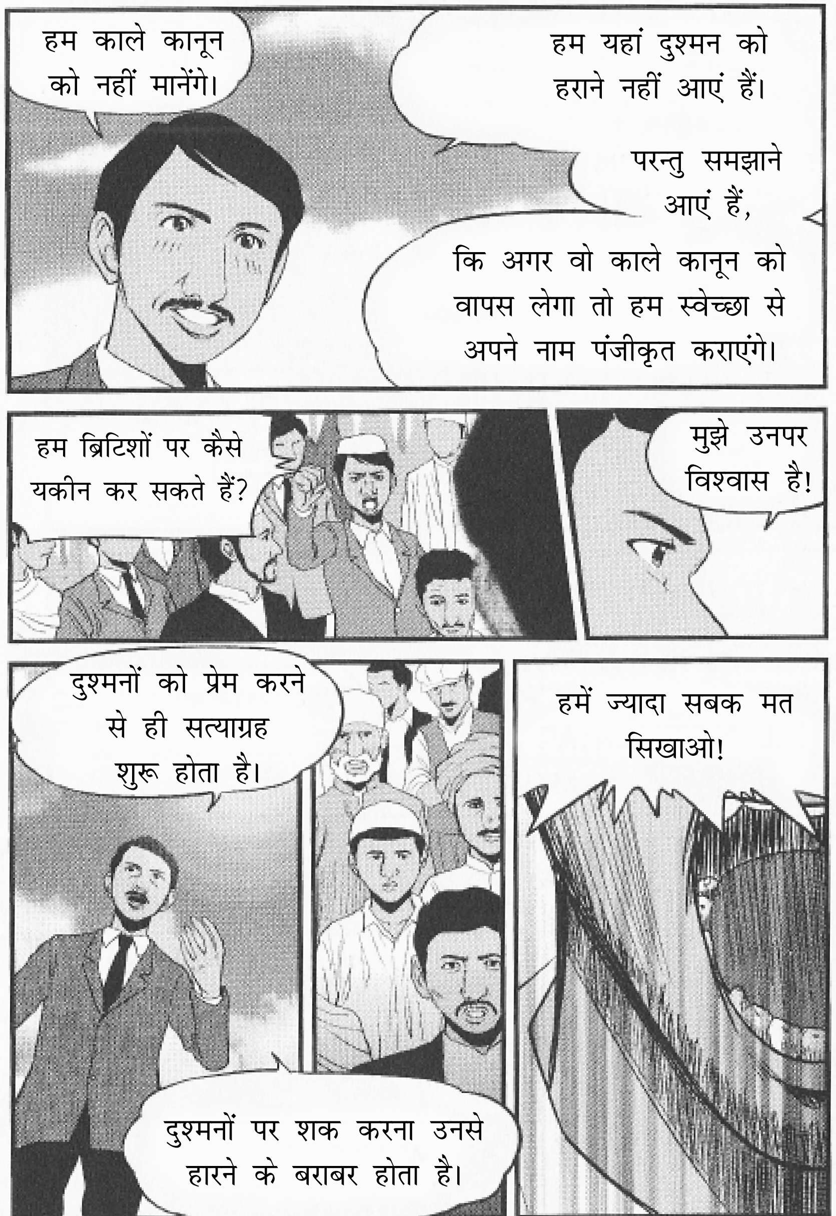
तो आप हैं मशहूर गांधी?
कद छोटा है।
अच्छे नेता हैं आप। क्यों?
अहिंसा और आज्ञा का उल्लंघन
किसी ने भी पंजीकरण नहीं किया। जोहैनिसबर्ग का जेल अब भारतीयों से भरा है।
क्या **'सत्याग्रह आंदोलन'** का मतलब सत्य के प्रति आस्था रखना है?
Indian Opinion
A WEEK OF EXCITEMENT
डेविड हेनरी थोरू से प्रेरित होकर पहले मैंने उसे 'पैजिव रजिस्टेंस' नाम दिया था। पर 'पैसिव' शब्द मुझे कुछ अटपटा लगा।

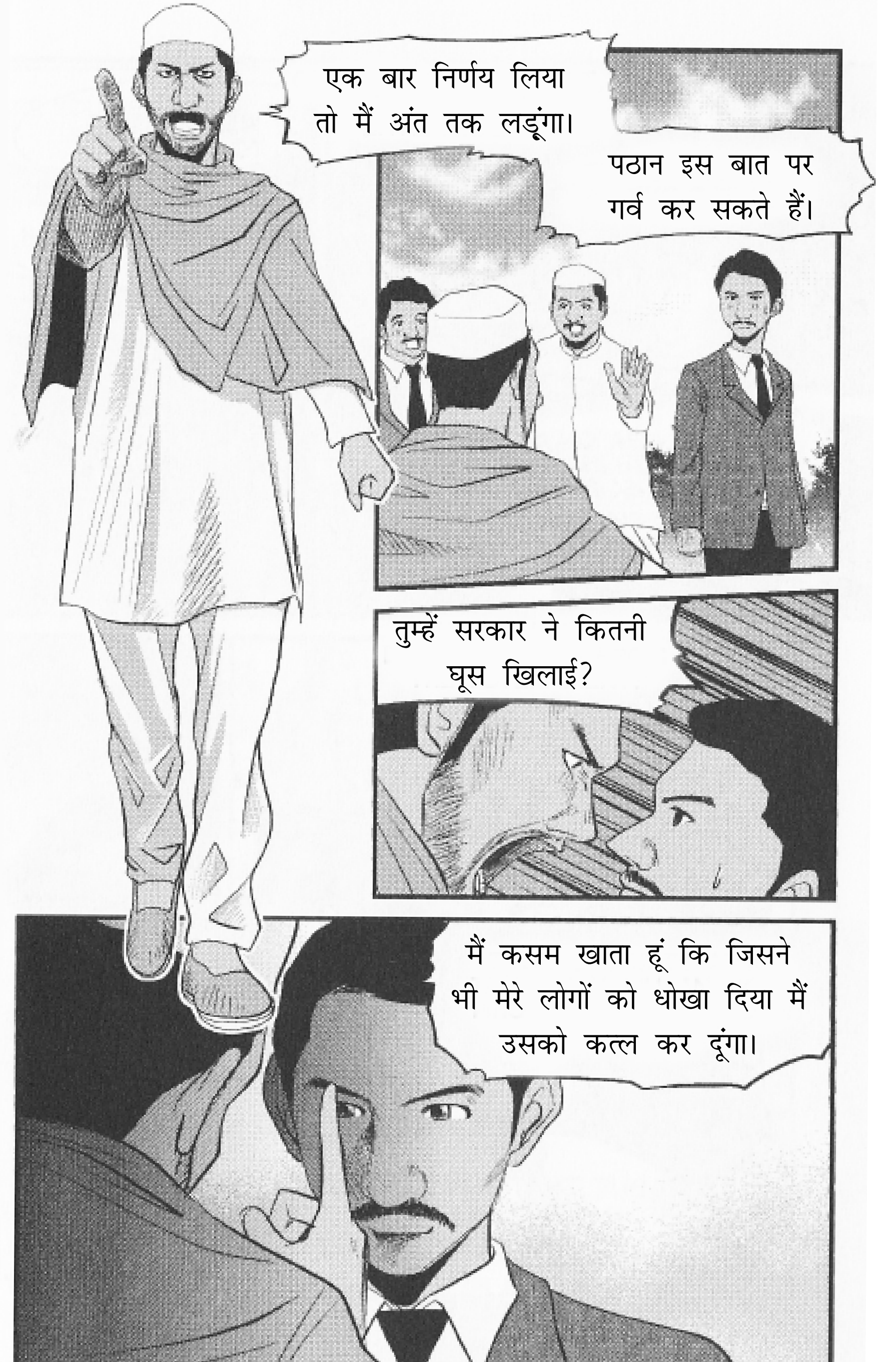


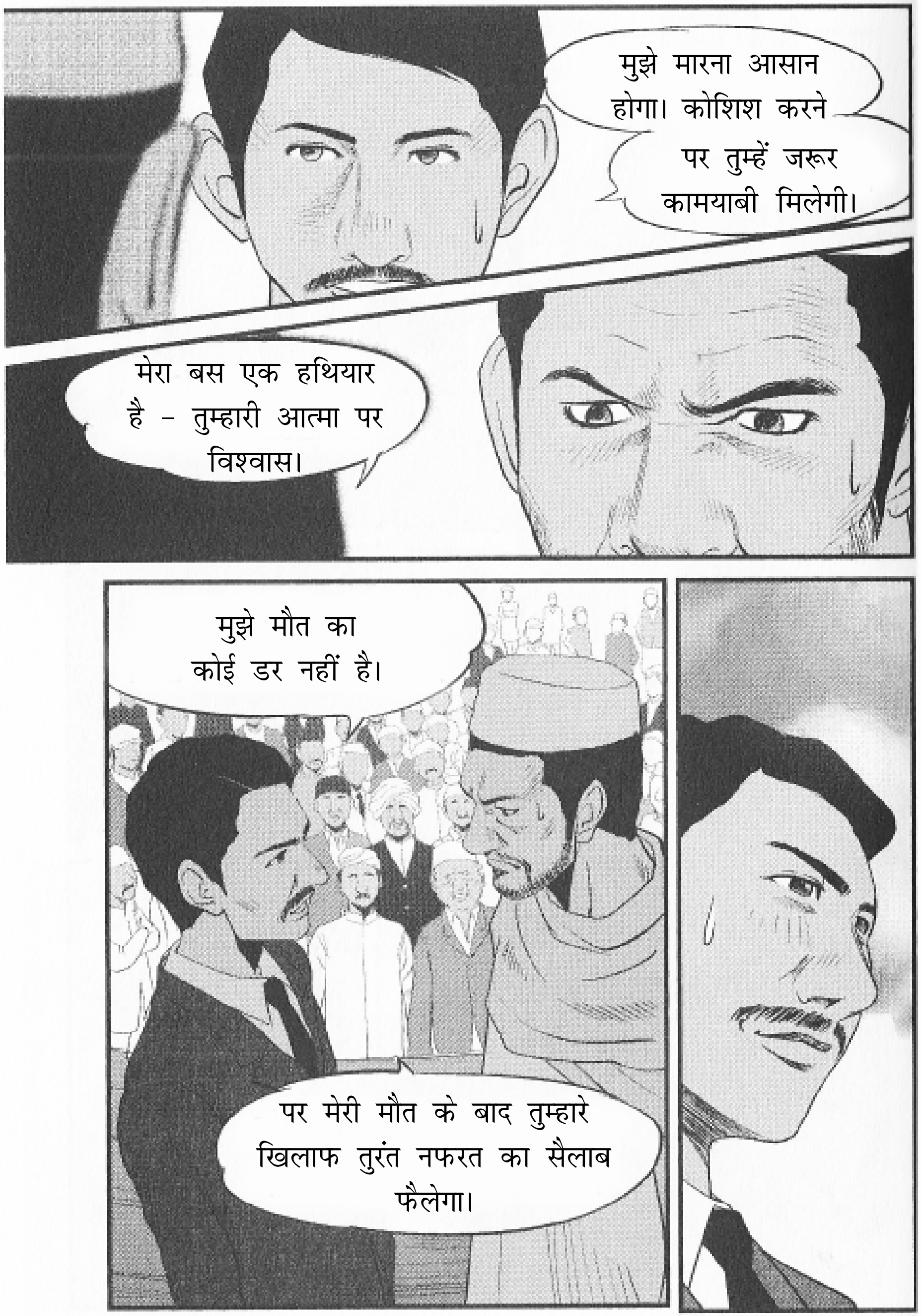
आपने जो ड्राफ्ट मुझे पहले दिखाया था, उसके बारे में...
...अगर भारतीय स्वेच्छा से पंजीकरण करें तो फिर आप उस बिल को वापस ले लेंगे।
बिल्कुल ठीक। हमने भारतीयों को परेशान करने के लिए यह बिल नहीं बनाया है।
तमाम लोग गैरकानूनी तरीकों से हमारे देश में आ रहे हैं। इस गंभीर स्थिति को हम नजरंदाज नहीं कर सकते।
हम सहयोग करेंगे जिससे गैरकानूनी तरीकों से लोग दाखिल न हों। उसके लिए हम अपनी स्वेच्छा से पंजीकरण के लिए तैयार हैं।
तब तो हम लोगों में आसानी से समझौता हो सकता है।

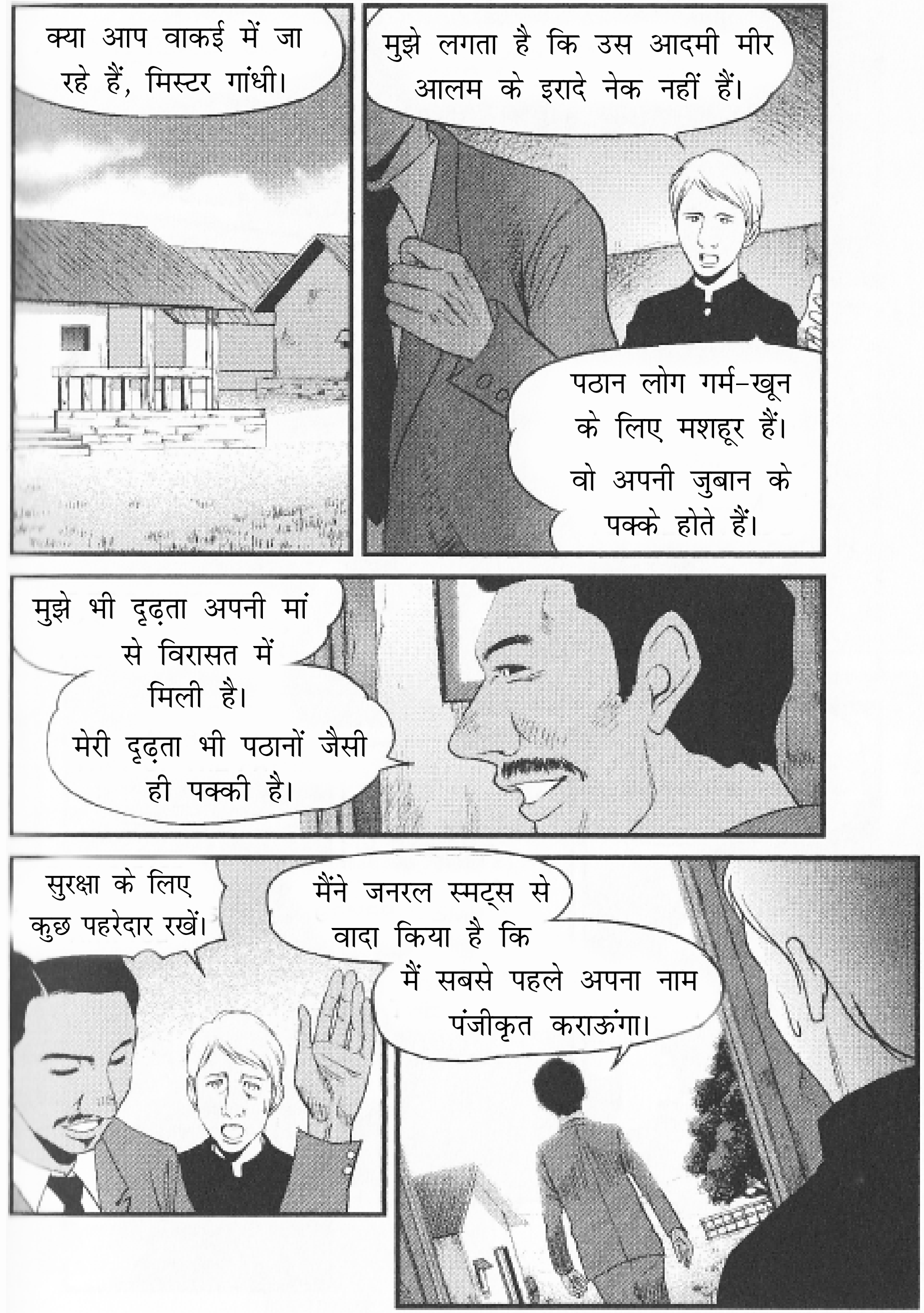

मिस्टर गांधी
क्या आपको वाकई लगता है कि आप सत्याग्रह से . . .
. . . ब्रिटिश साम्राज्य को बदल सकते हैं?
बदले की भावना से हम एक-दूसरे की आंखें फोड़ेंगे तो सारी दुनिया अंधी हो जाएगी।
मनुष्य की आत्मा को यही मेरी चुनौती है . . यही मेरा प्रयोग हैं।
यह हमारी सच्ची मान्यताओं और हिम्मत की परीक्षा है।
और आत्मा की भी।

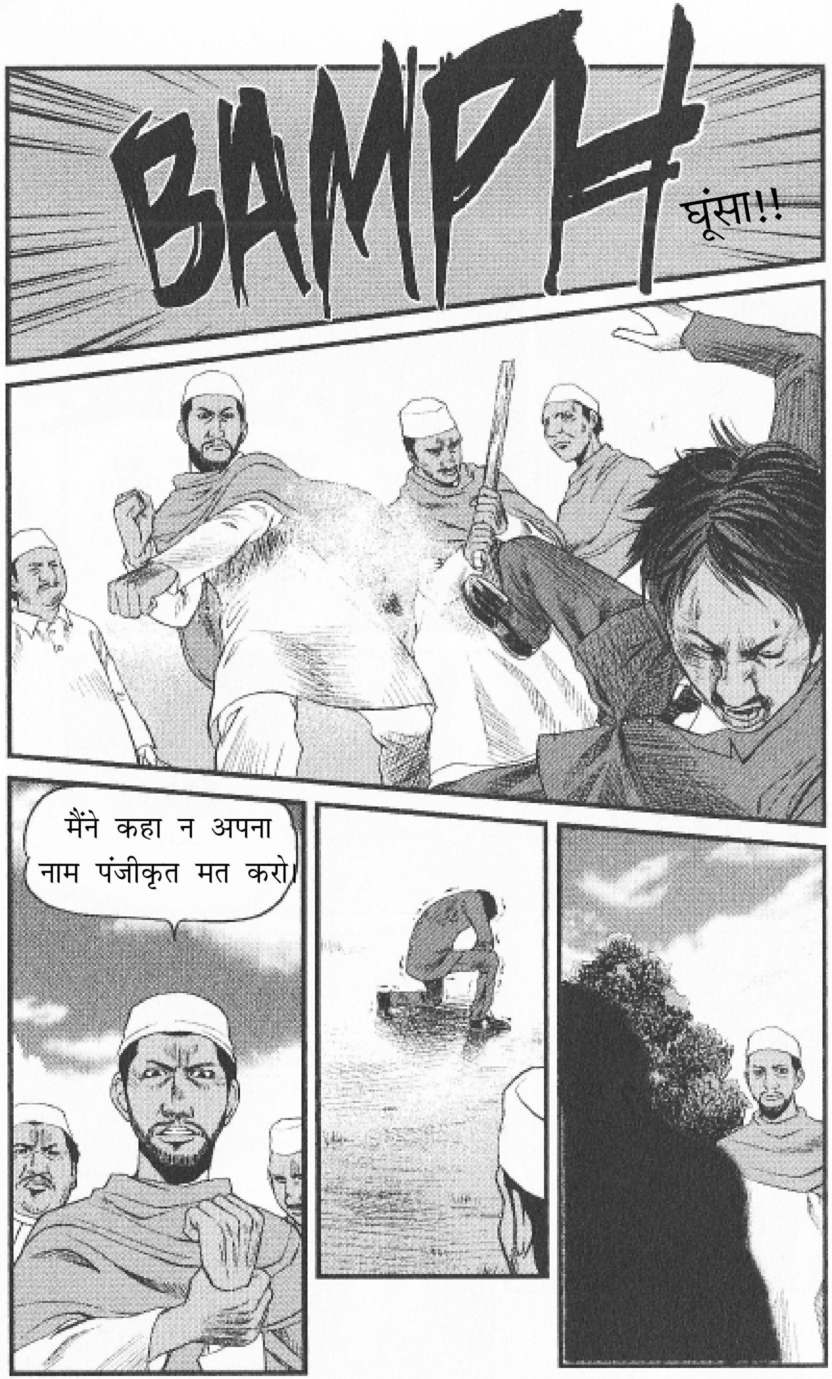

यह इंसान . . .
उस ब्रिटिश साम्राज्य को चुनौती दे रहा है जिसने बोयेर लड़ाई जीती थी।
इसके पास कोई हथियार भी नहीं हैं?
हम सबूत देंगे कि गैरकानूनी लोगों को ट्रांसवाल लाने में हमारी कोई रुचि नहीं है।
इसके लिए हम स्वेच्छा से अपने नाम पंजीकृत कराएंगे?
आपने तो पहले पंजीकरण करने को मना किया था।
बिल्कुल ठीक कहा!

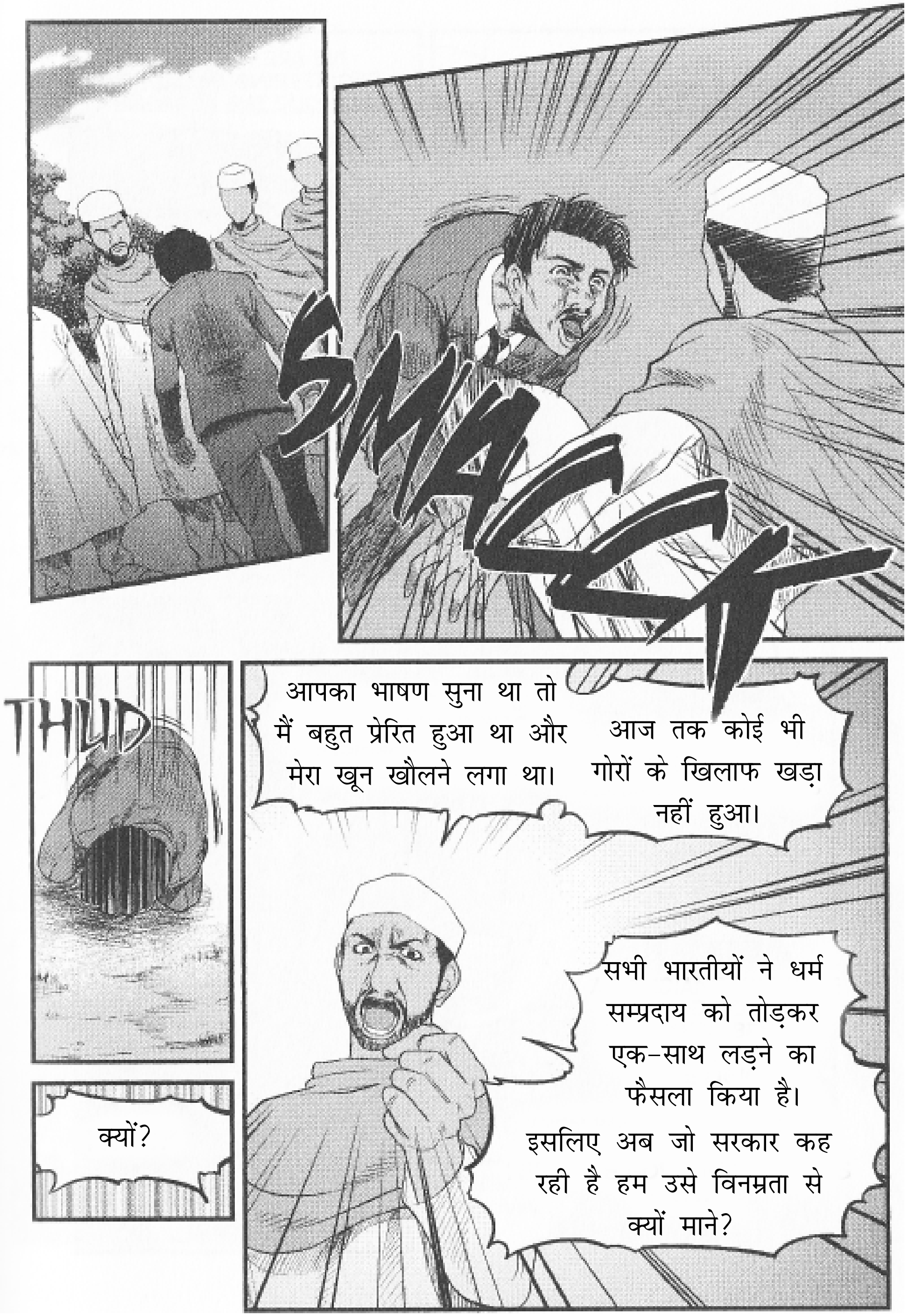

हम काले कानून को नहीं मानेंगे।
हम यहां दुश्मन को हराने नहीं आएं हैं।
परन्तु समझाने आएं हैं,
कि अगर वो काले कानून को वापस लेगा तो हम स्वेच्छा से अपने नाम पंजीकृत कराएंगे।
हम ब्रिटिशों पर कैसे यकीन कर सकते हैं?
मुझे उनपर विश्वास है!
दुश्मनों को प्रेम करने से ही सत्याग्रह शुरू होता है।
दुश्मनों पर शक करना उनसे हारने के बराबर होता है।
हमें ज्यादा सबक मत सिखाओ!


एक बार निर्णय लिया तो मैं अंत तक लड़ूंगा।
पठान इस बात पर गर्व कर सकते हैं।
तुम्हें सरकार ने कितनी घूस खिलाई?
मैं कसम खाता हूं कि जिसने भी मेरे लोगों को धोखा दिया मैं उसको कत्ल कर दूंगा।


मुझे मारना आसान होगा। कोशिश करने पर तुम्हें जरूर कामयाबी मिलेगी।
मेरा बस एक हथियार है - तुम्हारी आत्मा पर विश्वास।
मुझे मौत का कोई डर नहीं है।
पर मेरी मौत के बाद तुम्हारे खिलाफ तुरंत नफरत का सैलाब फैलेगा।

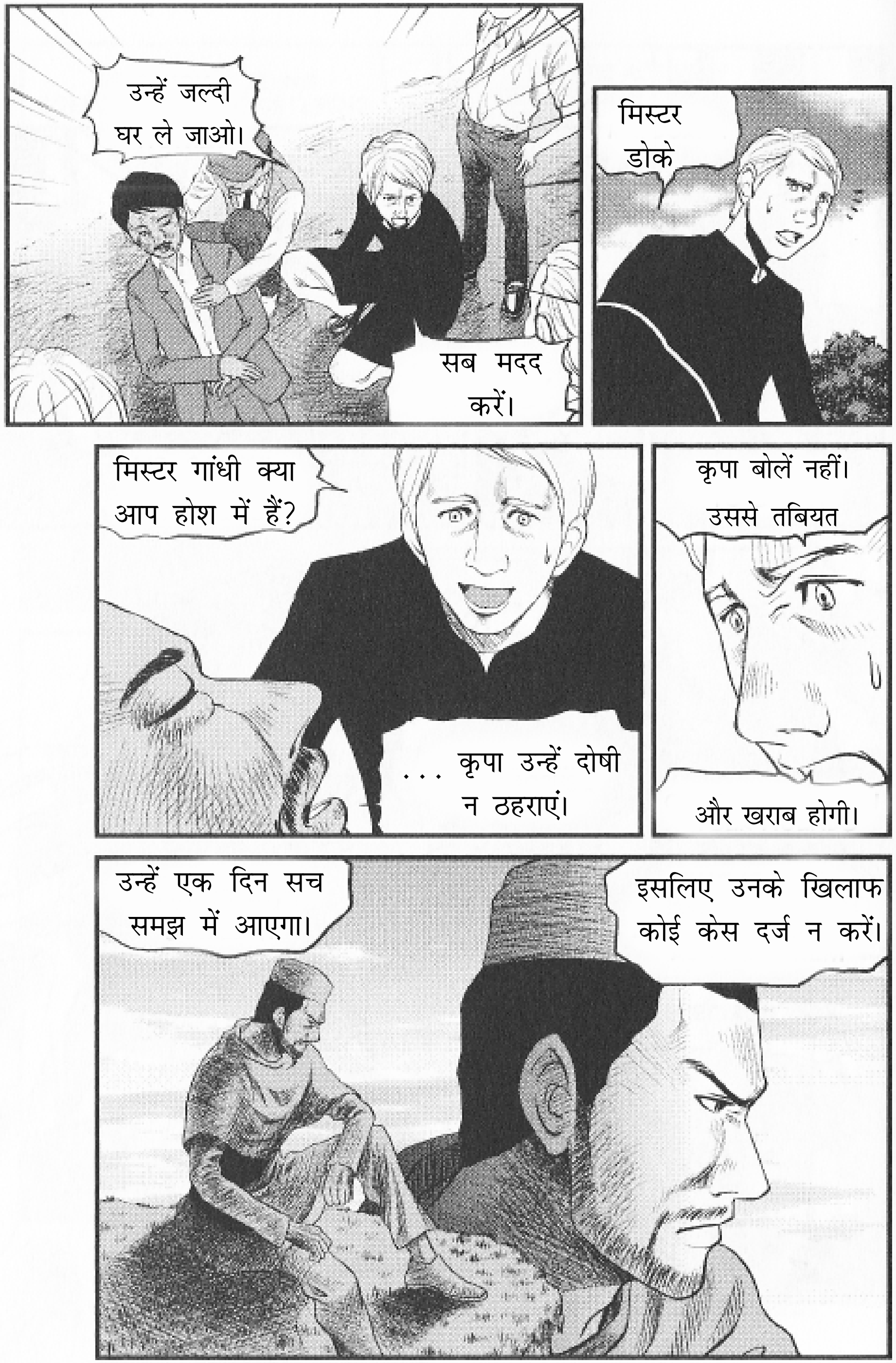

क्या आप वाकई में जा रहे हैं, मिस्टर गांधी।
मुझे लगता है कि उस आदमी मीर आलम के इरादे नेक नहीं हैं।
पठान लोग गर्म-खून के लिए मशहूर हैं।
वो अपनी जुबान के पक्के होते हैं।
मुझे भी दृढ़ता अपनी मां से विरासत में मिली है।
मेरी दृढ़ता भी पठानों जैसी ही पक्की है।
सुरक्षा के लिए कुछ पहरेदार रखें।
मैंने जनरल स्मट्स से वादा किया है कि मैं सबसे पहले अपना नाम पंजीकृत कराऊंगा।

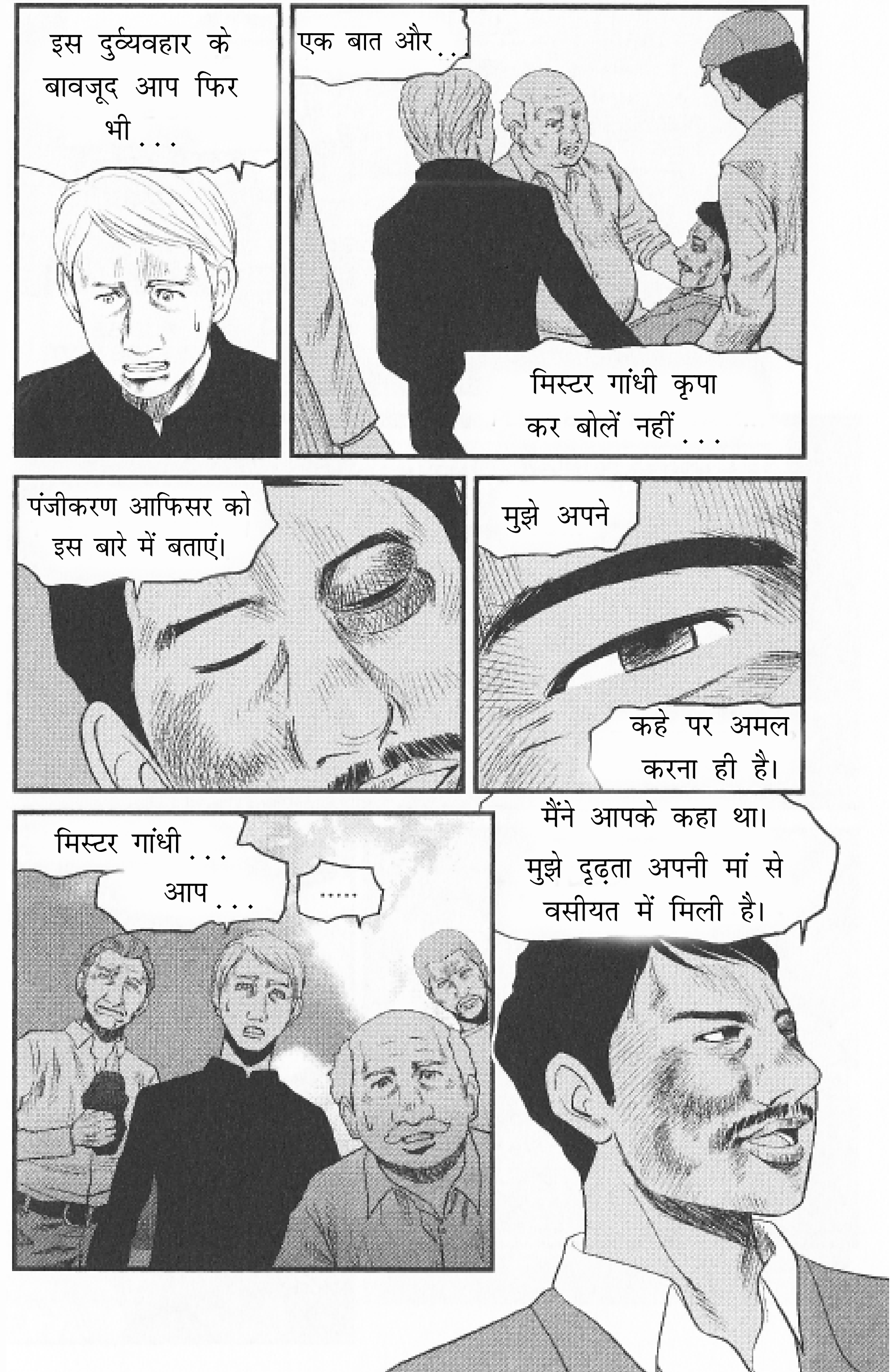

BAMPH
घूंसा!!
मैंने कहा न अपना नाम पंजीकृत मत करो।

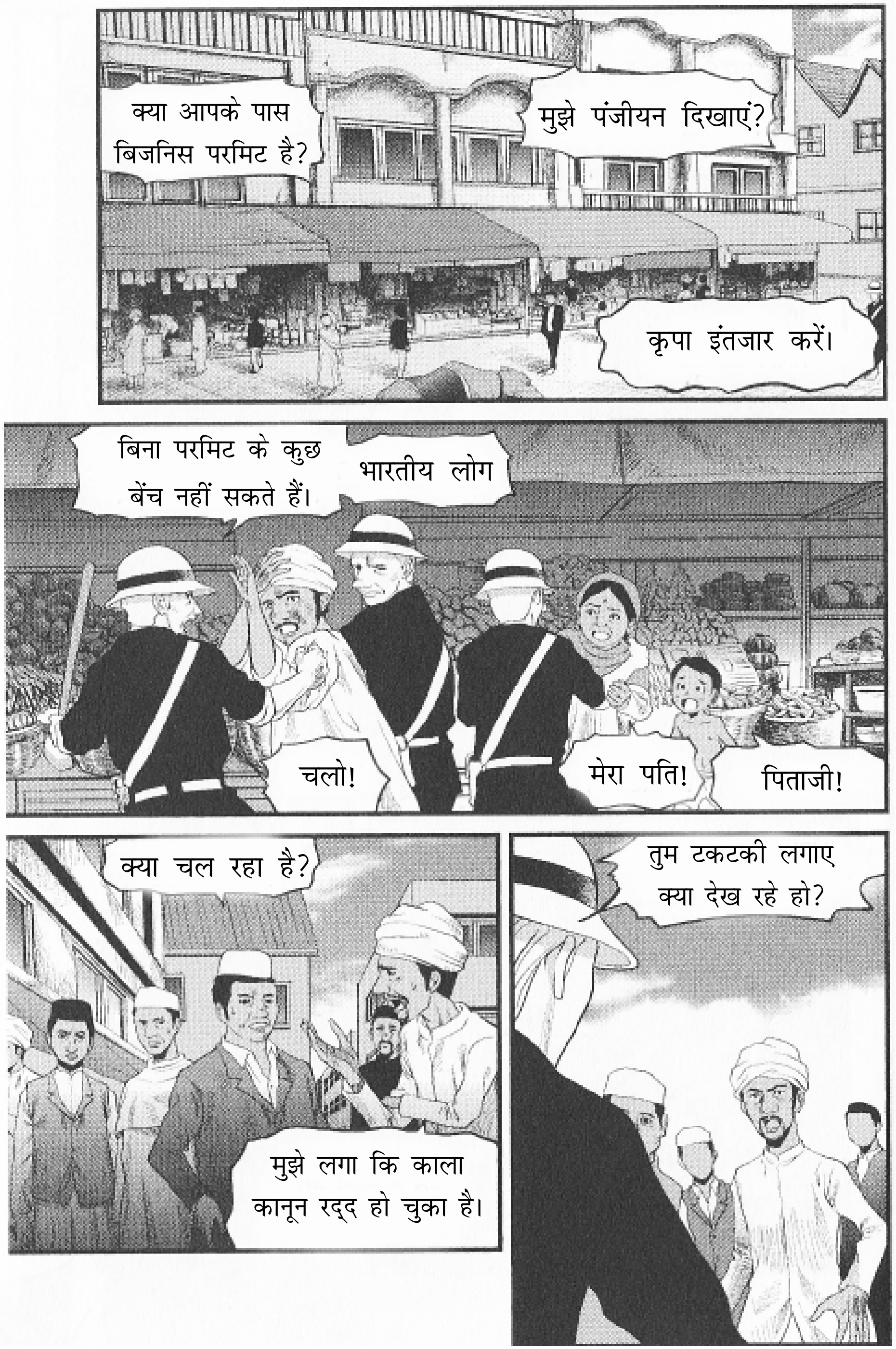

SMACK
THUD
क्यों?
आपका भाषण सुना था तो मैं बहुत प्रेरित हुआ था और मेरा खून खौलने लगा था।
आज तक कोई भी गोरों के खिलाफ खड़ा नहीं हुआ।
सभी भारतीयों ने धर्म सम्प्रदाय को तोड़कर एक-साथ लड़ने का फैसला किया है।
इसलिए अब जो सरकार कह रही है हम उसे विनम्रता से क्यों माने?


पंजीकरण के लिए हमें कोई मजबूर नहीं कर रहा है।
समझौते के अनुसार हम तेजी से पंजीकरण कर रहे हैं।
यह मेरा और आपका अधिकार है जो हमने जीता है।
समझौता! हम गोरों पर यकीन नहीं कर सकते
तुम धोखेबाज हो। गोरों ने तुम्हें फंसाया है।

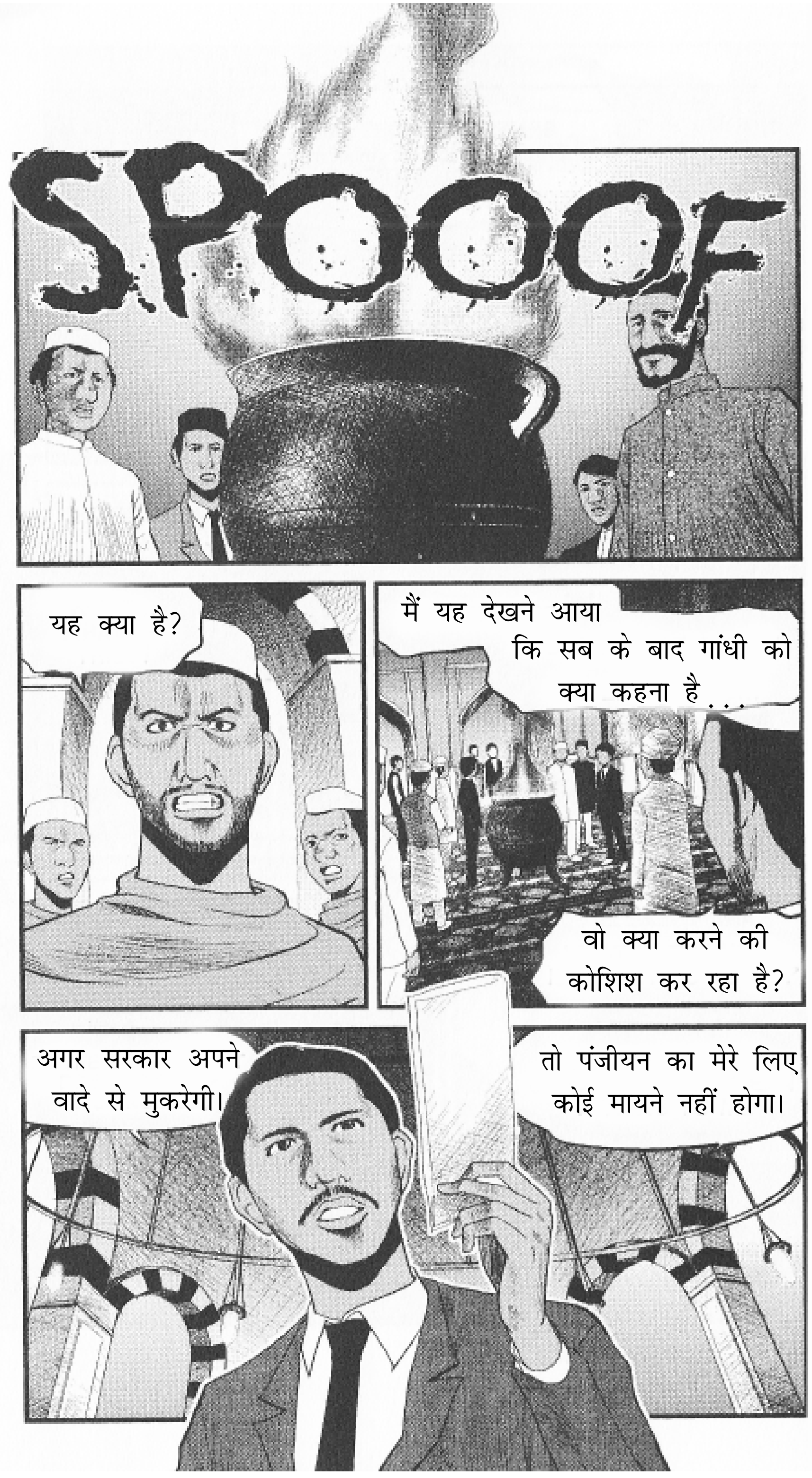

मिस्टर गांधी
पादरी डोके
मैंने पहले ही बताया था।
कितना बुरा हुआ...
हम उस पठान को सजा दिलवाएंगे।


उन्हें जल्दी घर ले जाओ।
सब मदद करें।
मिस्टर डोके
मिस्टर गांधी क्या आप होश में हैं?
... कृपा उन्हें दोषी न ठहराएं।
कृपा बोलें नहीं।
उससे तबियत
और खराब होगी।
उन्हें एक दिन सच समझ में आएगा।
इसलिए उनके खिलाफ कोई केस दर्ज न करें।

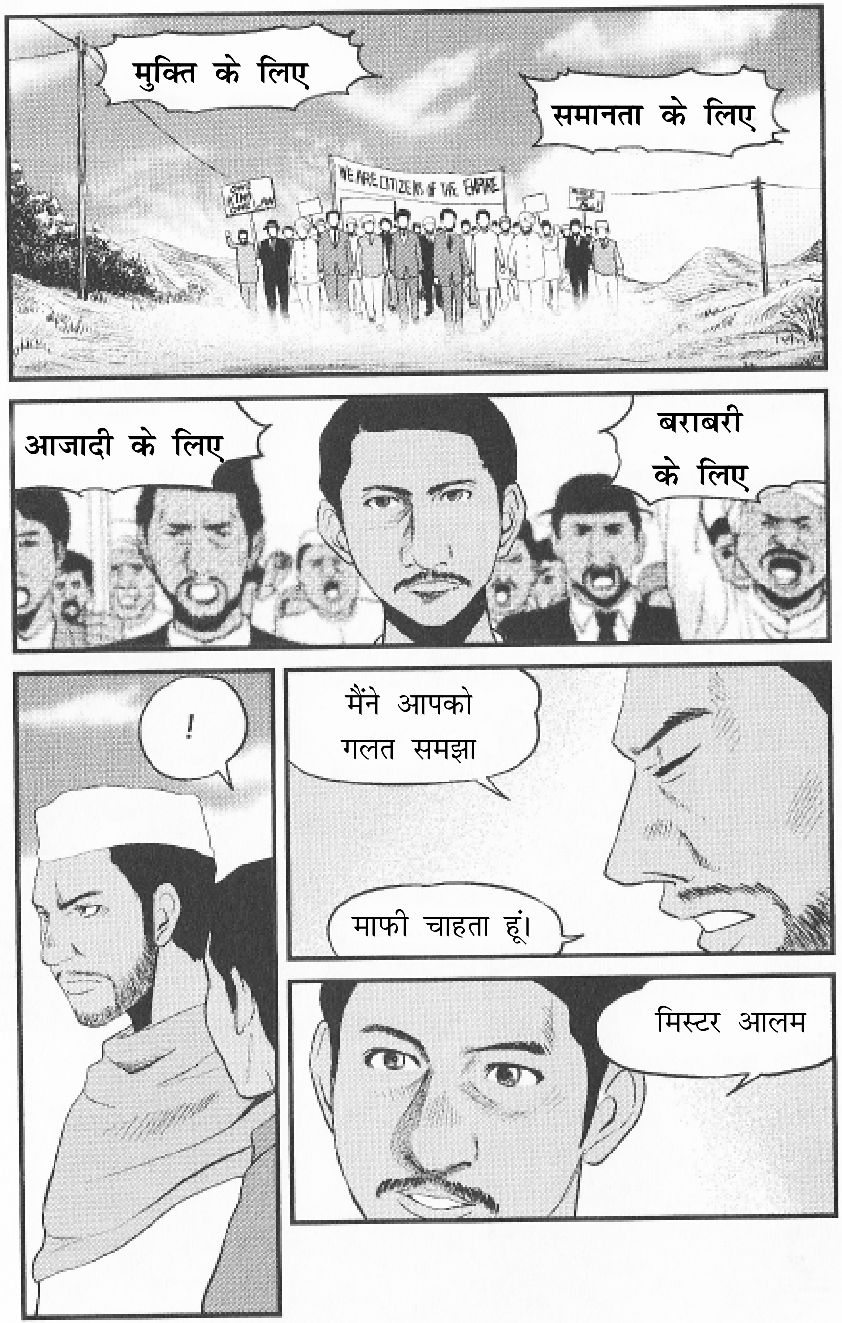

इस दुर्व्यवहार के बावजूद आप फिर भी...
एक बात और...
मिस्टर गांधी कृपा कर बोलें नहीं...
पंजीकरण आफिसर को इस बारे में बताएं।
मुझे अपने
कहे पर अमल करना ही है।
मिस्टर गांधी... आप...
.....
मैंने आपके कहा था। मुझे दृढ़ता अपनी मां से वसीयत में मिली है।

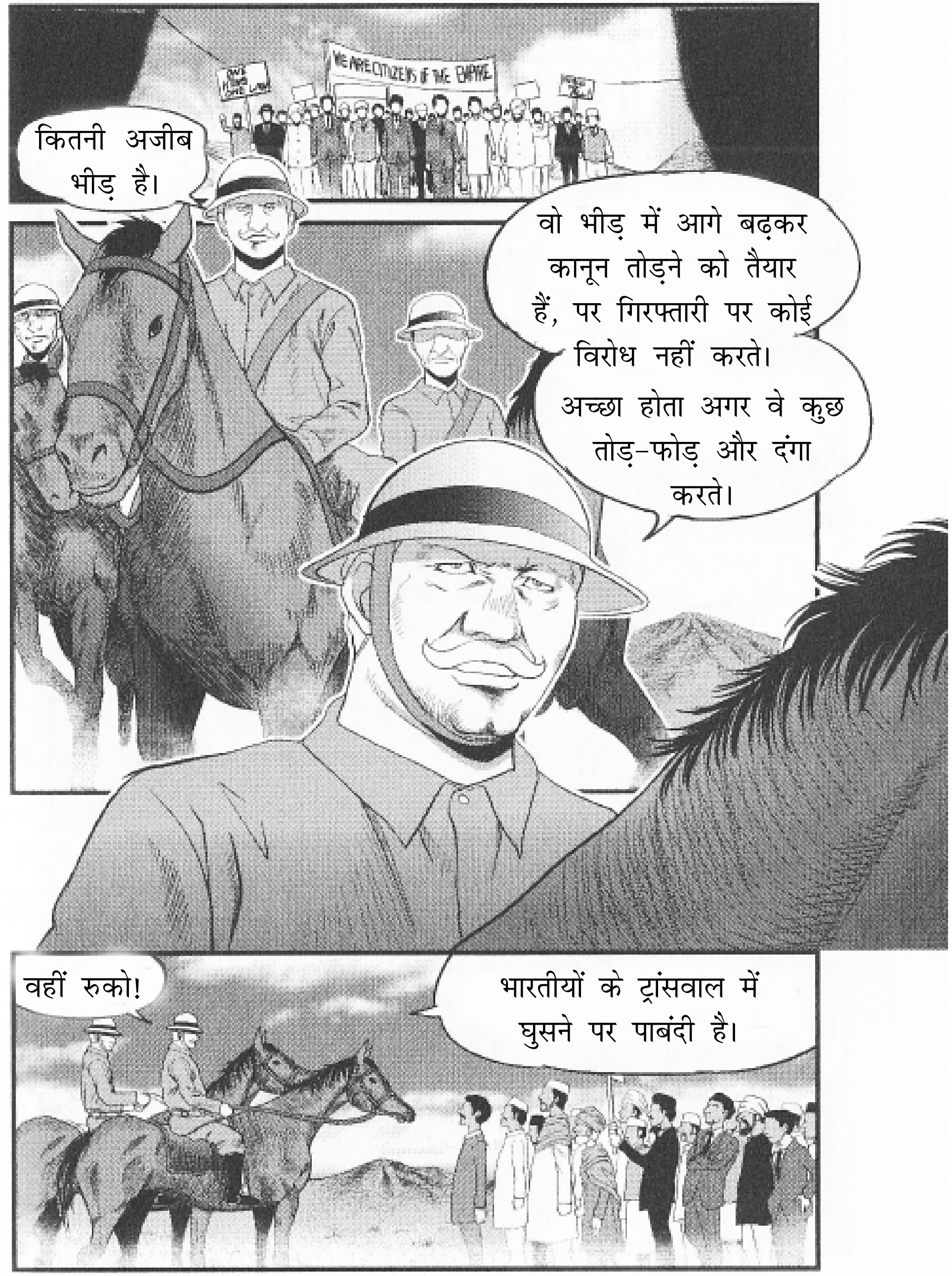

क्या आपके पास बिजनिस परमिट है?
मुझे पंजीयन दिखाएं?
कृपा इंतजार करें।
बिना परमिट के कुछ बेंच नहीं सकते हैं।
भारतीय लोग
चलो!
मेरा पति!
पिताजी!
क्या चल रहा है?
मुझे लगा कि काला कानून रद्द हो चुका है।
तुम टकटकी लगाए क्या देख रहे हो?


जनरल स्मट ने कहा कि उन्होंने ऐसा कभी कोई समझौता नहीं किया था।
बाप रे!
यह मुसीबत जिससे कि सिर्फ गांधी पंजीयन करा सकें।
मैं भी माफी चाहता हूं।
जनरल स्मट जैसे बहादुर व्यक्ति को किसका डर..
कृपा सब लोग इक्ट्ठे हों।
मुझे अपनी दृढ़ता दिखानी है।
आप लोगों से मेरी एक और विनती है।


SPOOOF
यह क्या है?
मैं यह देखने आया
कि सब के बाद गांधी को
क्या कहना है . . .
वो क्या करने की
कोशिश कर रहा है?
अगर सरकार अपने
वादे से मुकरेगी।
तो पंजीयन का मेरे लिए
कोई मायने नहीं होगा।


!
!
हम अपना आंदोलन नहीं छोड़ेंगे।
यह आग हमारे सत्याग्रह के
वादे का प्रतीक होगी।
OOOH OOOH
गांधी . . .


मुक्ति के लिए
समानता के लिए
आजादी के लिए
बराबरी के लिए
!
मैंने आपको गलत समझा
माफी चाहता हूं।
मिस्टर आलम

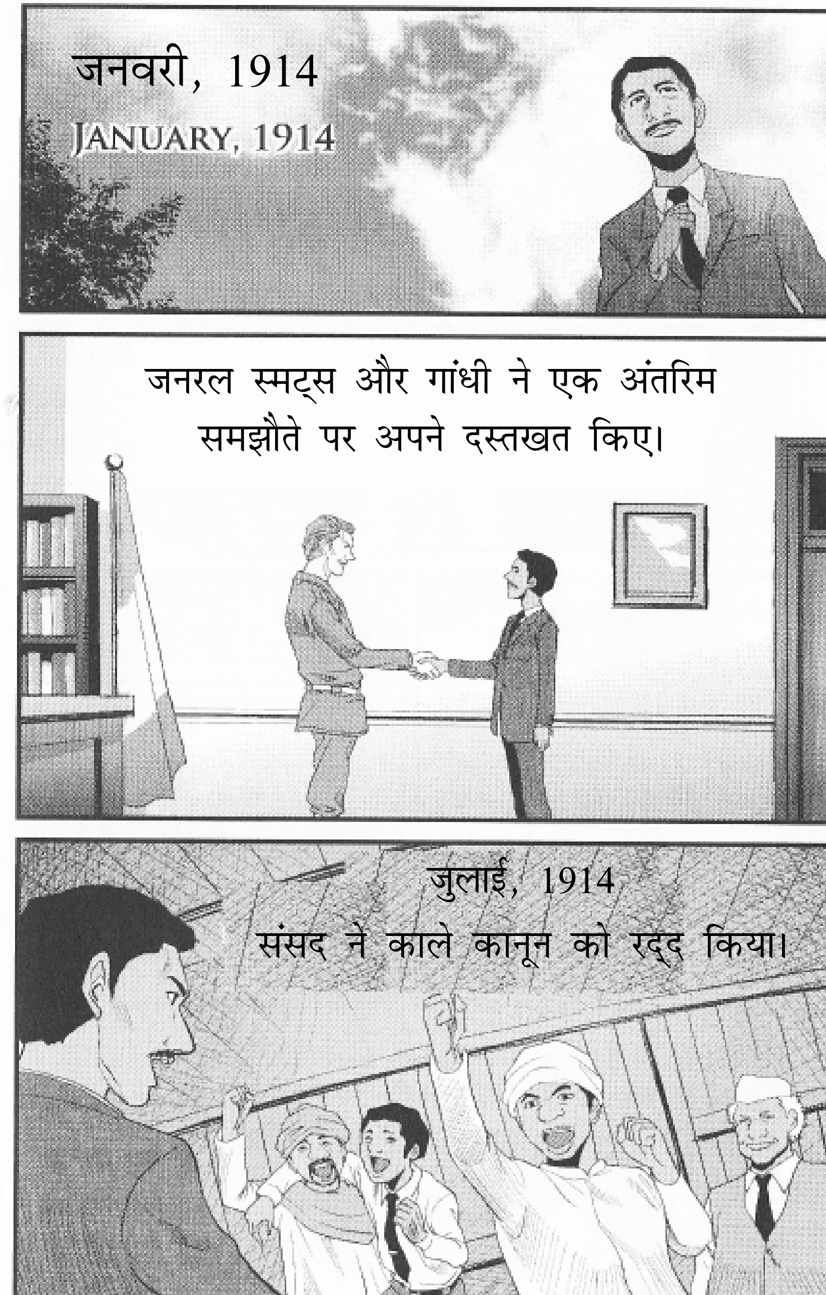

कितनी अजीब भीड़ है।
वो भीड़ में आगे बढ़कर कानून तोड़ने को तैयार हैं, पर गिरफ्तारी पर कोई विरोध नहीं करते।
अच्छा होता अगर वे कुछ तोड़-फोड़ और दंगा करते।
वहीं रुको!
भारतीयों के ट्रांसवाल में घुसने पर पाबंदी है।


हम सीमा पार बसने नहीं जा रहे। हम जनरल द्वारा वादे से मुकरने का प्रतिरोध कर रहे हैं।
अगर वो अपने वादे अनुसार काले कानून को रद्द करेंगे तो हम भी अपना आंदोलन तुरंत बंद कर देंगे।
गिरफ्तार करो!
शौक से!
हमें कमजोर मत समझो, गांधी।
तुम सबको जेल की हवा खानी पड़ेगी।

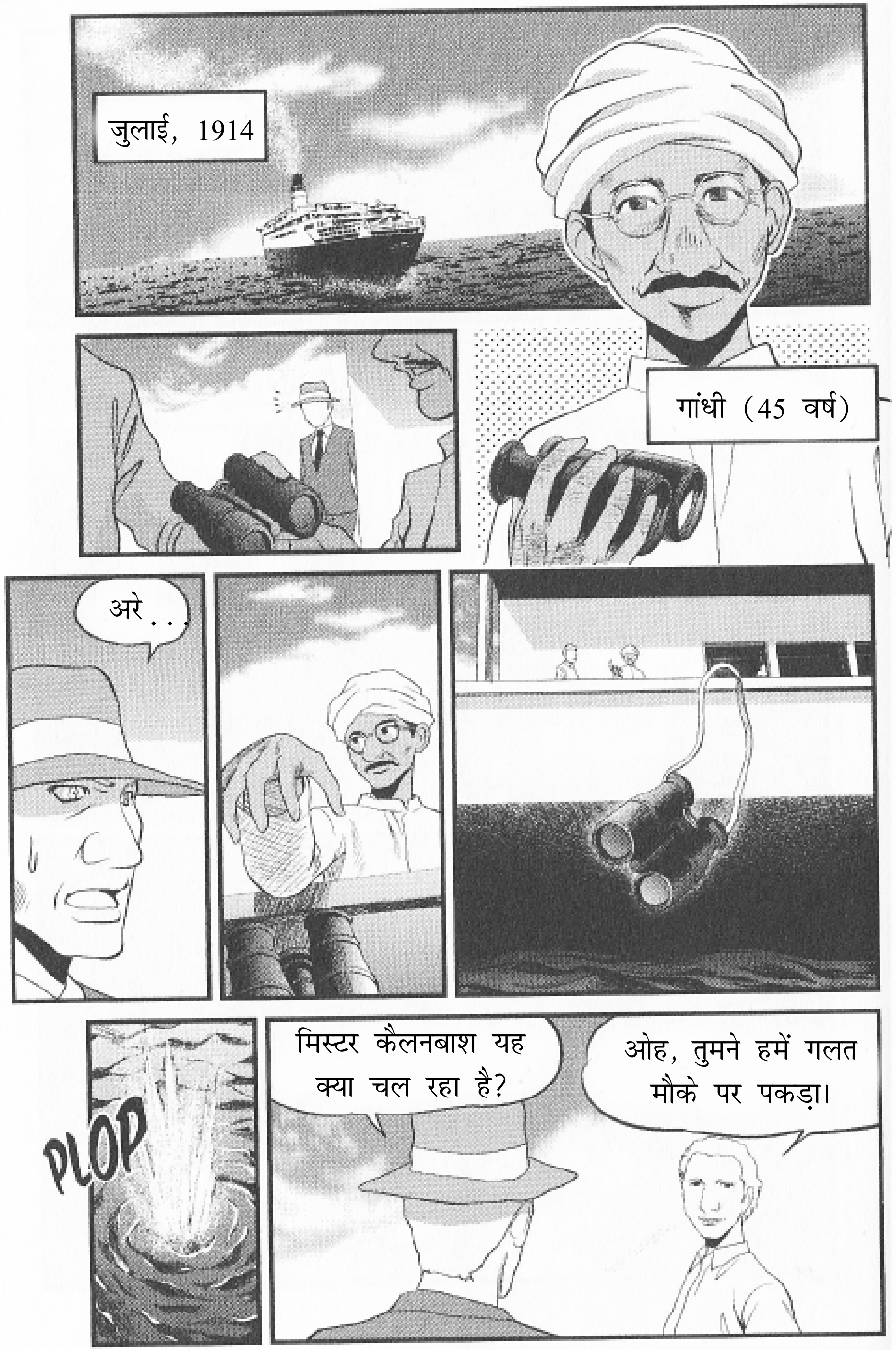

जिनके पास लेबर-परमिट है उन्हें खदानों में मजदूरी करने के लिए तुरंत वापस लौटना पड़ेगा।
यानि इस हड़ताल से कुछ फर्क नहीं पड़ेगा।
हा! हा! हा!
हमारी गिरफ्तारी से स्थिति सामान्य नहीं होगी।
आपने हमारी ताकत को ठीक समझा नहीं है।
काम पर वापस जाओ!
CRAC

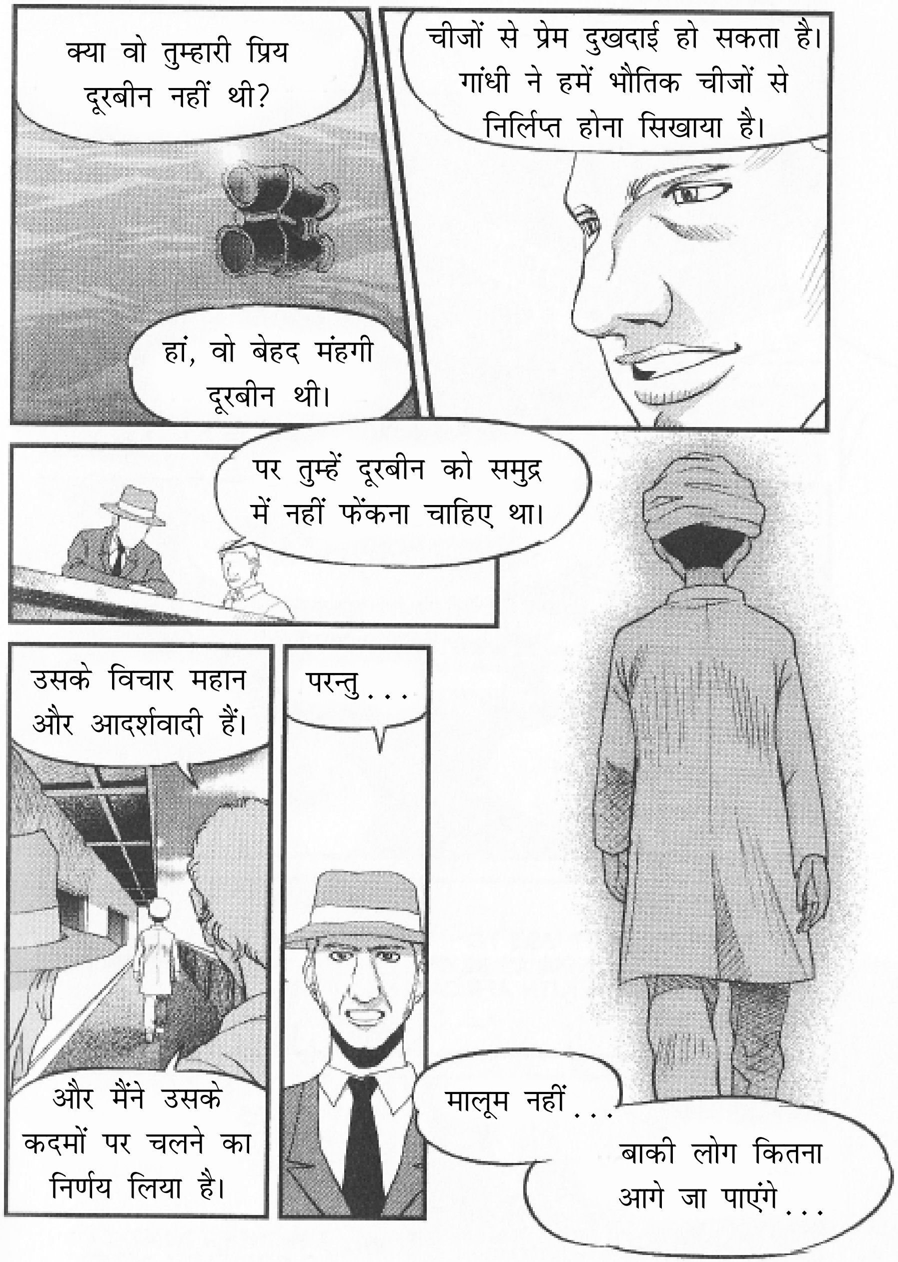


पीछे हटो गधों!
बंदियों का एक और ट्रक आया।
क्या?!
बाप रे!
न्यू-कासिल में आंदोलनकारियों की संख्या 5000 से अधिक है!
गवर्नर-जनरल हार्डिंग ने हमारी पहल को गलत बताया है।
'एक सभ्य देश में इस प्रकार की बर्बरता को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।'
उधर मीडिया भी गांधी समर्थक है।
बहुत से गोरे भी गांधी के साथ समर्थन जता रहे हैं।

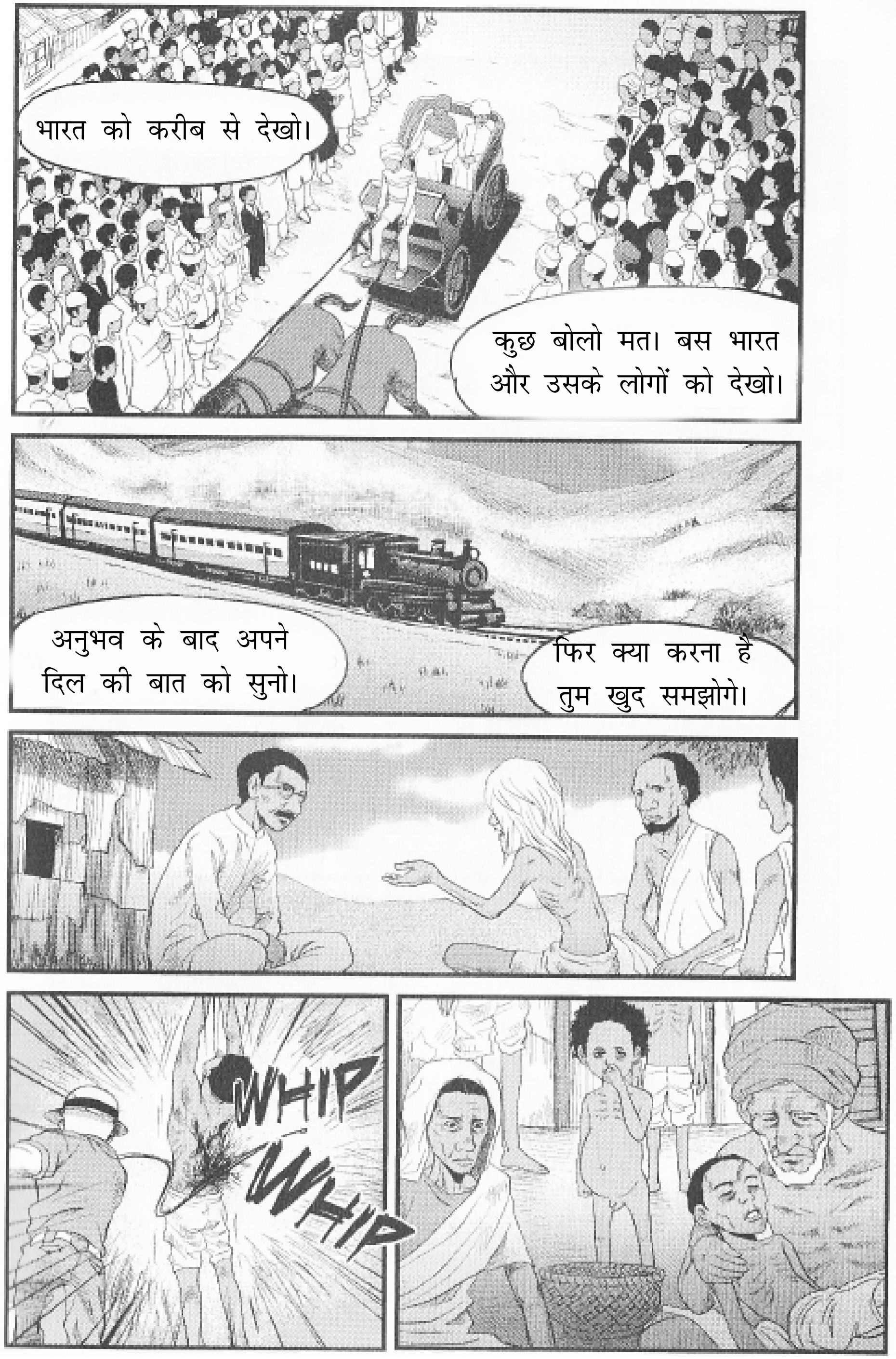


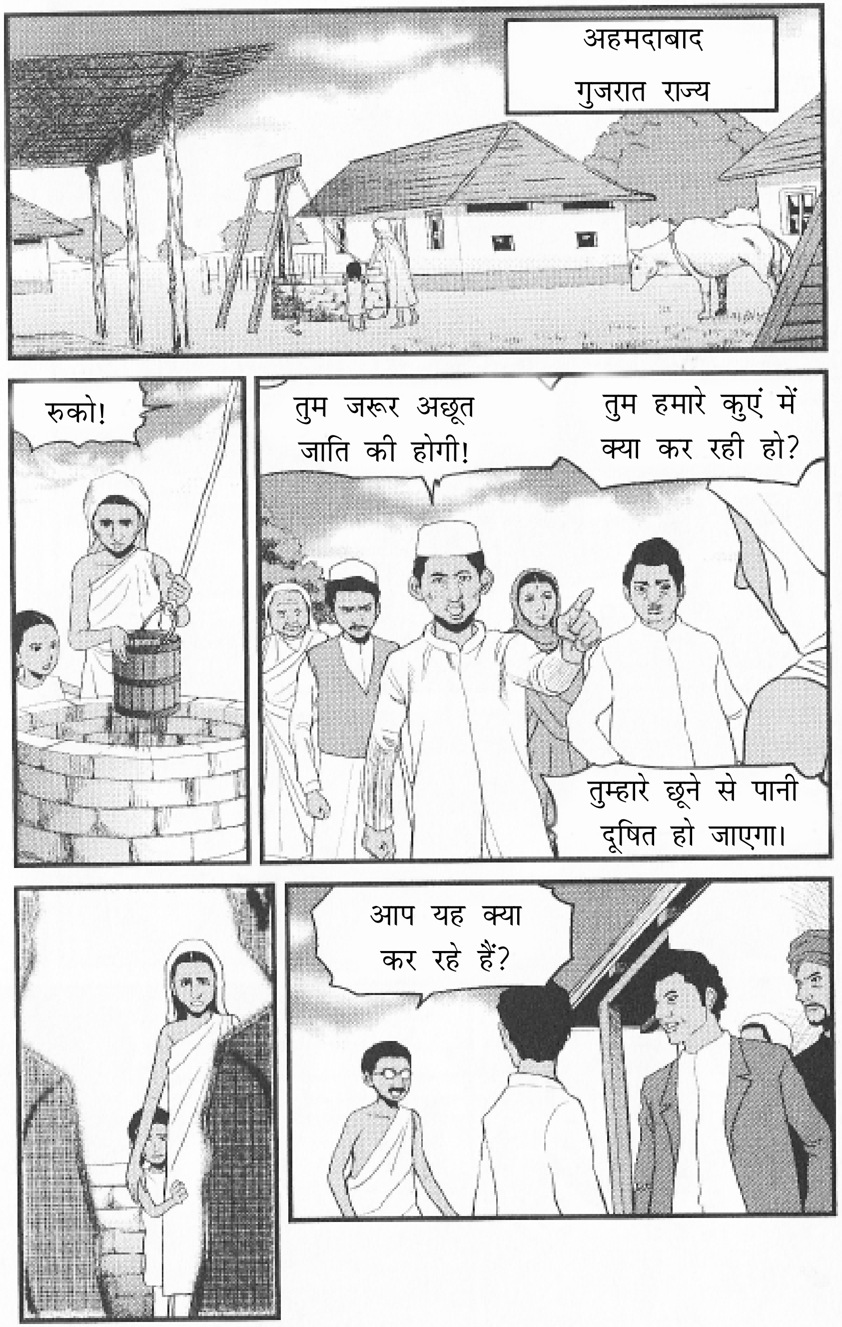
जनवरी, 1914
JANUARY, 1914
जनरल स्मट्स और गांधी ने एक अंतरिम समझौते पर अपने दस्तखत किए।
जुलाई, 1914
संसद ने काले कानून को रद्द किया।

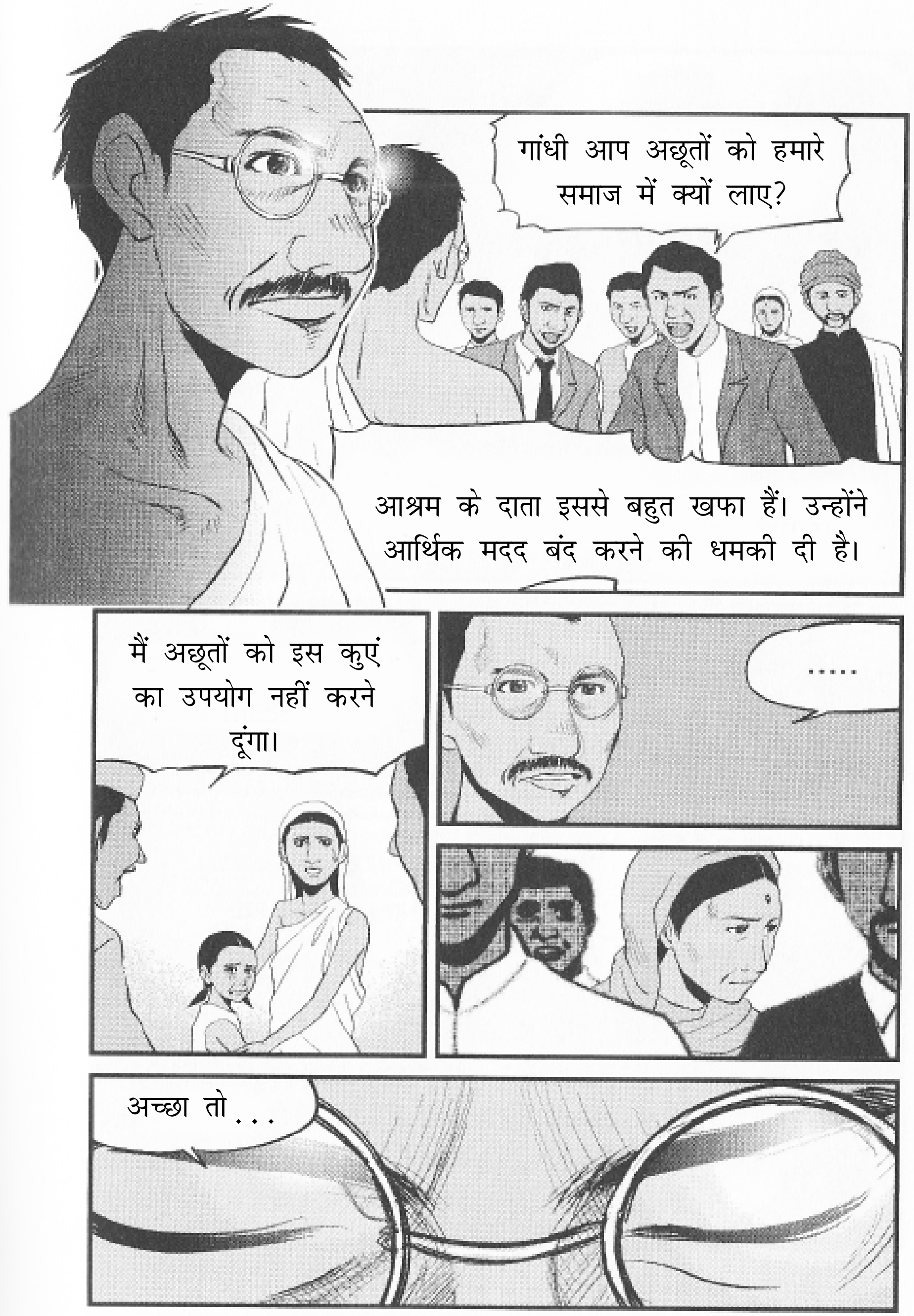

जुलाई, 1914
गांधी (45 वर्ष)
अरे...
PLOP
मिस्टर कैलनबाश यह क्या चल रहा है?
ओह, तुमने हमें गलत मौके पर पकड़ा।


क्या वो तुम्हारी प्रिय दूरबीन नहीं थी?
हां, वो बेहद मंहगी दूरबीन थी।
चीजों से प्रेम दुखदाई हो सकता है। गांधी ने हमें भौतिक चीजों से निर्लिप्त होना सिखाया है।
पर तुम्हें दूरबीन को समुद्र में नहीं फेंकना चाहिए था।
उसके विचार महान और आदर्शवादी हैं।
और मैंने उसके कदमों पर चलने का निर्णय लिया है।
परन्तु...
मालूम नहीं...
बाकी लोग कितना आगे जा पाएंगे...


बम्बई, भारत
गांधी का भव्य स्वागत
WELCOMES GANDHI
अच्छा तो वो आदमी गांधी है, उसने ही दक्षिण अफ्रीका में ब्रिटिश साम्राज्य के साथ लड़ाई लड़ी।
क्या वो सच में महान है?
जरूर होगा। तभी तो श्री गोखले उसकी इतनी प्रशंसा करते हैं।
आपने जो दक्षिण अफ्रीका में किया वैसा ही कुछ भारत में भी कीजिए, लोगों की आपसे ऐसी अपेक्षा है।
पर सच में मैं भारत की स्थिति के बारे में बहुत कम जानता हूं।
मैं भला भारत के लिए क्या कर सकता हूं?


भारत को करीब से देखो।
कुछ बोलो मत। बस भारत और उसके लोगों को देखो।
अनुभव के बाद अपने दिल की बात को सुनो।
फिर क्या करना है तुम खुद समझोगे।
WHIP
WHIP


अहमदाबाद
गुजरात राज्य
रुको!
तुम जरूर अछूत जाति की होगी!
तुम हमारे कुएं में क्या कर रही हो?
तुम्हारे छूने से पानी दूषित हो जाएगा।
आप यह क्या कर रहे हैं?


गांधी आप अछूतों को हमारे समाज में क्यों लाए?
आश्रम के दाता इससे बहुत खफा हैं। उन्होंने आर्थिक मदद बंद करने की धमकी दी है।
मैं अछूतों को इस कुएं का उपयोग नहीं करने दूंगा।
.....
अच्छा तो...

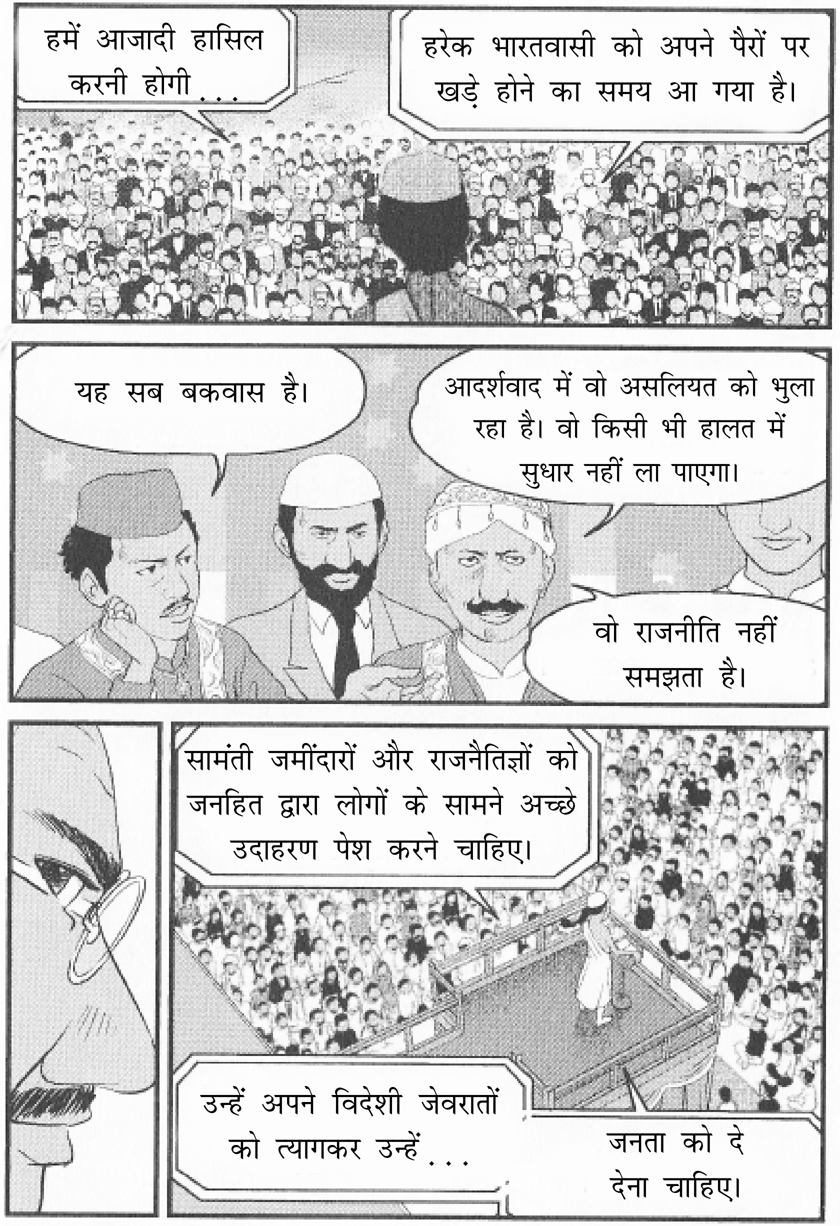

फिर आप सभी लोग आश्रम छोड़ कर तुरंत चले जाएं।
!?
मोहन...
मैंने आपसे कहा इस आश्रम में सभी लोग एक-समान हैं।
हरेक जन खेती, घरेलू कामों में भाग लेता है। सब एक ही कुएं का उपयोग करते हैं।
यहां जात-पात का भेद-भाव नहीं है।

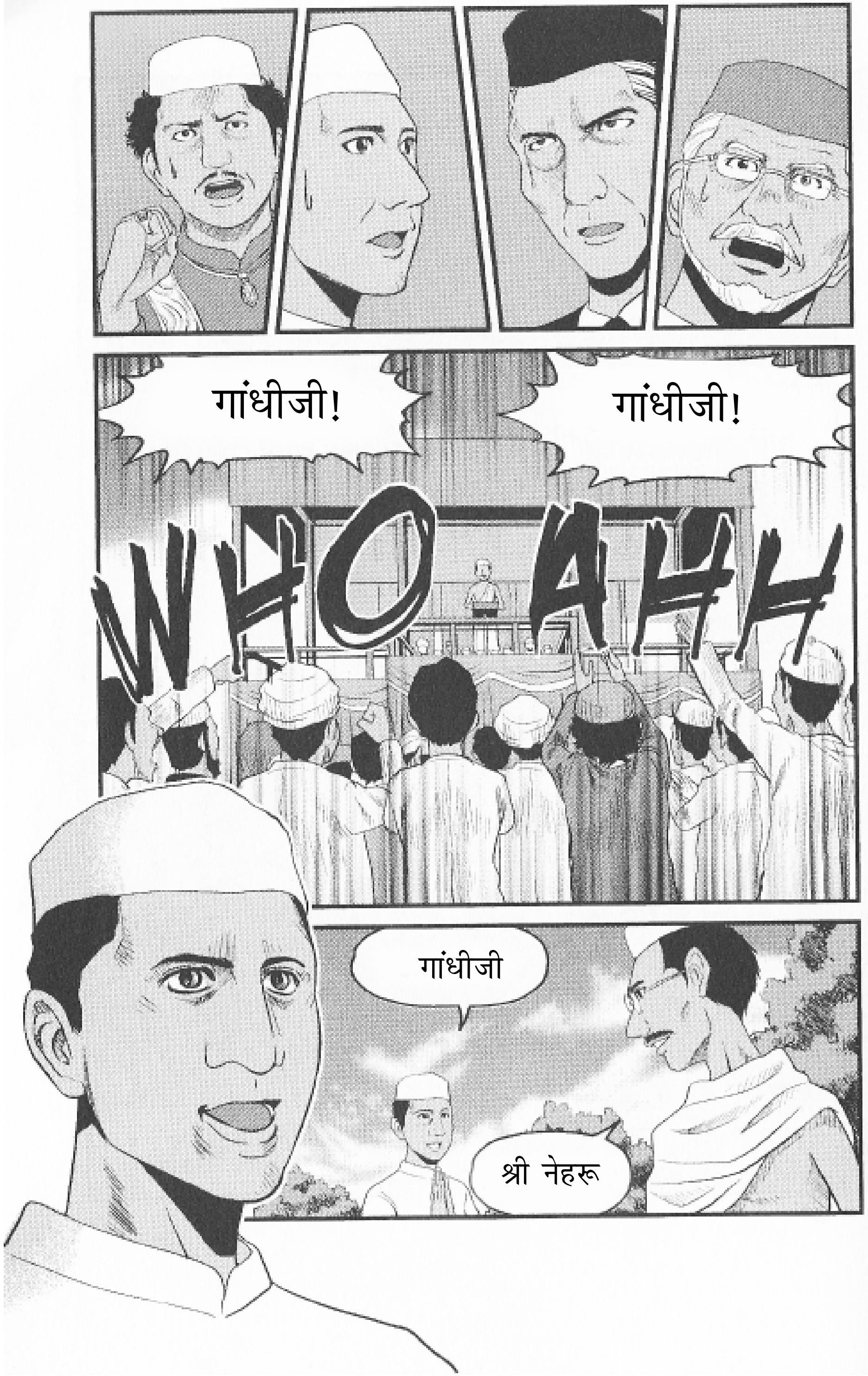

इसी तरह हम दक्षिण-अफ्रीका में रहते थे। क्यों है न?
दुनिया में हम जो बदलाव चाहते हैं उसकी शुरुआत हमें खुद से करनी होगी।
!
माफ करें।
आप में से गांधी कौन है?
मैं हूं...

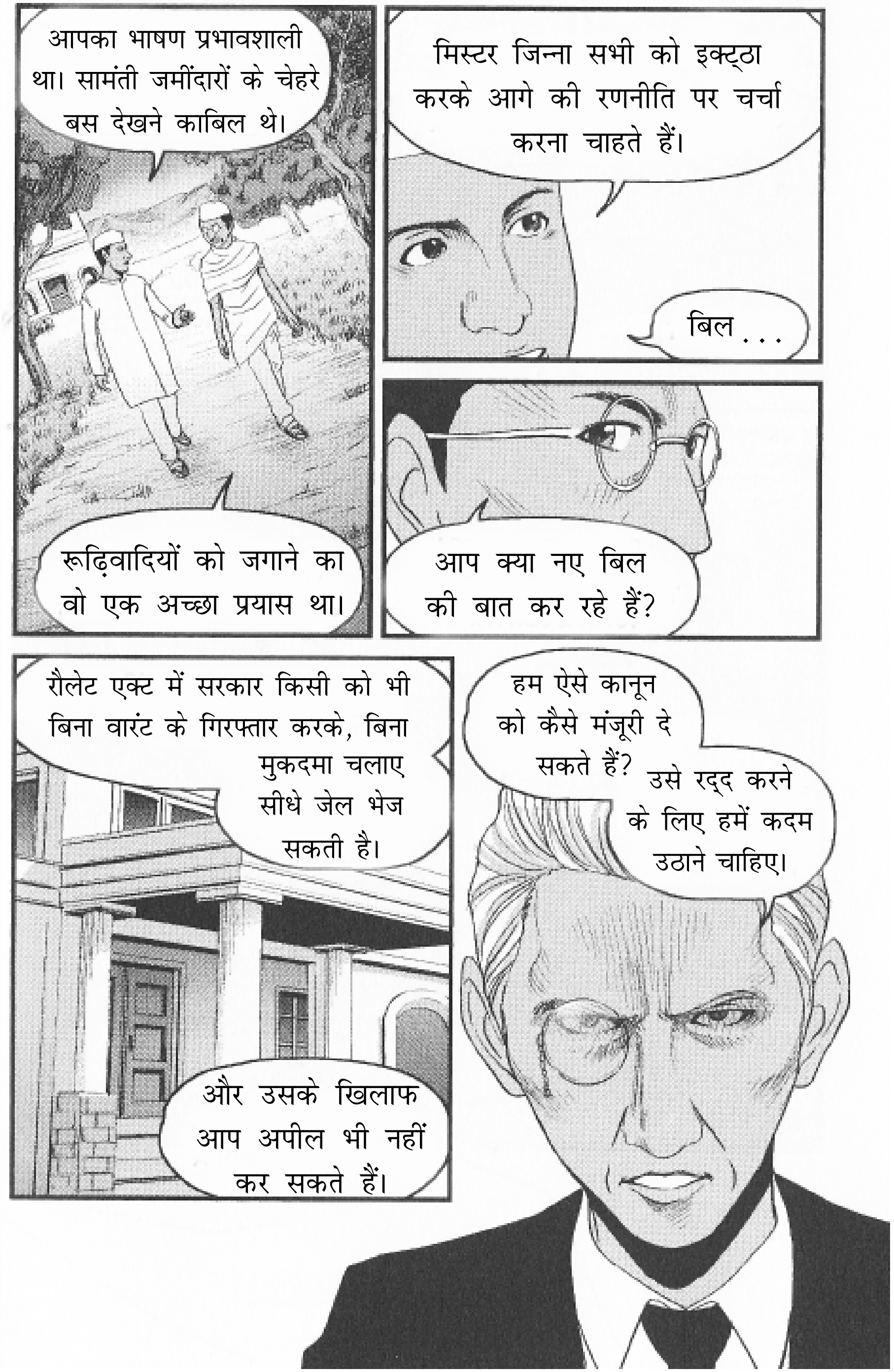

हमें ब्रिटिश जमींदारों ने नील की खेती का आदेश दिया। वो उसे रंग के रूप में उपयोग करना चाहते थे।
पर जैसे-जैसे इंग्लैंड से कपड़ों का आयात बढ़ा वैसे-वैसे लोकप्रिय नील की खपत कम होती गई।
फिर भी अंग्रेज जमीन के लगान का भुगतान चाहते हैं।
लगान देना हमारी कुव्वत के बाहर है।
यहां पर लोग भूख और बीमारी से मर रहे हैं।
चम्पारन में किसानों की ऐसी बदतर हालत है।
गांधीजी, अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को आप हमारी स्थिति से अवगत कराएं।
आप पहले व्यक्ति हैं जिसने हमारी बातें सुनी हैं।
आप हमारी आखरी उम्मीद हैं।


लखनऊ - कांग्रेस अधिवेशन, उत्तर भारत
अगले वक्ता मोहनदास गांधी हैं।
देखो वो आया, चम्पारन का मसीहां।
मैंने उनके बारे में सुना है।
किसानों की रक्षा करते हुए अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार किया था।
पिछले कई महीनों में पूरे भारत भर में घूमा हूं...
और मैंने अंग्रेजों के टैक्स कानूनों के अंतर्गत किसानों के शोषण और गरीबों को देखा है।
इसलिए मैंने निश्चय किया है।


यह भ्रष्ट व्यवस्था बेहद पापी है।
हमें इस व्यवस्था की मिलकर खिलाफत करनी चाहिए।
हमें ब्रिटिश औहदों को त्याग देना चाहिए।
साथ में ब्रिटिश उत्पादों को भी बेंचना बंद करना चाहिए। उससे ब्रिटिश सत्ता गिर जाएगी।
औहदों का त्याग?
सच्चे स्वाराज के तहत हम पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने खुद के पैरों पर खड़े हों।
मुझे ऐसी आजादी स्वीकार नहीं है जो मुझे सौंपी जाए।

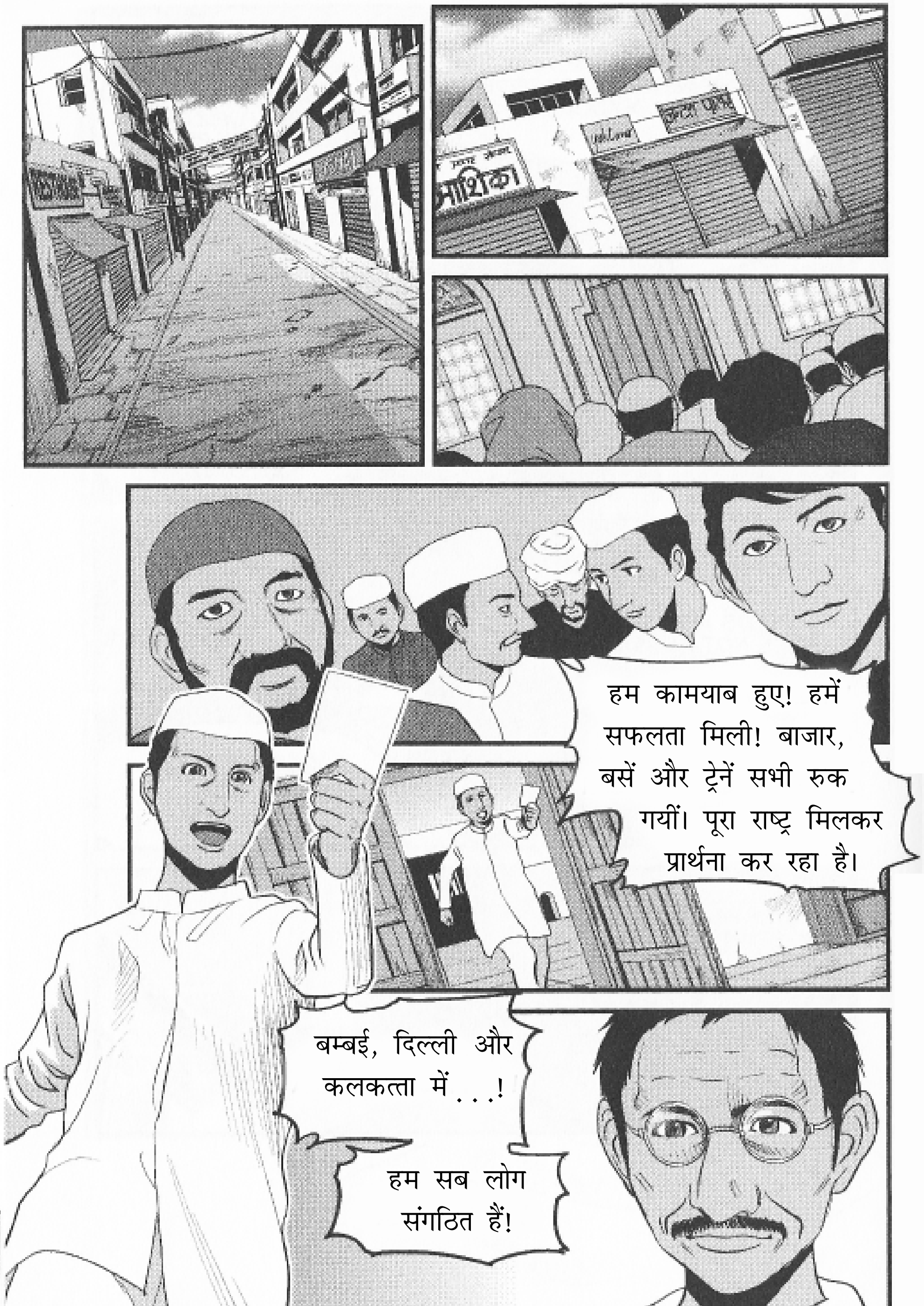

हमें आजादी हासिल करनी होगी . . .
हरेक भारतवासी को अपने पैरों पर खड़े होने का समय आ गया है।
यह सब बकवास है।
आदर्शवाद में वो असलियत को भुला रहा है। वो किसी भी हालत में सुधार नहीं ला पाएगा।
वो राजनीति नहीं समझता है।
सामंती जमींदारों और राजनैतिज्ञों को जनहित द्वारा लोगों के सामने अच्छे उदाहरण पेश करने चाहिए।
उन्हें अपने विदेशी जेवरातों को त्यागकर उन्हें . . .
जनता को दे देना चाहिए।


गांधीजी!
गांधीजी!
WHO AHH
गांधीजी
श्री नेहरू


आपका भाषण प्रभावशाली था। सामंती जमींदारों के चेहरे बस देखने काबिल थे।
रूढ़िवादियों को जगाने का वो एक अच्छा प्रयास था।
मिस्टर जिन्ना सभी को इक्ट्ठा करके आगे की रणनीति पर चर्चा करना चाहते हैं।
बिल . . .
आप क्या नए बिल की बात कर रहे हैं?
रौलेट एक्ट में सरकार किसी को भी बिना वारंट के गिरफ्तार करके, बिना मुकदमा चलाए सीधे जेल भेज सकती है।
और उसके खिलाफ आप अपील भी नहीं कर सकते हैं।
हम ऐसे कानून को कैसे मंजूरी दे सकते हैं?
उसे रद्द करने के लिए हमें कदम उठाने चाहिए।


एक मिनट रुकें मिस्टर जिन्ना।
यह बिल इसलिए प्रस्तावित हुआ क्योंकि आतंकवादियों ने कोर्ट और जजों को अपना निशाना बनाया।
अगर हम हिंसा करेंगे तो सरकार हमें और यातनाएं देगी।
मिस्टर नेहरू? आधे-अधूरे कदमों से सरकार पर कुछ प्रभाव नहीं पड़ेगा।
मैं एक लड़ाकू इंसान को जानता हूं।
वो हिंसा और खून-खराबे के बिना भी बहुत जुझारू है।
मेरा एक ही हथियार है . . .
अहिंसा और आदेशों की अवहेलना।


'रौलेट एक्ट के खिलाफ असहमति जताने के लिए हमने 6 अप्रैल के दिन प्रार्थना और व्रत का कार्यक्रम आयोजित किया है।'
'उस दिन स्कूल और कारखाने बंद होंगे और सारी जनता प्रार्थना करेगी।'
उस दिन तक यह कानून रद्द नहीं हुआ तो हमारी यह हड़ताल जारी रहेगी।'
पूरी आबादी? यह बकवास है। यह असम्भव है।
समस्त भारत एक-साथ कभी भी संगठित नहीं हो सकता है।
अप्रैल 6 1919


आशिका
हम कामयाब हुए! हमें सफलता मिली! बाजार, बसें और ट्रेनें सभी रुक गयीं। पूरा राष्ट्र मिलकर प्रार्थना कर रहा है।
बम्बई, दिल्ली और कलकत्ता में . . .!
हम सब लोग संगठित हैं!


आम लोग सार्वजनिक स्थलों में बैठकें कर रहे हैं।
अहिंसा का भूत जल्दी ही रफूचक्कर हो जाएगा।
सार्वजनिक स्थानों पर मीटिंग, गैरकानूनी है।
भारतीयों को शिक्षित करने का यह अच्छा मौका है।
उन्हें कानून तोड़ने वाले दंगई समझो।
अमृतसर
पंजाब राज्य
हमें एक साथ खड़े रहना होगा।

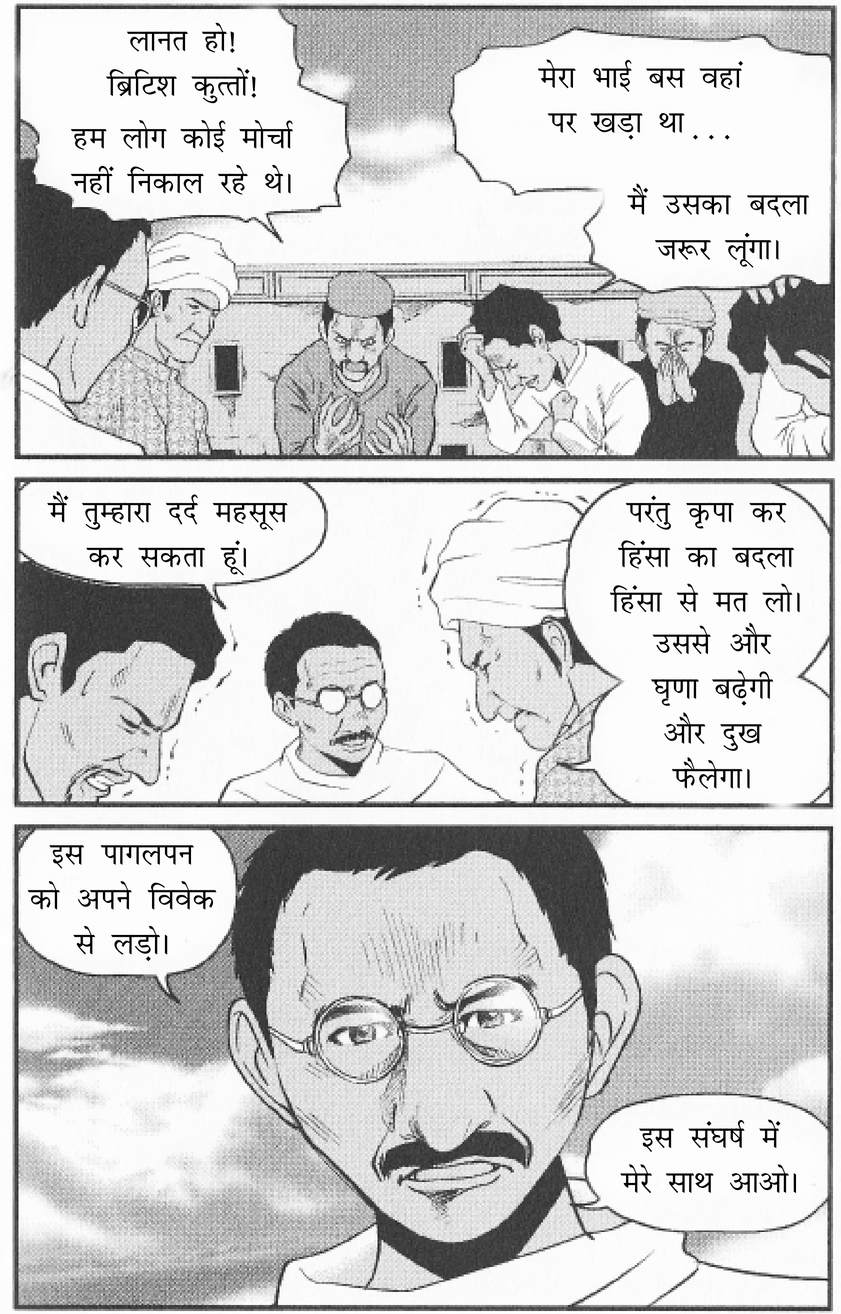

BRRRRR
गांधी की अहिंसा
हिंसा से ज्यादा ताकतवर है।
BRRR BRR


बाप रे!
PONG
जरा गेंद देखो!
मैंने कहा था उसे जोर से मत मारो!
छोटी बहन पर इतना गुस्सा मत करो।
ब्रिटेन से अपनी आजादी हासिल करने के लिए...
ठीक है।
मां..
मां..

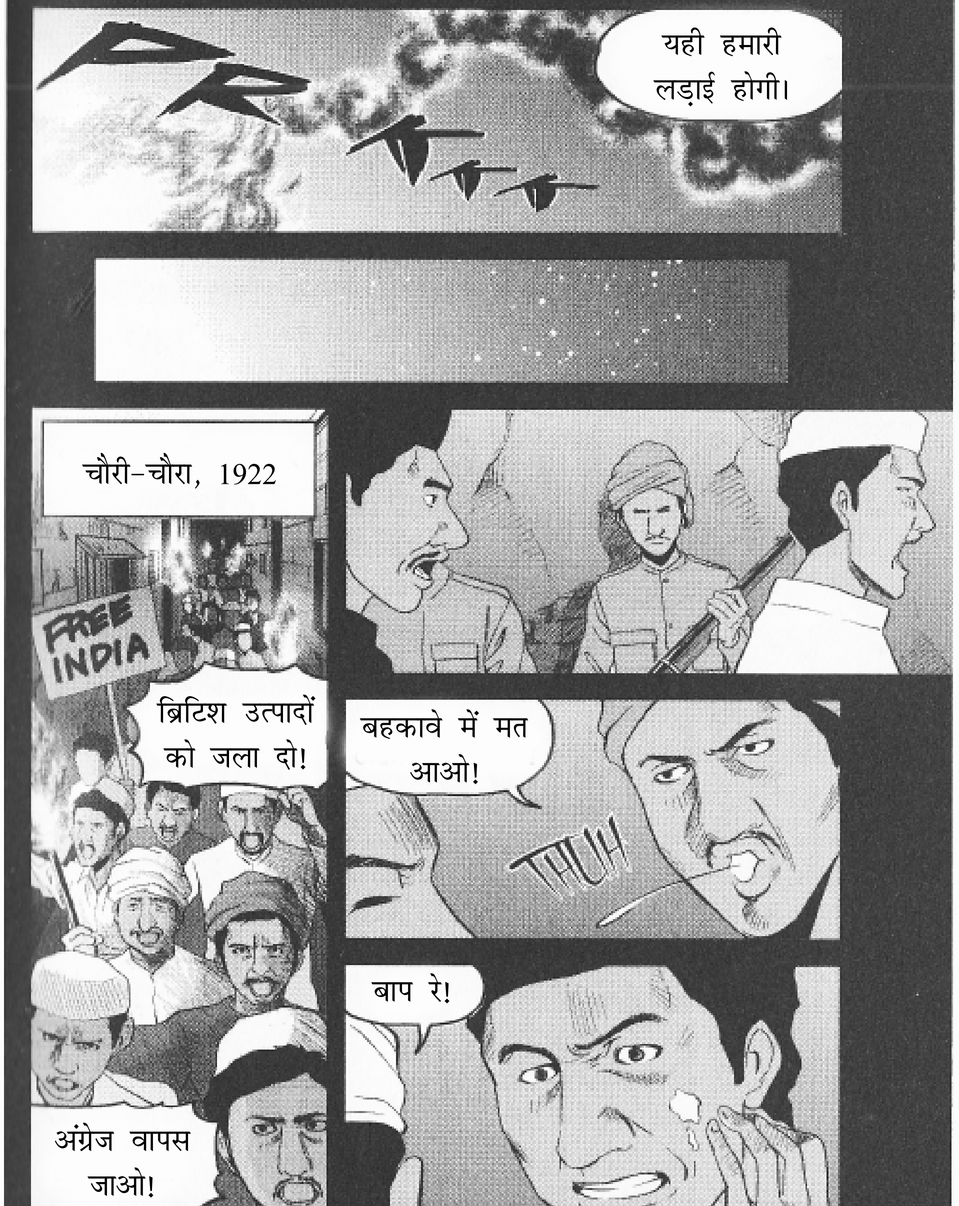

गोली चलाओ !!
DER
DER
DER

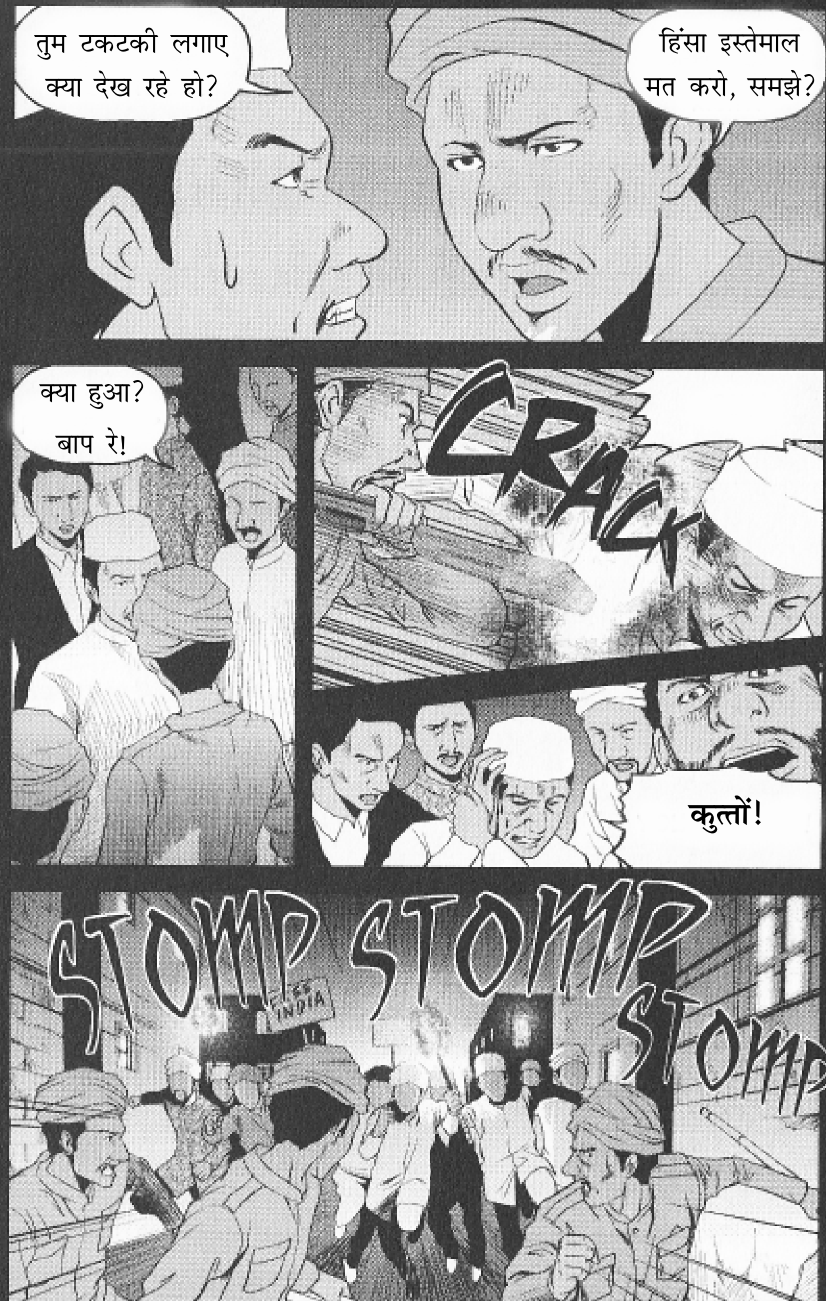

बाप रे!
भागो!!!
BANG
BANG
BANG
BAANG
BANG
BANG
STOK
STOK
STOK
STOK
लवी!!


बाप रे !!
WAAAHHH


लानत हो! ब्रिटिश कुत्तों! हम लोग कोई मोर्चा नहीं निकाल रहे थे।
मेरा भाई बस वहां पर खड़ा था...
मैं उसका बदला जरूर लूंगा।
मैं तुम्हारा दर्द महसूस कर सकता हूं।
परंतु कृपा कर हिंसा का बदला हिंसा से मत लो। उससे और घृणा बढ़ेगी और दुख फैलेगा।
इस पागलपन को अपने विवेक से लड़ो।
इस संघर्ष में मेरे साथ आओ।


ROAR
RRR
हम कब से इसमें फंसे हैं और अंग्रेजों का साथ दे रहे हैं। हमें इसे अंत करना चाहिए।
इंग्लैंड में बने कपड़े खरीदने के कारण ही हम गरीब हैं।
सारे विदेशी कपड़ों की होली जला दो।
अपना सूत खुद कातो। अपना कपड़ा खुद बुनो।


PRTTT
यही हमारी लड़ाई होगी।
चौरी–चौरा, 1922
FREE INDIA
ब्रिटिश उत्पादों को जला दो!
अंग्रेज वापस जाओ!
बहकावे में मत आओ!
THUH
बाप रे!



तुम टकटकी लगाए क्या देख रहे हो?
हिंसा इस्तेमाल मत करो, समझे?
क्या हुआ? बाप रे!
CRACK
कुत्तों!
STOMP STOMP STOMP

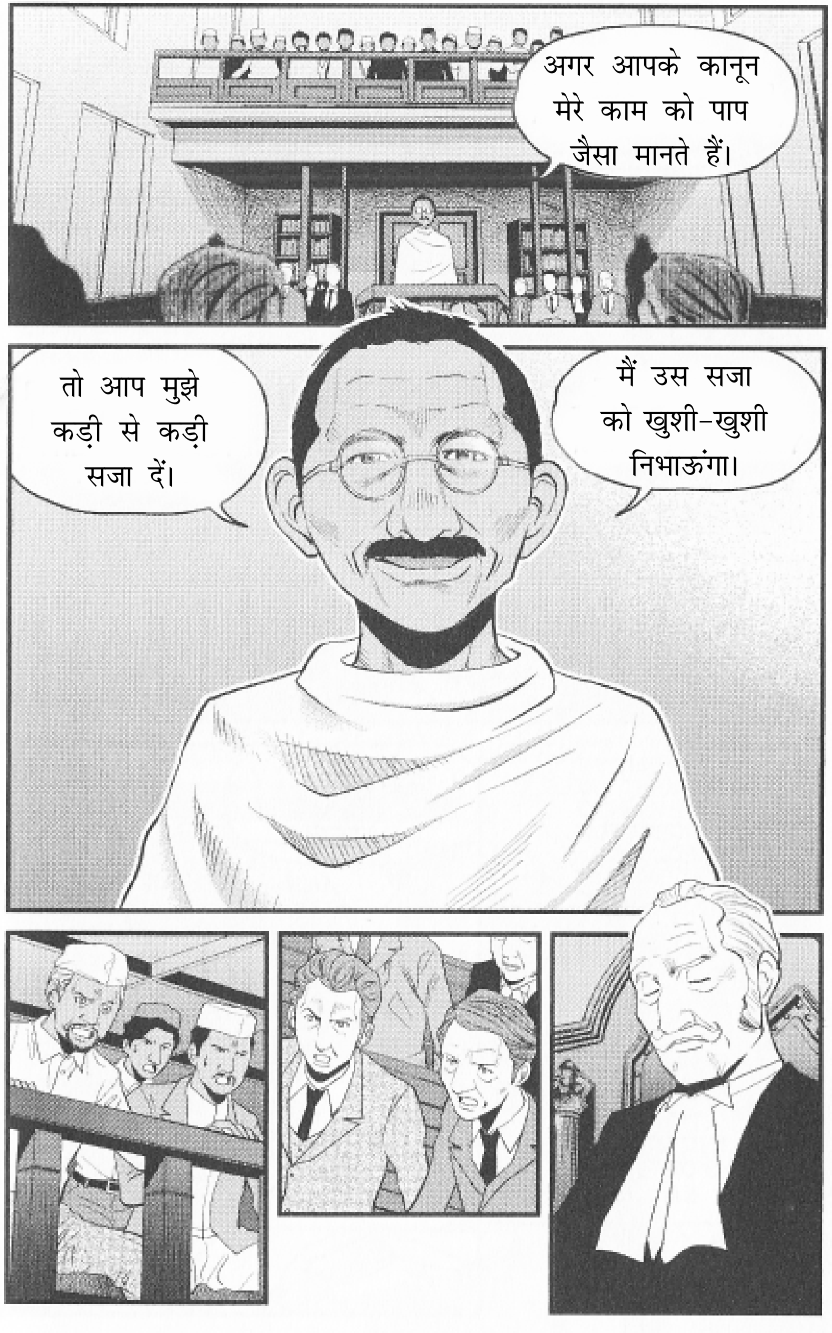


मारो!
THWAK
बचाओ! बचाओ!!


हमें इस आंदोलन को रोकना चाहिए!
गांधी (55 वर्ष)

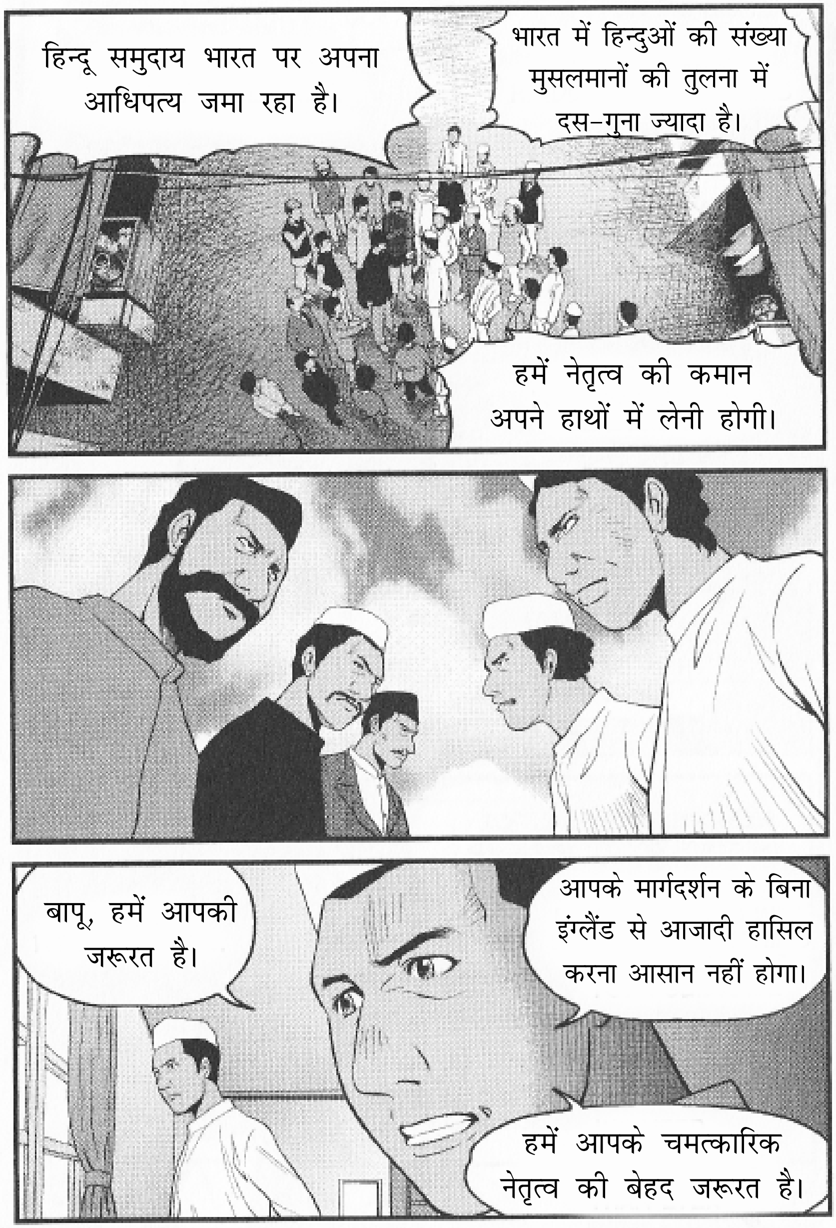

माफ करें?
बापू, अब लोग उठ खड़े हुए हैं।
इस सामूहिक बल को हमें नहीं रोकना चाहिए।
सुना है कि पुलिस ने पहले हिंसा शुरू की थी।
लोग अमृतसर के नरसिंहार से अभी भी बेहद घबराए हुए हैं।
इस घटना के लिए दुनिया हमें दोषी नहीं ठहराएगी।
मैं अहिंसा को एक राजनैतिक रणनीति जैसे नहीं पेश कर रहा हूं।
और मुझे रक्त-रंजित आजादी भी मंजूर नहीं है।

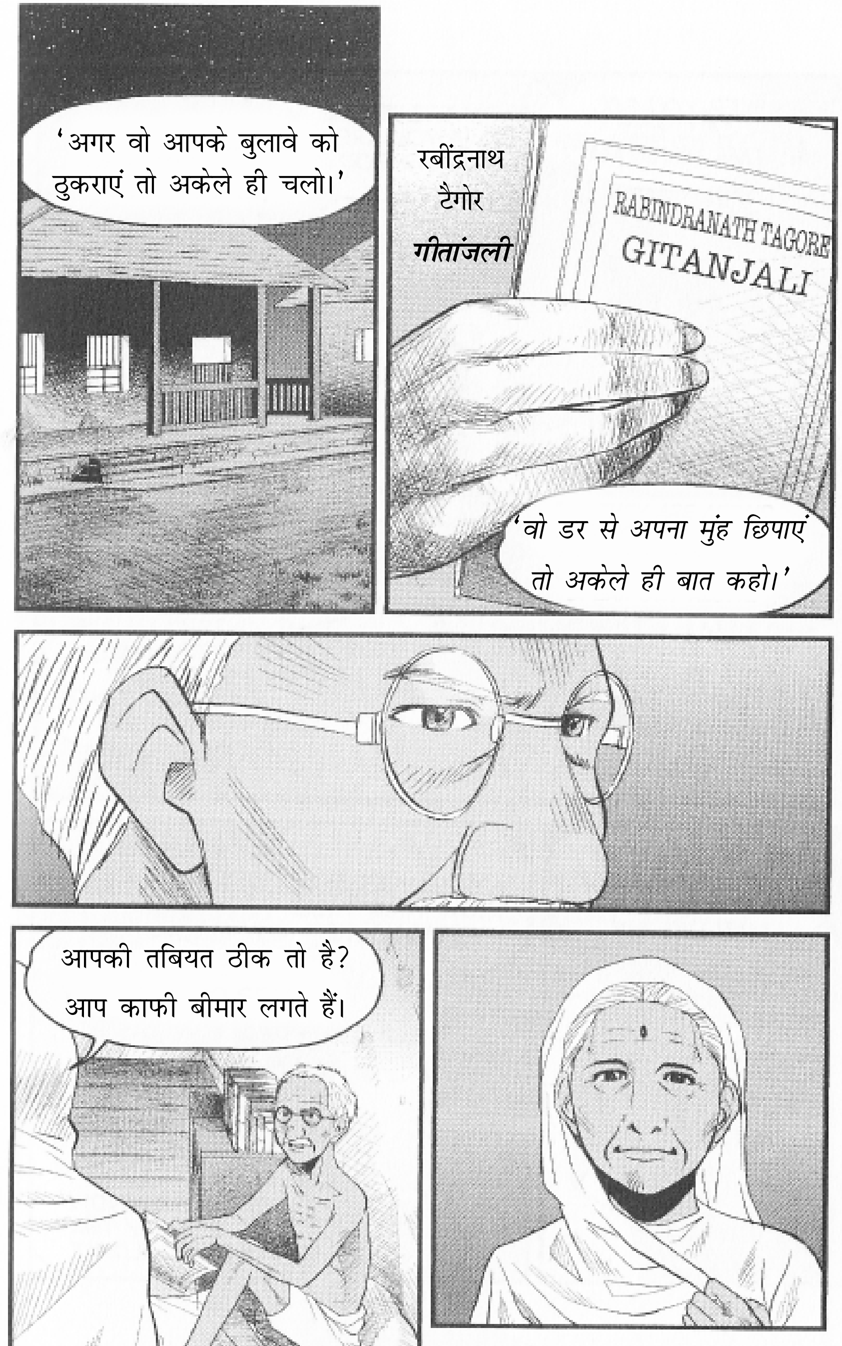

KLIK
मिस्टर गांधी
शांति भंग करने के लिए आपको गिरफ्तार किया जाता है।
तुम यह क्या कह रहे हो?
दंगा पीड़ितों के गांधी सबसे बड़े हितैषी हैं।
वो इस आंदोलन को बंद करने की सिफारिश कर रहे हैं।
क्या सरकार उन्हें गिरफ्तार करने को कह रही है?!
नहीं!
इससे हमें खुश नहीं होना चाहिए।


अगर आपके कानून मेरे काम को पाप जैसा मानते हैं।
तो आप मुझे कड़ी से कड़ी सजा दें।
मैं उस सजा को खुशी-खुशी निभाऊंगा।


कोर्ट अभियुक्त को छह साल की सजा सुनाता है।
यह सरासर बेइंसाफी है!
अहिंसा, कब से जुर्म बन गई!?
फिर भी . . .
अगर ब्रिटिश सरकार अभियुक्त की सजा कम करती है . . .
. . . . और उसे जल्दी छोड़ती है।
तो मैं उनका एहसान मानूंगा।


1930
दो साल बाद अथाह टिप्पणियां सुनने के बाद ब्रिटिश सरकार ने गांधी को बिना शर्त रिहा कर दिया।
राज्य सरकार ने हमें कुछ छूट दी है। हमें मौके का फायदा उठाकर चुनाव में अधिक से अधिक सीटें जीतनी चाहिए।
चुनाव में भाग लेकर हम इस बर्बर व्यवस्था के हाथों को और मजबूत करेंगे।
हमें सत्ता पलटने तक असहयोग आंदोलन को जारी रखना चाहिए!
आजादी के लिए नेहरू के प्रस्ताव में, मुसलमानों के अधिकारों के लिए कुछ भी नहीं है।
मुस्लिम अल्प-संख्यक तबका नहीं हैं।
हमें अपनी आजादी के लिए खुद लड़ना होगा।

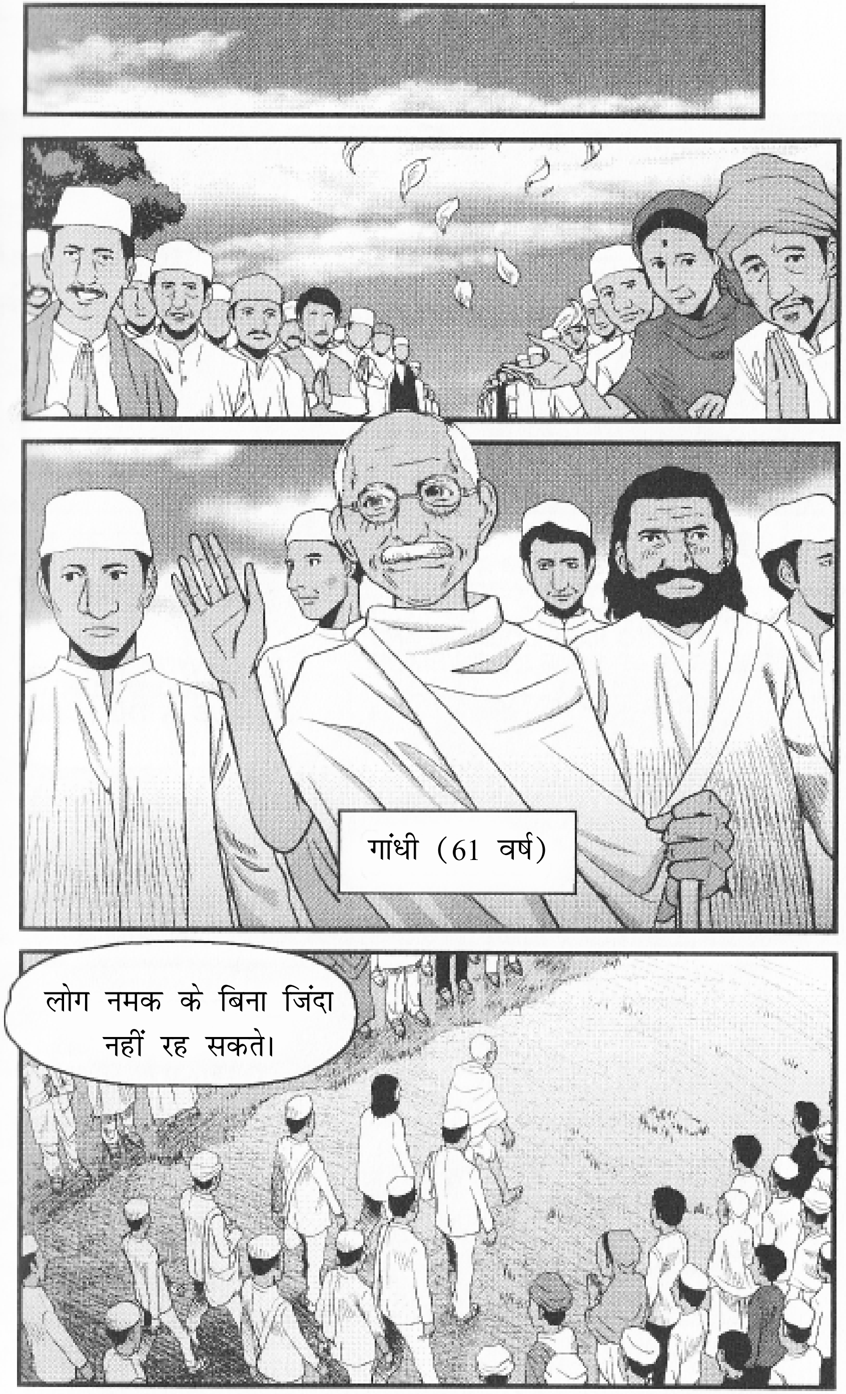

हिन्दू समुदाय भारत पर अपना आधिपत्य जमा रहा है।
भारत में हिन्दुओं की संख्या मुसलमानों की तुलना में दस–गुना ज्यादा है।
हमें नेतृत्व की कमान अपने हाथों में लेनी होगी।
बापू, हमें आपकी जरूरत है।
आपके मार्गदर्शन के बिना इंग्लैंड से आजादी हासिल करना आसान नहीं होगा।
हमें आपके चमत्कारिक नेतृत्व की बेहद जरूरत है।

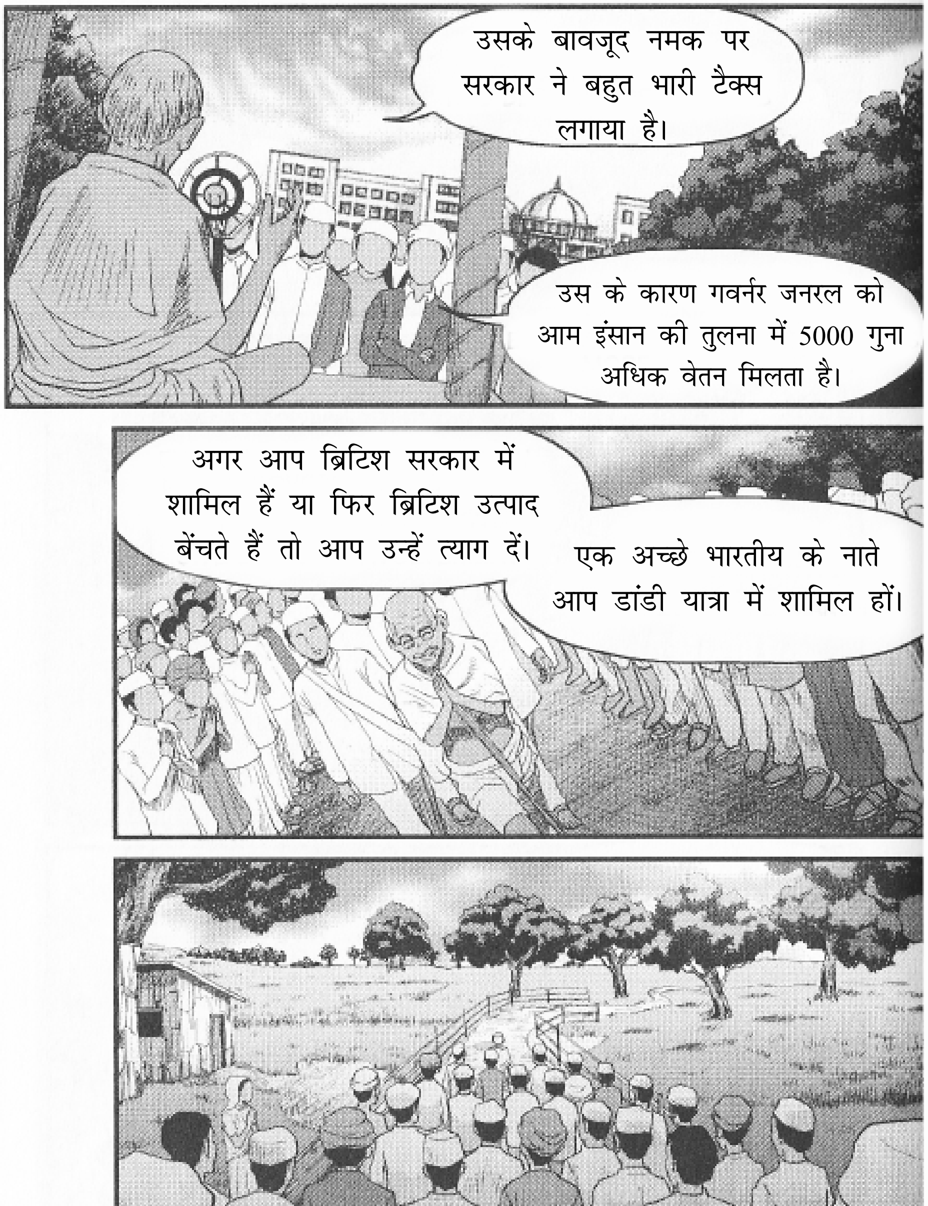

'अगर वो आपके बुलावे को ठुकराएं तो अकेले ही चलो।'
रबींद्रनाथ टैगोर *गीतांजली*
RABINDRANATH TAGORE
GITANJALI
'वो डर से अपना मुंह छिपाएं तो अकेले ही बात कहो।'
आपकी तबियत ठीक तो है? आप काफी बीमार लगते हैं।


आप जहां भी जाते हैं लोग आपको महात्मा बुलाते हैं।
वो आपके साथ भगवान जैसा व्यवहार करते हैं।
इस सबसे आप अब थक गए होंगे।
हूं!
किसी को तो यह काम करना ही था।
मुझे मौका मिला तो मैंने किया।
यह मेरे जैसे छोटे से इंसान के लिए बहुत बड़ी बात है।
आप मुझे अपनी कुछ कमजोरियां भी बताएं।
आप नहीं बताएंगे यह मै अच्छी तरह जानती हूं।

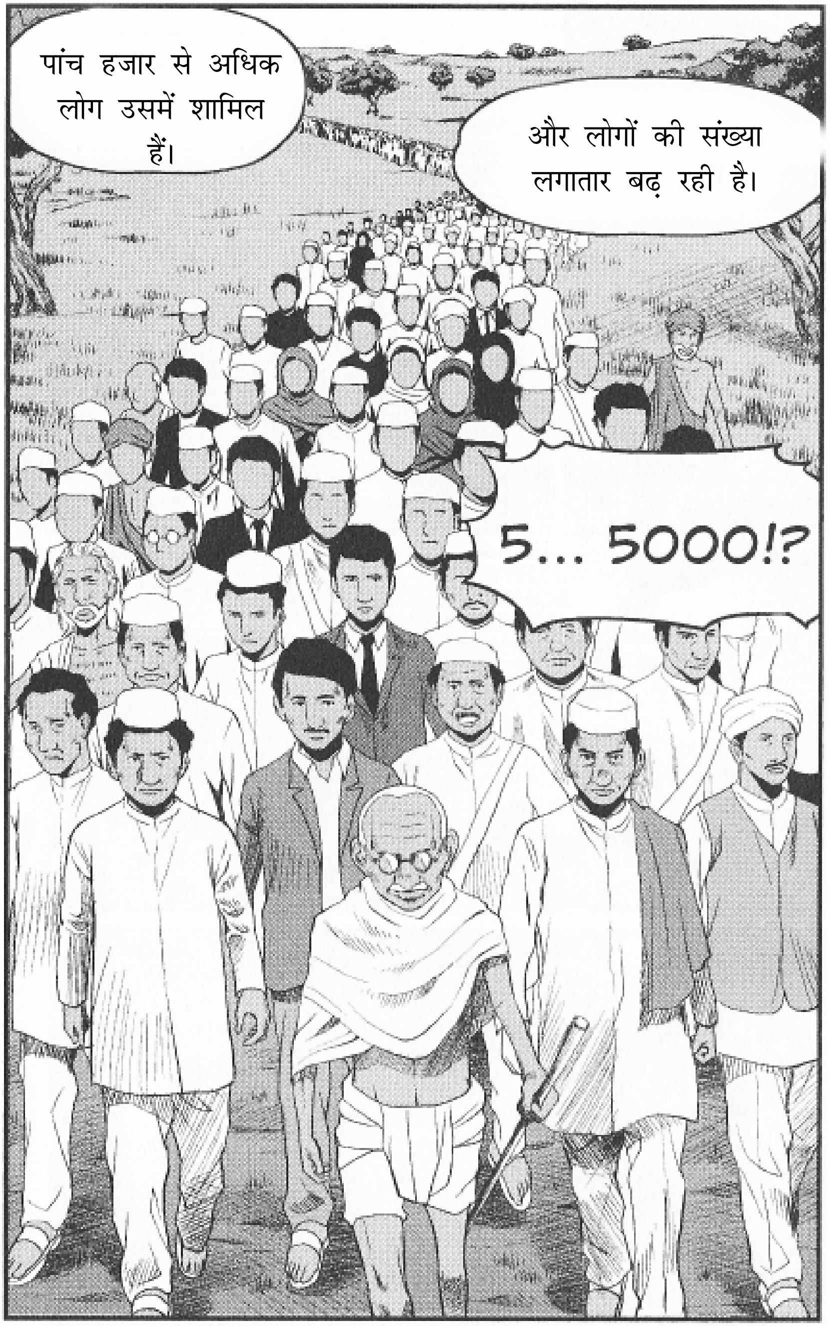

तुम्हें बताओ कैसा लगता है...?
तुम इस सबसे तंग नहीं आती हो?
एक दृढ़ प्रतिज्ञ और अड़ियल पति...
अगर जवानी में तुम कुछ सामान्य होते तो जरूर अच्छा होता..
पर अब..
तुम्हारे पीछे चलना मेरा धर्म बन गया है।
और तुम्हारा धर्म है लोगों को सही रास्ता पर ले जाना।
वो देखो तुम्हारा इंतजार कर रहे हैं।
महात्मा (महान आत्मा) गांधी का।


नमक बनाना?
बिल्कुल सही.. उन्हें नमक बनाने पर पाबंदी लगाई है और नमक खाने पर बेइन्तहा टैक्स लगाया है। हां, हम खुद अपना नमक बनाएंगे।
पर...
हम 12 मार्च को पूरे देश की यात्रा कर डांडी के समुद्र तट पर नमक बनाने का काम करेंगे।
नमक ही क्यों?
मुझे कुछ पता नहीं। शायद बुढ़ापे में गांधी सठिया गया है।
नहीं, गांधीजी कर रहे हैं।
तो जरूर कोई सार्थक काम होगा।

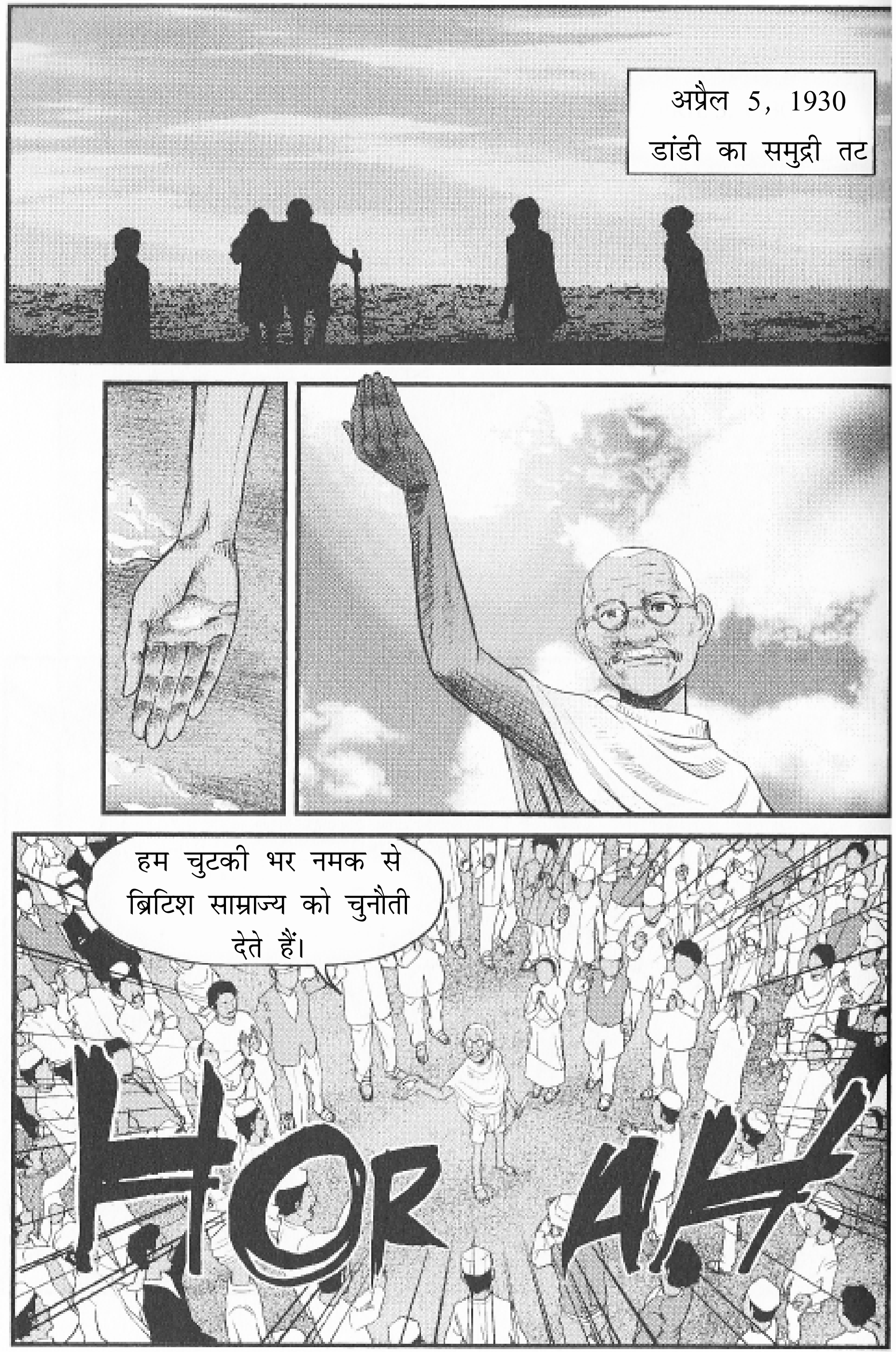

गांधी (61 वर्ष)
लोग नमक के बिना जिंदा नहीं रह सकते।


उसके बावजूद नमक पर सरकार ने बहुत भारी टैक्स लगाया है।
उस के कारण गवर्नर जनरल को आम इंसान की तुलना में 5000 गुना अधिक वेतन मिलता है।
अगर आप ब्रिटिश सरकार में शामिल हैं या फिर ब्रिटिश उत्पाद बेंचते हैं तो आप उन्हें त्याग दें।
एक अच्छे भारतीय के नाते आप डांडी यात्रा में शामिल हों।


इसीलिए हमने समुद्र तट पर नमक बनाने की सोची है...
हा! हा! एकदम उम्दा विचार है।
'नमक बनाओ, ब्रिटिश साम्राज्य हराओ,'
व्यंग करने में वो माहिर हैं।
हा! हा!
वाईसरॉय इरविन!
गांधी की नमक यात्रा कैसी चल रही है?
सूचना के अनुसार...


पांच हजार से अधिक लोग उसमें शामिल हैं।
और लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है।
5... 5000!?


शहरों के मेयर और पुलिस अफसर भी गांधी के साथ यात्रा में शामिल हैं।
इन जिलों के गवर्नर उनके समुद्र तट पर पहुंचने से पहले हमसे कुछ ठोस कदम उठाने को कह रहे हैं।
क्यों...
चुटकी भर नमक के लिए लोग क्यों इतने उत्तेजित हो रहे हैं।
यह किस की करामात है?
वो वाकई जादूगर है!?


अप्रैल 5, 1930
डांडी का समुद्री तट
हम चुटकी भर नमक से ब्रिटिश साम्राज्य को चुनौती देते हैं।
HOR AH!

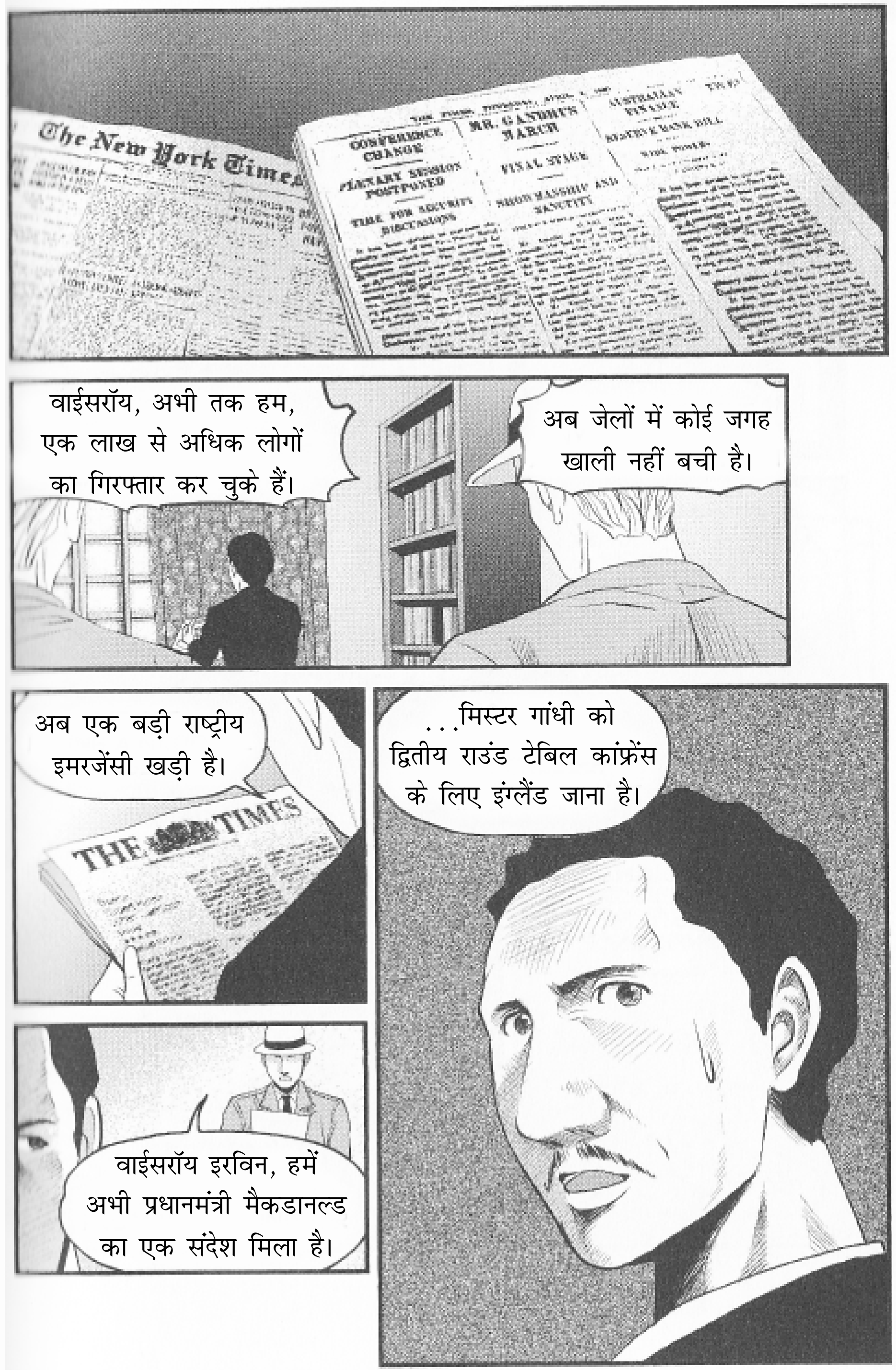

लोग खुलेआम नमक बनाकर कानून का हनन कर रहे हैं।
बड़ी विशाल संख्या में लोग समुद्र तट की ओर बढ़ रहे हैं।
कोई चारा नहीं है... ब्रिटिश इस आंदोलन को किसी भी तरह खत्म करना चाहते हैं।
मैं बल प्रयोग का हुक्म देता हूं।
आंदोलन से जुड़े सभी लोगों का गिरफ्तार करो।


TWAK
BANG
नमक बनाना कानूनी जुर्म है!
बंद करो!
मैं हुक्म देता हूं!
......
SHHT
SHHT

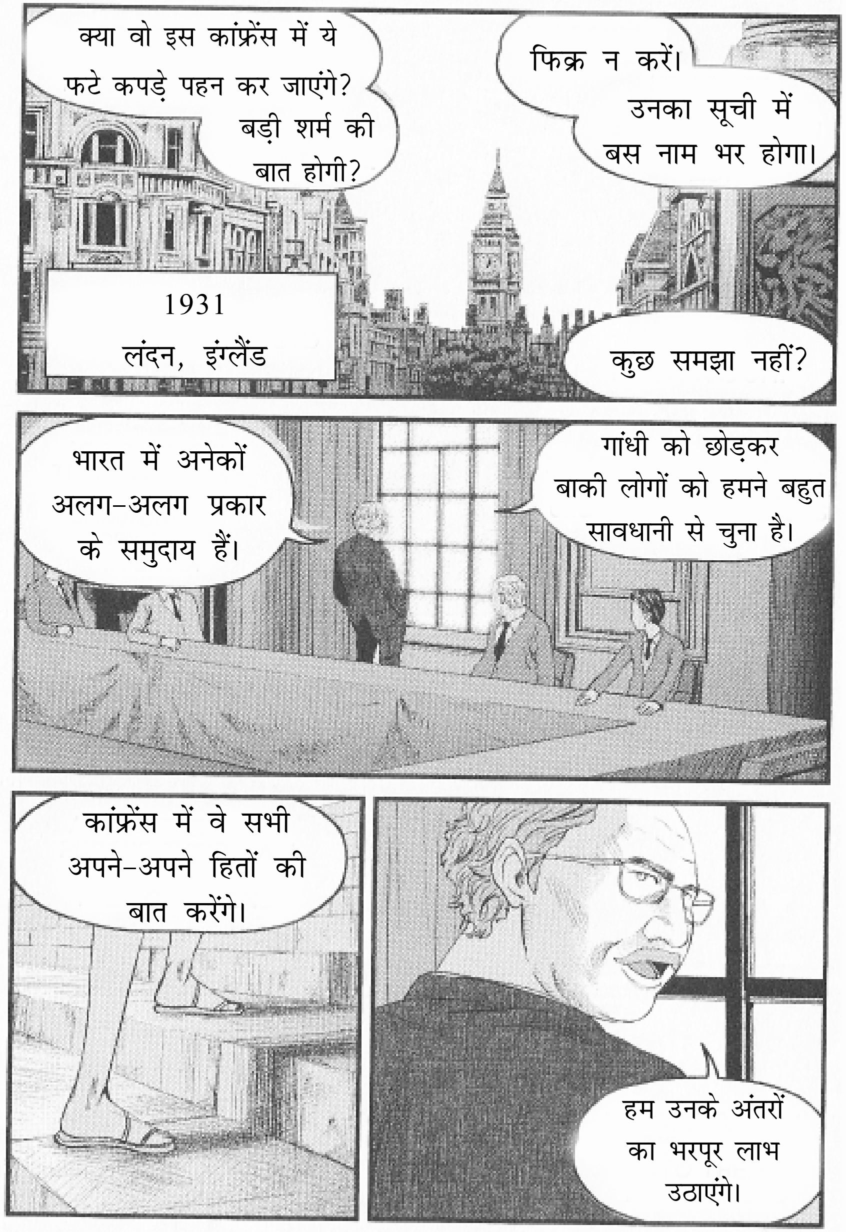

तुम किसका इंतजार कर रहे हो!! शुरू हो जाओ!
हां...
अगर नहीं करोगे तो मैं तुम्हें गिरफ्तार करूंगा।
क्या तुम अपने परिवार को भूखा छोड़ गिरफ्तारी देने को तैयार हो?
आह !!



हिन्दू और मुसलमान कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रहे हैं।
उनका मस्तक ऊंचा है। वे डंडों के प्रहार से बचने की कोशिश नहीं करते!
पश्चिम चाहें इस आंदोलन को कुचलकर अपनी कितनी भी वाहवाही क्यों न जताए...
BDOK
आह...
पर मैं यहां भारत को जीतता हुआ देख रहा हूं।



The New York Times
MR. GANDHI'S MARCH
वाईसरॉय, अभी तक हम, एक लाख से अधिक लोगों का गिरफ्तार कर चुके हैं।
अब जेलों में कोई जगह खाली नहीं बची है।
अब एक बड़ी राष्ट्रीय इमरजेंसी खड़ी है।
THE TIMES
वाईसरॉय इरविन, हमें अभी प्रधानमंत्री मैकडानल्ड का एक संदेश मिला है।
...मिस्टर गांधी को द्वितीय राउंड टेबिल कांफ्रेंस के लिए इंग्लैंड जाना है।



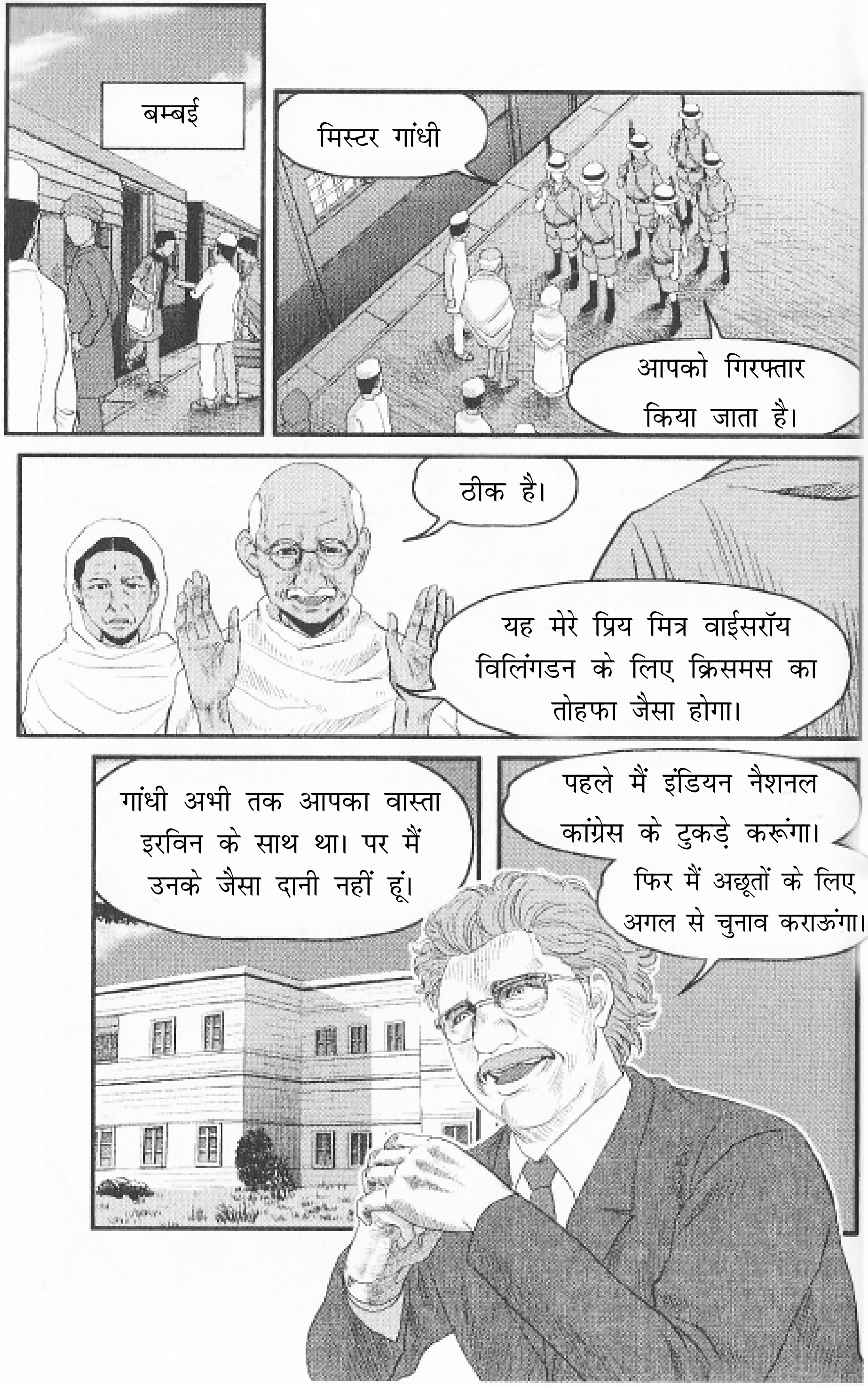
क्या वो इस कांफ्रेंस में ये फटे कपड़े पहन कर जाएंगे? बड़ी शर्म की बात होगी?
फिक्र न करें। उनका सूची में बस नाम भर होगा।
1931
लंदन, इंग्लैंड
कुछ समझा नहीं?
भारत में अनेकों अलग-अलग प्रकार के समुदाय हैं।
गांधी को छोड़कर बाकी लोगों को हमने बहुत सावधानी से चुना है।
कांफ्रेंस में वे सभी अपने-अपने हितों की बात करेंगे।
हम उनके अंतरों का भरपूर लाभ उठाएंगे।

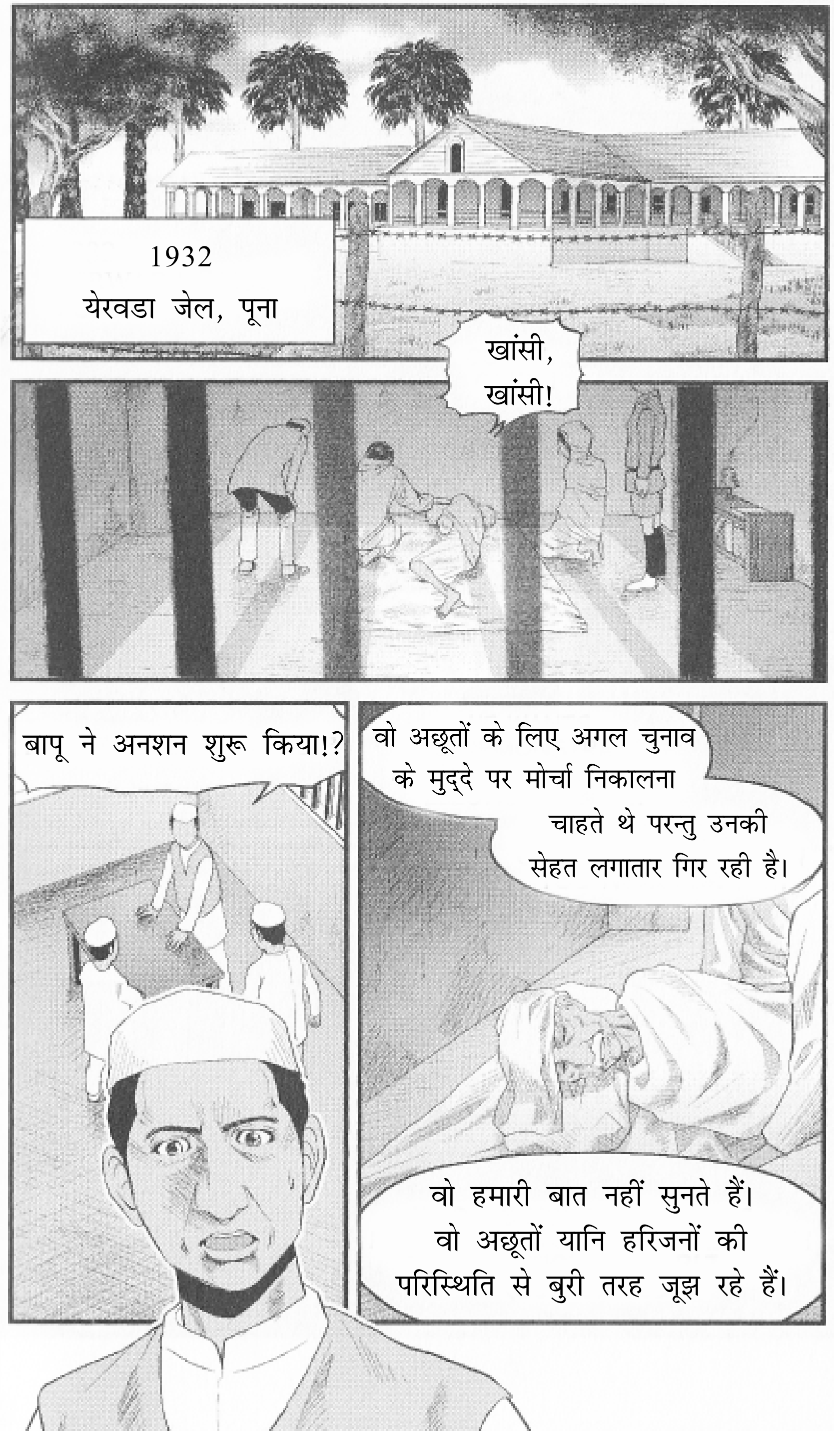


और भारत को टुकड़ों-टुकड़ों में बांट देंगे।
हम दुनिया को दिखाएंगे कि हमने गांधी को कांफ्रेंस में बुलाया है।
अल्प-संख्यकों को ज्यादा सीटें मिलनी चाहिए।
आजादी के बाद इस सामंती व्यवस्था का क्या होगा?
चिंता न करो। मुसलमानों के लिए अलग सीटों की बात चल रही है।
......


मैं वाईसरॉय विलिंगडन हूं। मैंने अभी-अभी पूर्व वाईसरॉय इरविन की कमान सम्भाली है।
भारत में अनेक जातियां और सम्प्रदाय हैं जो हिन्दू धर्म पर आधारित हैं।
सबसे निचली जाति अछूतों की है और भारतीय समाज में उनका जीवन सबसे तिरस्कृत है।
अछूतों के हितों की सुरक्षा के लिए चुनाव में उनके लिए अलग सीटें रखीं हैं।
माननीय वाईसरॉय विलिंगडन . .
मैं इसका विरोध करता हूं।


पर अछूत तो यही चाहते हैं।
इससे चुनावी सीटों का कुछ लेना-देना नहीं।
एक विशेष कानून द्वारा . .
हम उनके हितों की सुरक्षा करेंगे।
इससे बुनियादी सुधारों की कोई जरूरत ही नहीं होगी।
जब तक सुधार हमारी अपनी स्वेच्छा से नहीं होंगे,
तब तक हम घृणित प्रथा को जड़ से नहीं उखाड़ पाएंगे।


बम्बई
मिस्टर गांधी
आपको गिरफ्तार किया जाता है।
ठीक है।
यह मेरे प्रिय मित्र वाईसरॉय विलिंगडन के लिए क्रिसमस का तोहफा जैसा होगा।
गांधी अभी तक आपका वास्ता इरविन के साथ था। पर मैं उनके जैसा दानी नहीं हूं।
पहले मैं इंडियन नैशनल कांग्रेस के टुकड़े करूंगा।
फिर मैं अछूतों के लिए अगल से चुनाव कराऊंगा।


1932
येरवडा जेल, पूना
खांसी, खांसी!
बापू ने अनशन शुरू किया!?
वो अछूतों के लिए अगल चुनाव के मुद्दे पर मोर्चा निकालना चाहते थे परन्तु उनकी सेहत लगातार गिर रही है।
वो हमारी बात नहीं सुनते हैं। वो अछूतों यानि हरिजनों की परिस्थिति से बुरी तरह जूझ रहे हैं।


बापू अनशन पर हैं।
अगर बापू को कुछ हो गया तो?
वो हमारी जिम्मेदारी है।
महात्मा, हरिजनों के की सुरक्षा के लिए खुद को कुर्बान कर रहे हैं।
......

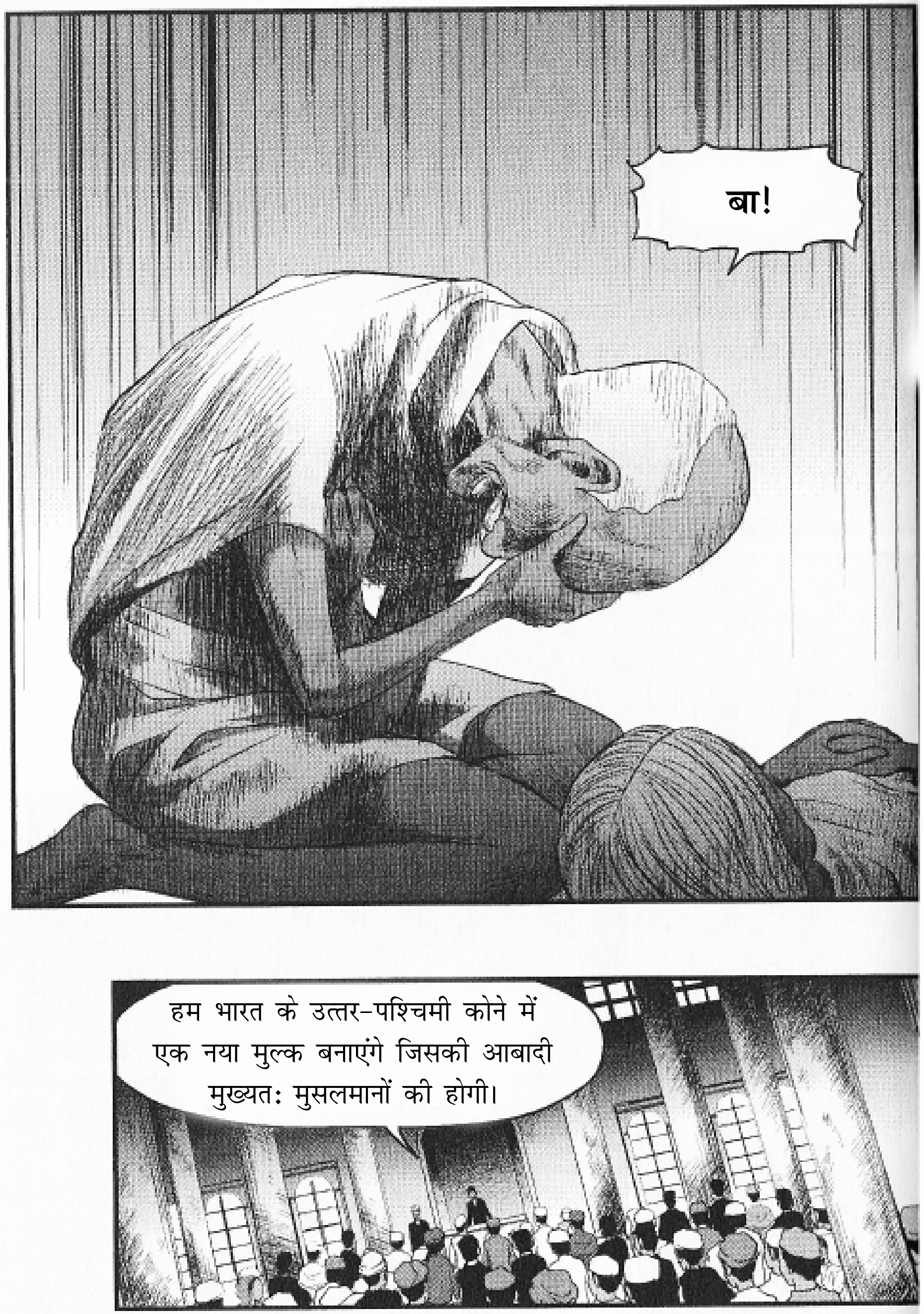

क्या आप अंदर आना चाहेंगे?
क्या...?
क्या हमें मंदिर में बुला रहे हैं?
पर हम लोग तो...
कोई फर्क नहीं पड़ता। हमें पुरानी मान्यताएं त्यागनी चाहिए।
और मिलकर महात्मा के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।
अछूतों के लिए अलग चुनाव नहीं होंगे।
उसकी बजाए हम हरिजनों के लिए 148 चुनावी सीटें आरक्षित करेंगे।

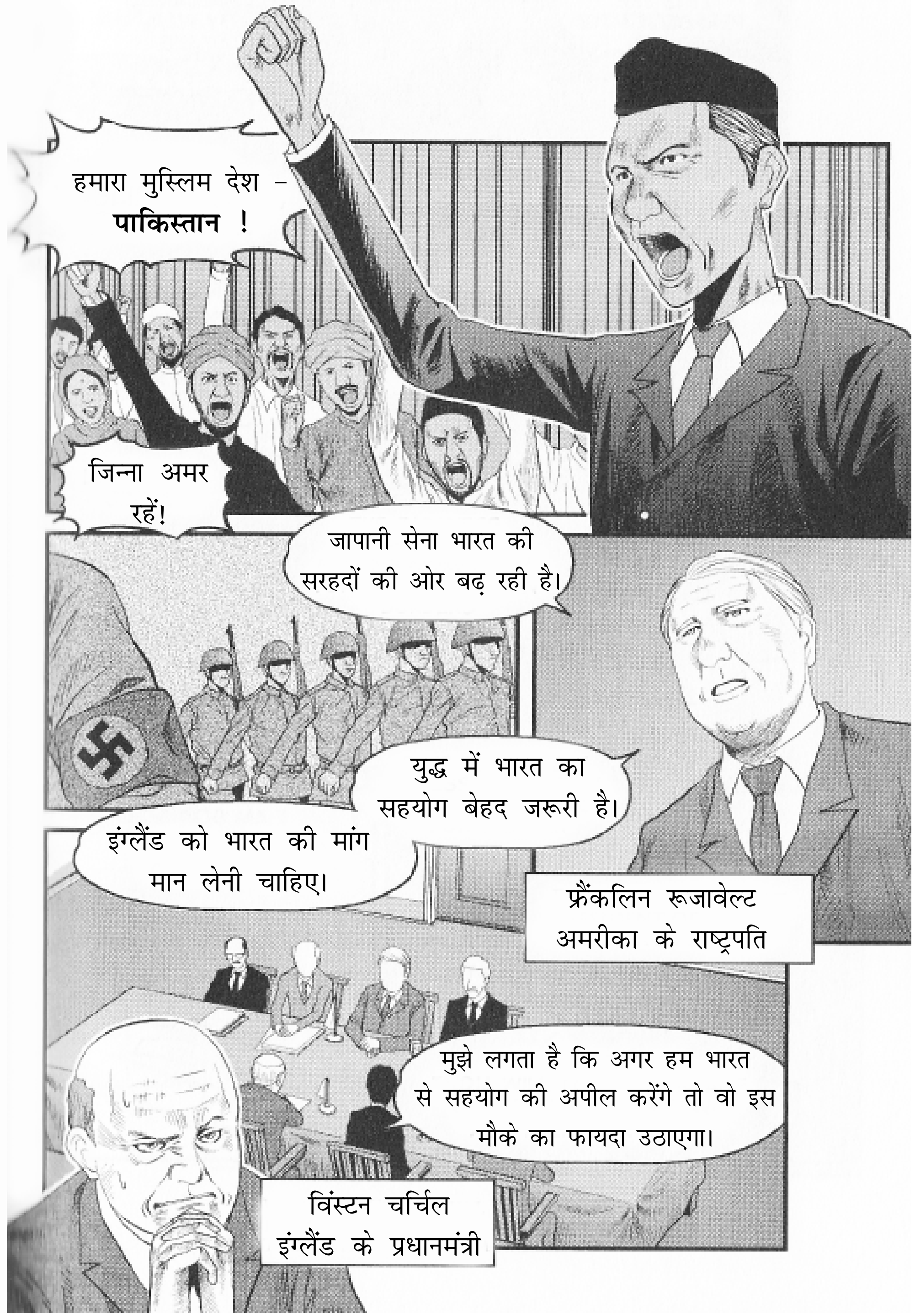

यह **'पूना पैक्ट'** क्या बला है?
नासमझ भारतीय यह क्यों नहीं समझते कि यह गांधी द्वारा खेली एक राजनैतिक चाल है!
अगर यह सच है तो भी महात्मा ने अपनी जान की बाजी लगाई है...
उनका अनशन राजनीति से कुछ अलग है।
क्या मतलब?
गांधी आम लोगों की धार्मिक संवेदनाओं से अपील कर रहे हैं।
अगर हमने उन्हें अभी मरने दिया तो वो एक...
हीरो बन जाएंगे और मृत्यु के बाद वो ब्रिटिश साम्राज्य के लिए ज्यादा बड़ी चुनौती बनेंगे।

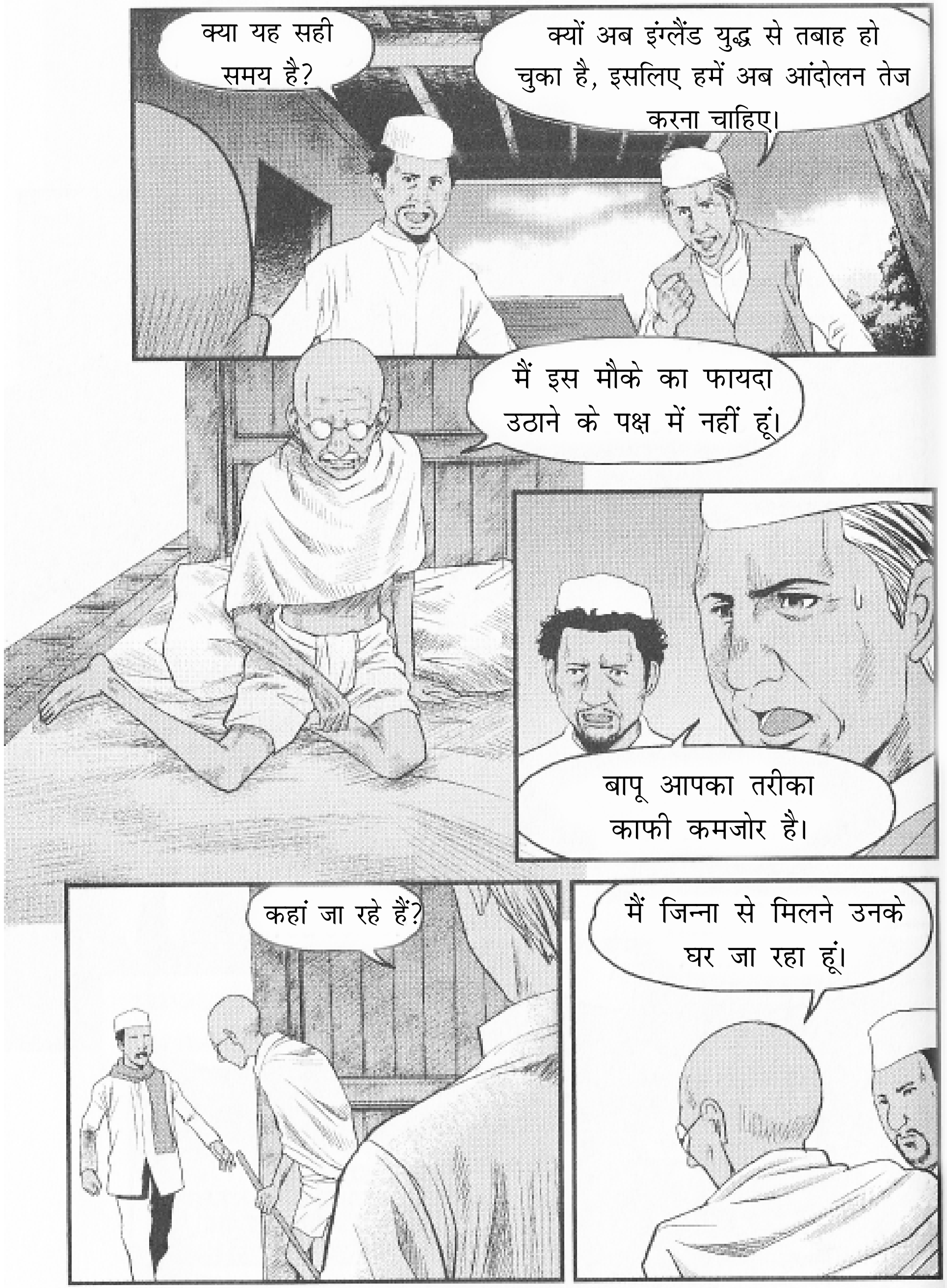

एक ही व्यक्ति है जिसमें जेल से भी भारत को चलाने का दम है...
इस देश की गैरबराबरी को वो भी नहीं पाट सकते।
बहुत गैरबराबरी है...
YEAHH

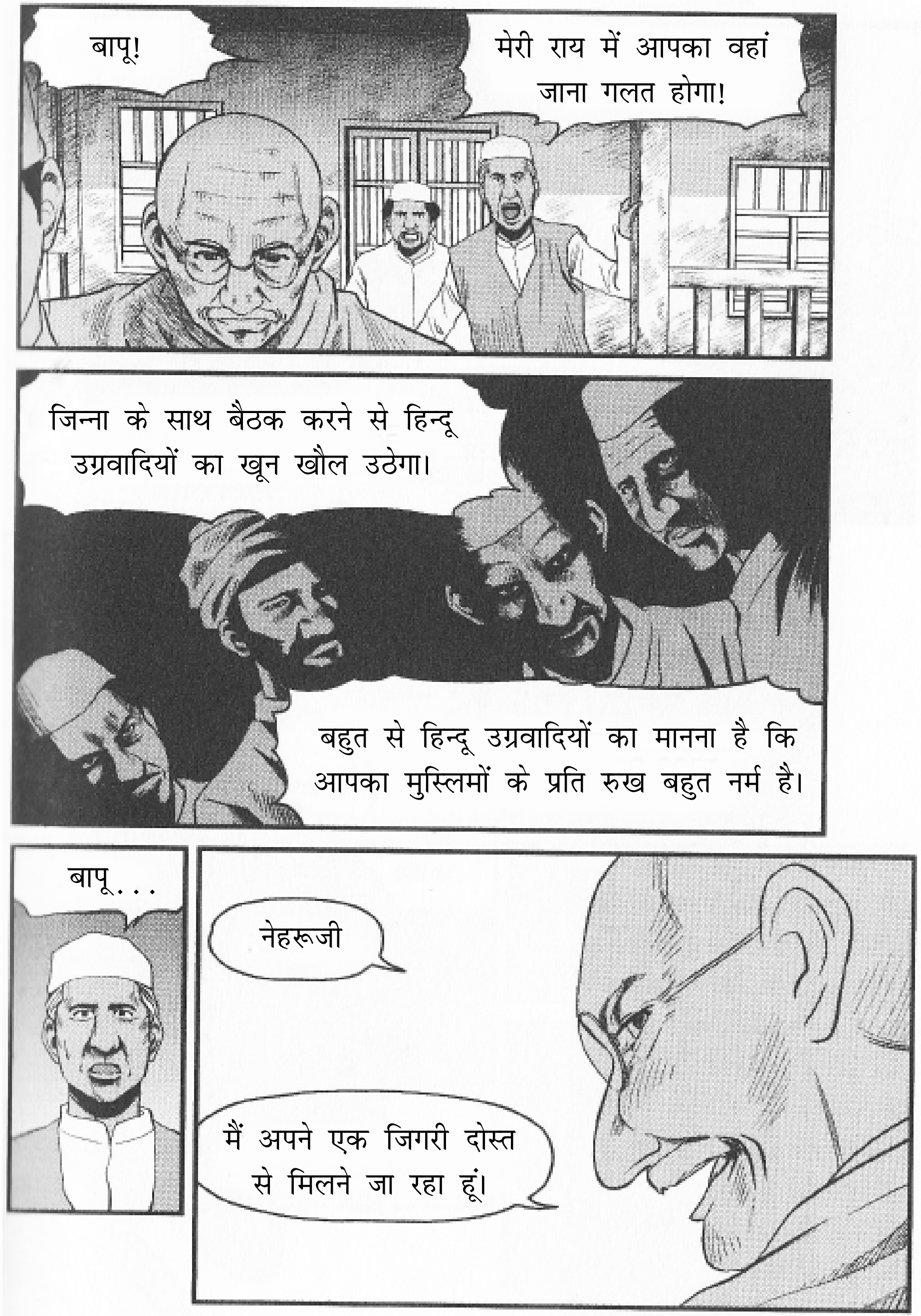

खांसी!
बापू!
बा!

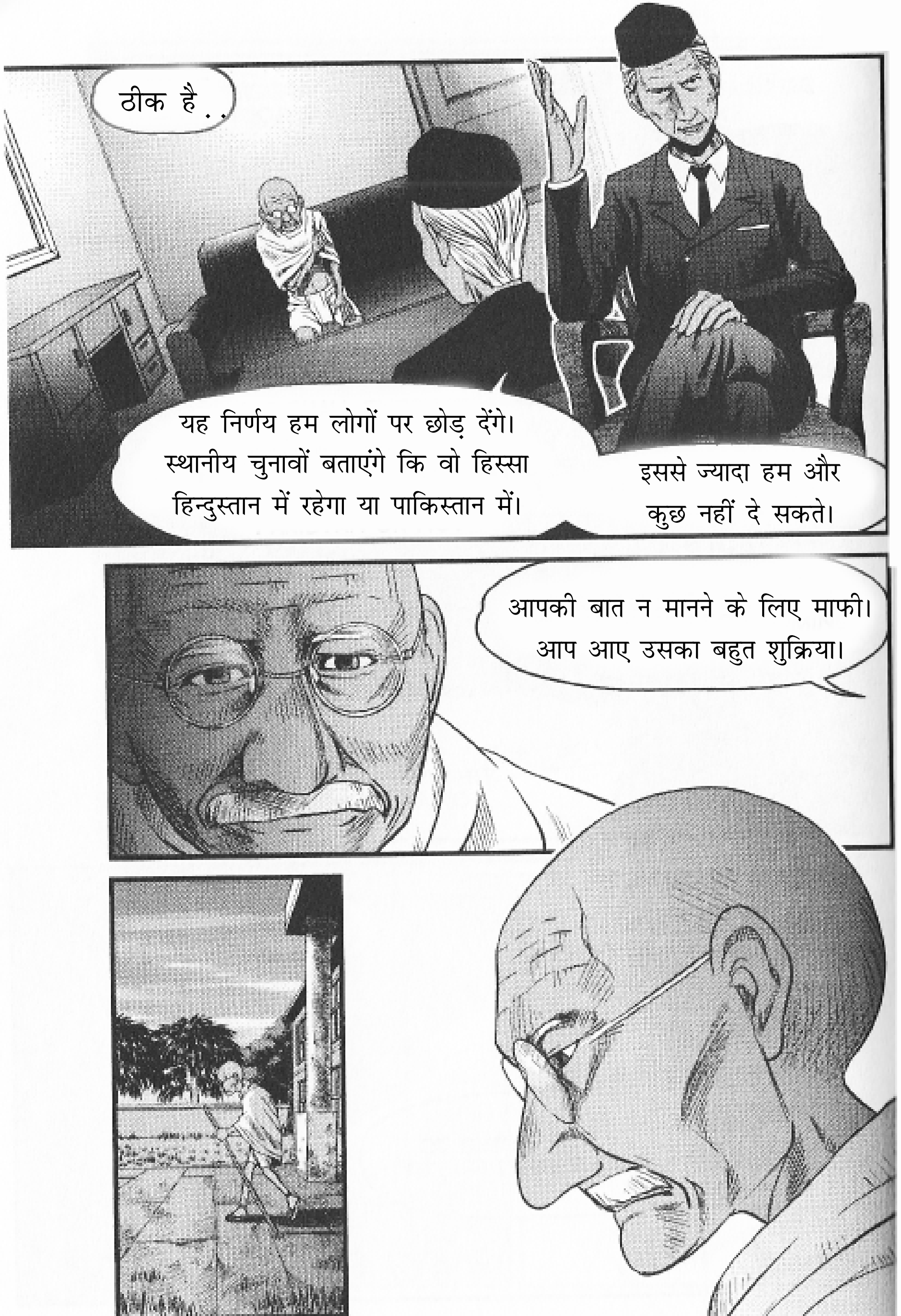

मुझे कुछ मांगना है?
मेरी मृत्यु के बाद आप खुद काते सूत से एक चादर बनाकर मुझे ढकें...
बा!
अब तुम जीवन के दुखों से मुक्त हो। हमें इस मौके पर जश्न मनाना चाहिए...
बा!

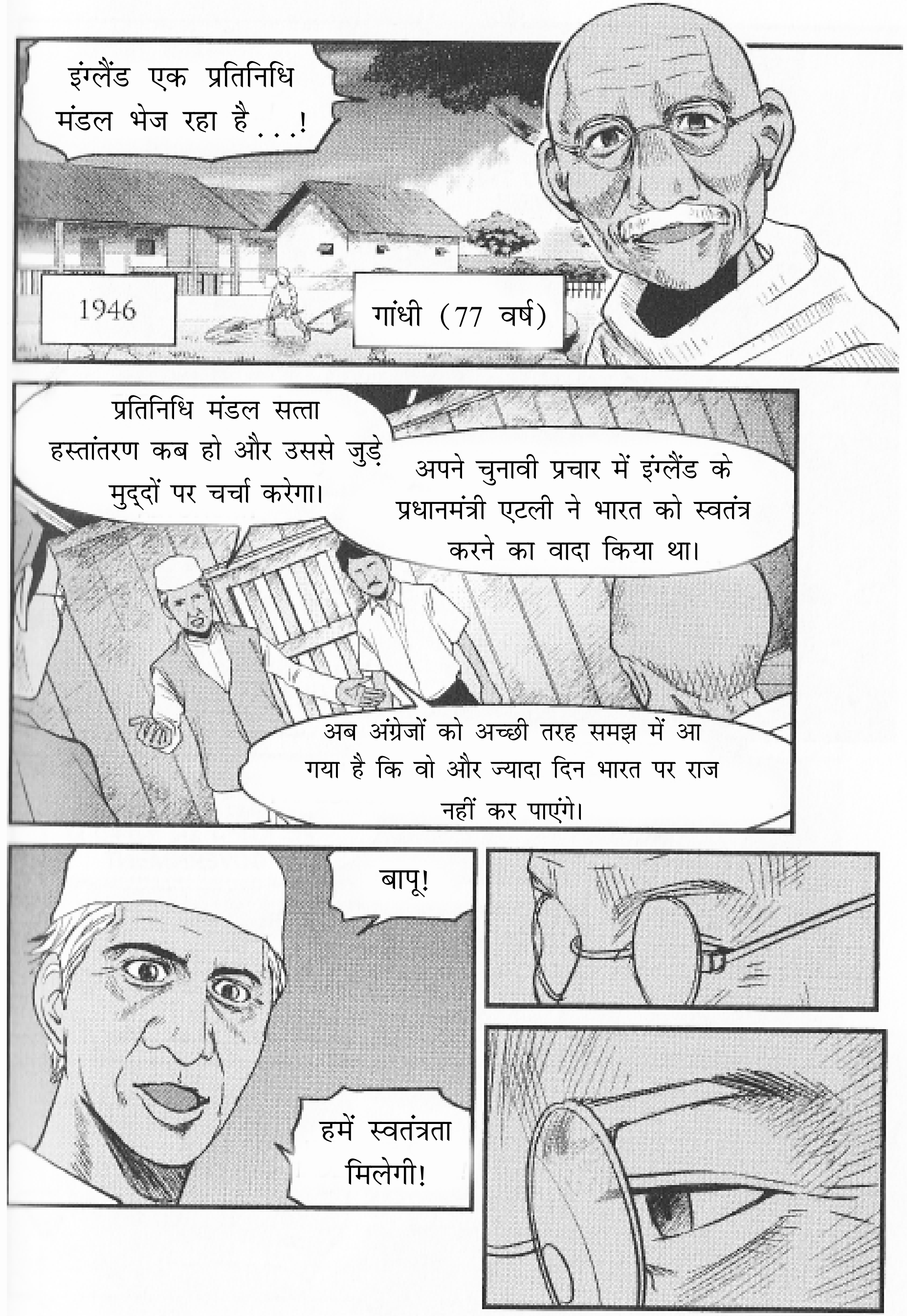

बा!
हम भारत के उत्तर-पश्चिमी कोने में एक नया मुल्क बनाएंगे जिसकी आबादी मुख्यतः मुसलमानों की होगी।

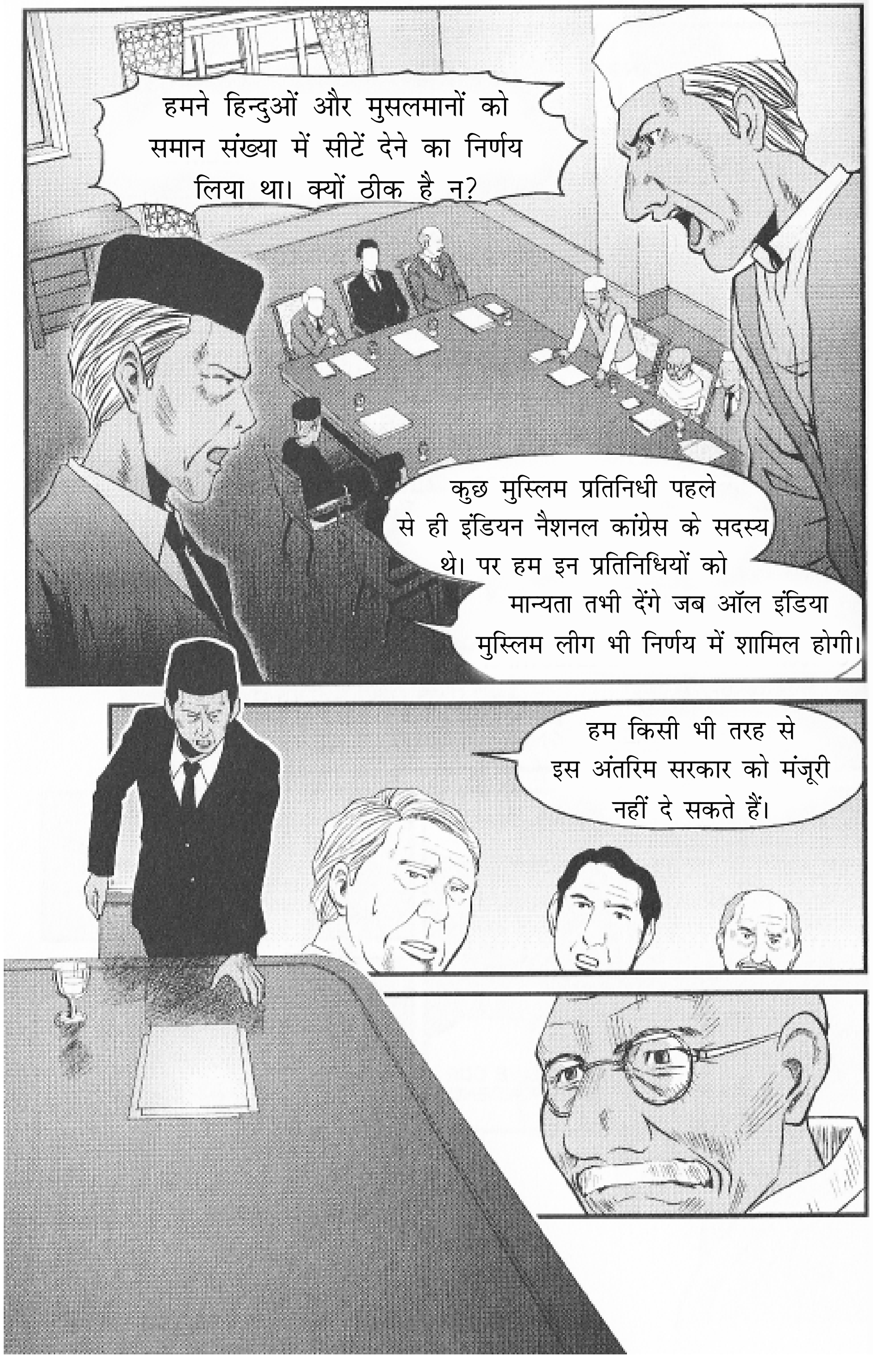

हमारा मुस्लिम देश – **पाकिस्तान !**
जिन्ना अमर रहें!
जापानी सेना भारत की सरहदों की ओर बढ़ रही है।
युद्ध में भारत का सहयोग बेहद जरूरी है।
इंग्लैंड को भारत की मांग मान लेनी चाहिए।
फ्रैंकलिन रूजावेल्ट अमरीका के राष्ट्रपति
मुझे लगता है कि अगर हम भारत से सहयोग की अपील करेंगे तो वो इस मौके का फायदा उठाएगा।
विंस्टन चर्चिल इंग्लैंड के प्रधानमंत्री


क्या यह सही समय है?
क्यों अब इंग्लैंड युद्ध से तबाह हो चुका है, इसलिए हमें अब आंदोलन तेज करना चाहिए।
मैं इस मौके का फायदा उठाने के पक्ष में नहीं हूं।
बापू आपका तरीका काफी कमजोर है।
कहां जा रहे हैं?
मैं जिन्ना से मिलने उनके घर जा रहा हूं।

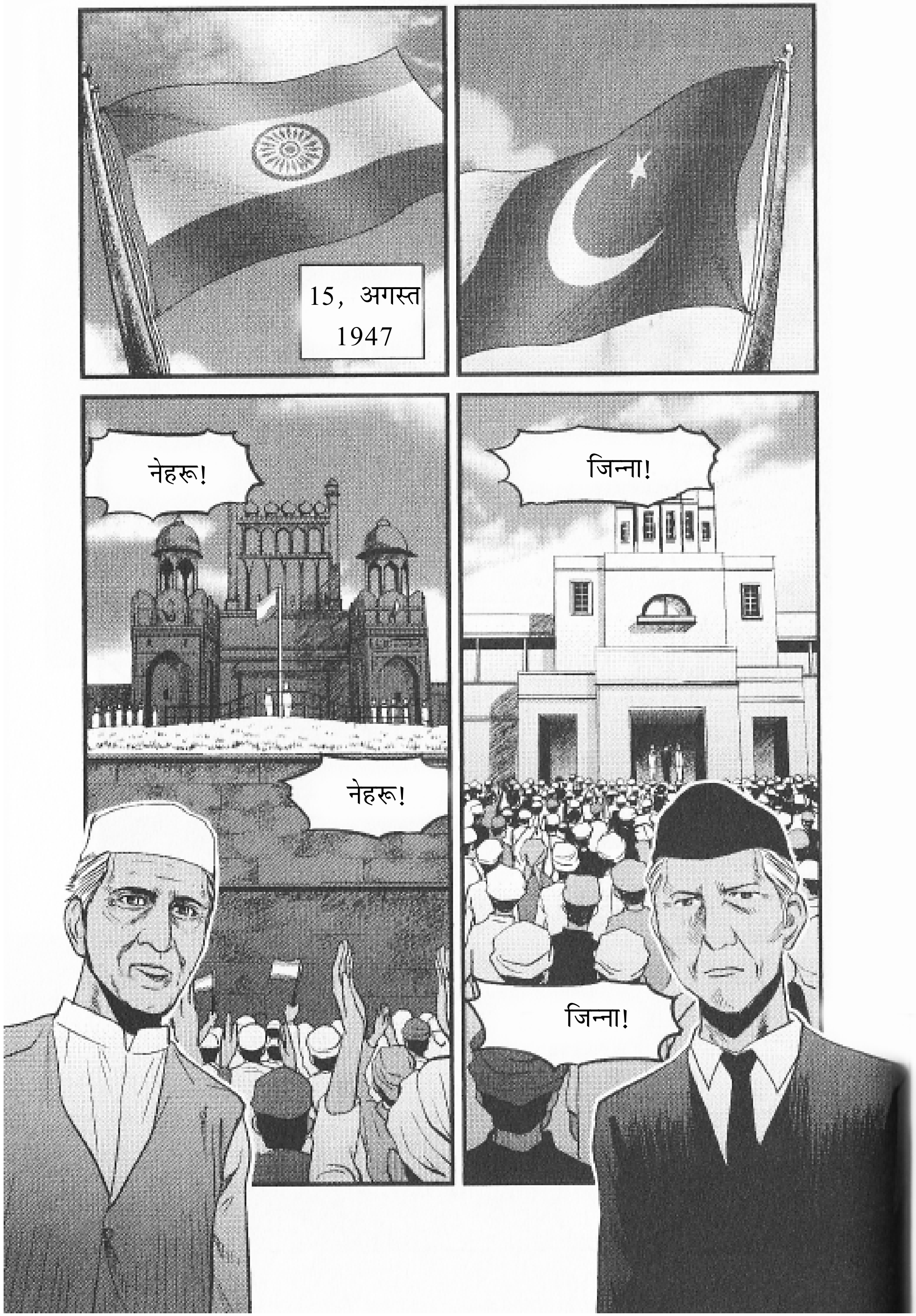

बापू!
मेरी राय में आपका वहां जाना गलत होगा!
जिन्ना के साथ बैठक करने से हिन्दू उग्रवादियों का खून खौल उठेगा।
बहुत से हिन्दू उग्रवादियों का मानना है कि आपका मुस्लिमों के प्रति रुख बहुत नर्म है।
बापू...
नेहरूजी
मैं अपने एक जिगरी दोस्त से मिलने जा रहा हूं।

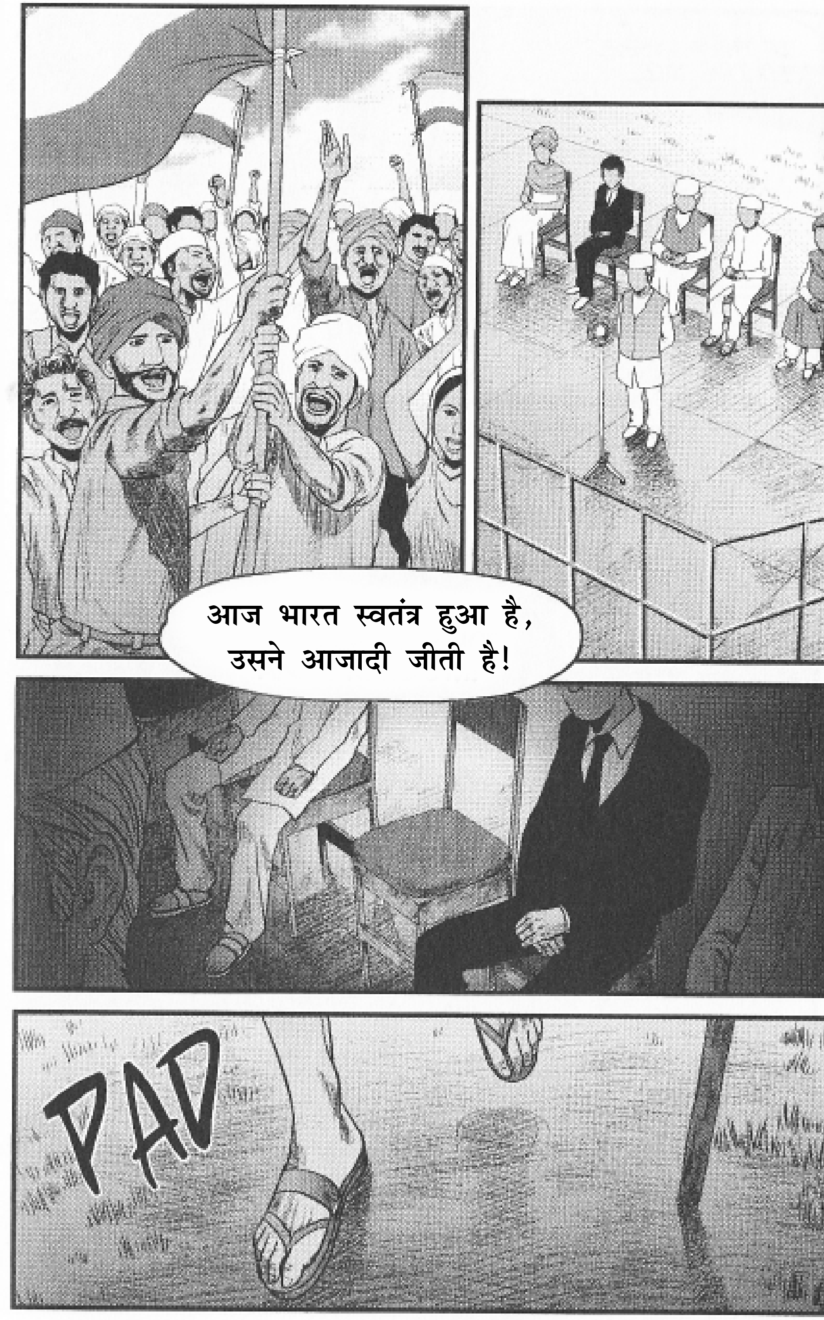

ठीक है..
यह निर्णय हम लोगों पर छोड़ देंगे। स्थानीय चुनावों बताएंगे कि वो हिस्सा हिन्दुस्तान में रहेगा या पाकिस्तान में।
इससे ज्यादा हम और कुछ नहीं दे सकते।
आपकी बात न मानने के लिए माफी। आप आए उसका बहुत शुक्रिया।

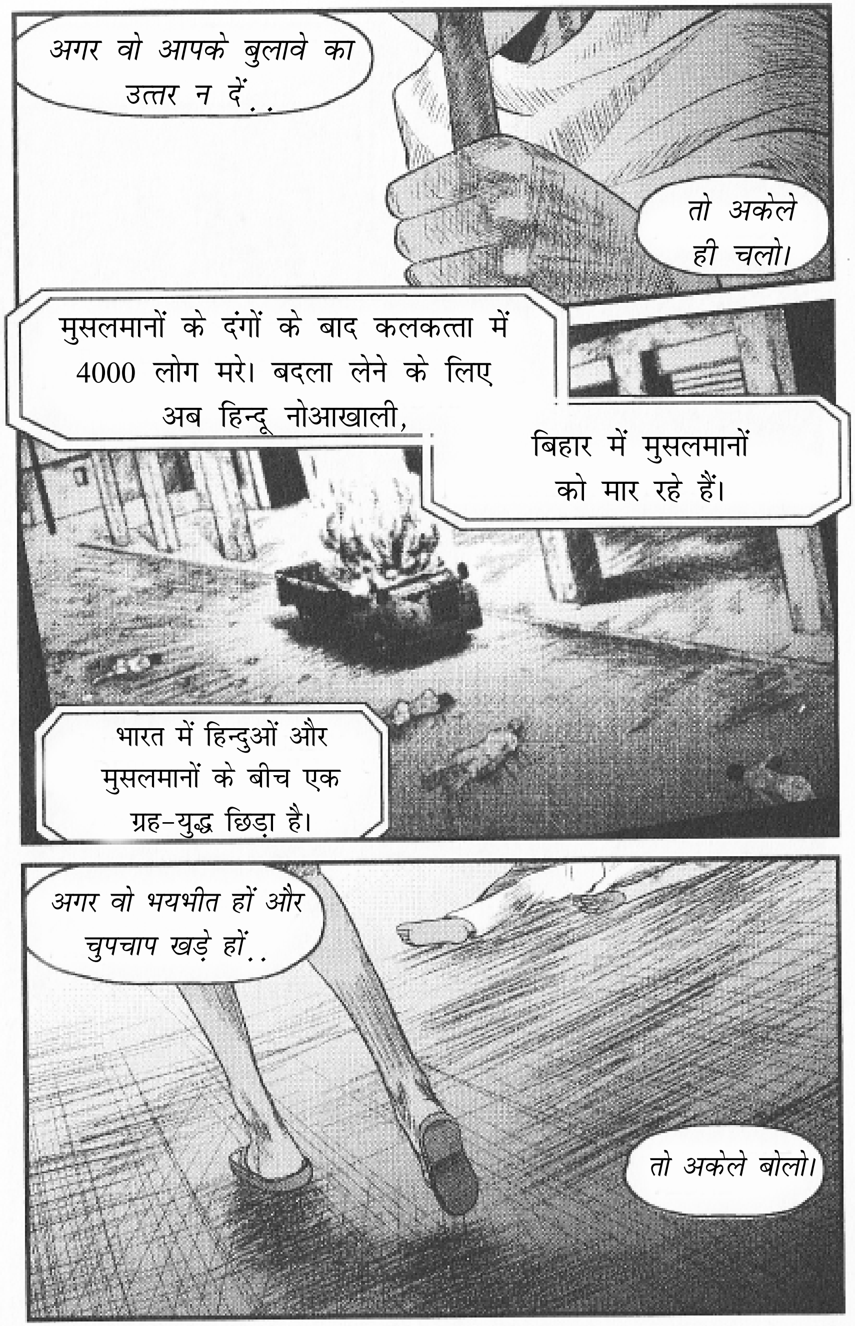

इंग्लैंड एक प्रतिनिधि मंडल भेज रहा है...!
1946
गांधी (77 वर्ष)
प्रतिनिधि मंडल सत्ता हस्तांतरण कब हो और उससे जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेगा।
अपने चुनावी प्रचार में इंग्लैंड के प्रधानमंत्री एटली ने भारत को स्वतंत्र करने का वादा किया था।
अब अंग्रेजों को अच्छी तरह समझ में आ गया है कि वो और ज्यादा दिन भारत पर राज नहीं कर पाएंगे।
बापू!
हमें स्वतंत्रता मिलेगी!


हमने हिन्दुओं और मुसलमानों को समान संख्या में सीटें देने का निर्णय लिया था। क्यों ठीक है न?
कुछ मुस्लिम प्रतिनिधी पहले से ही इंडियन नैशनल कांग्रेस के सदस्य थे। पर हम इन प्रतिनिधियों को मान्यता तभी देंगे जब ऑल इंडिया मुस्लिम लीग भी निर्णय में शामिल होगी।
हम किसी भी तरह से इस अंतरिम सरकार को मंजूरी नहीं दे सकते हैं।

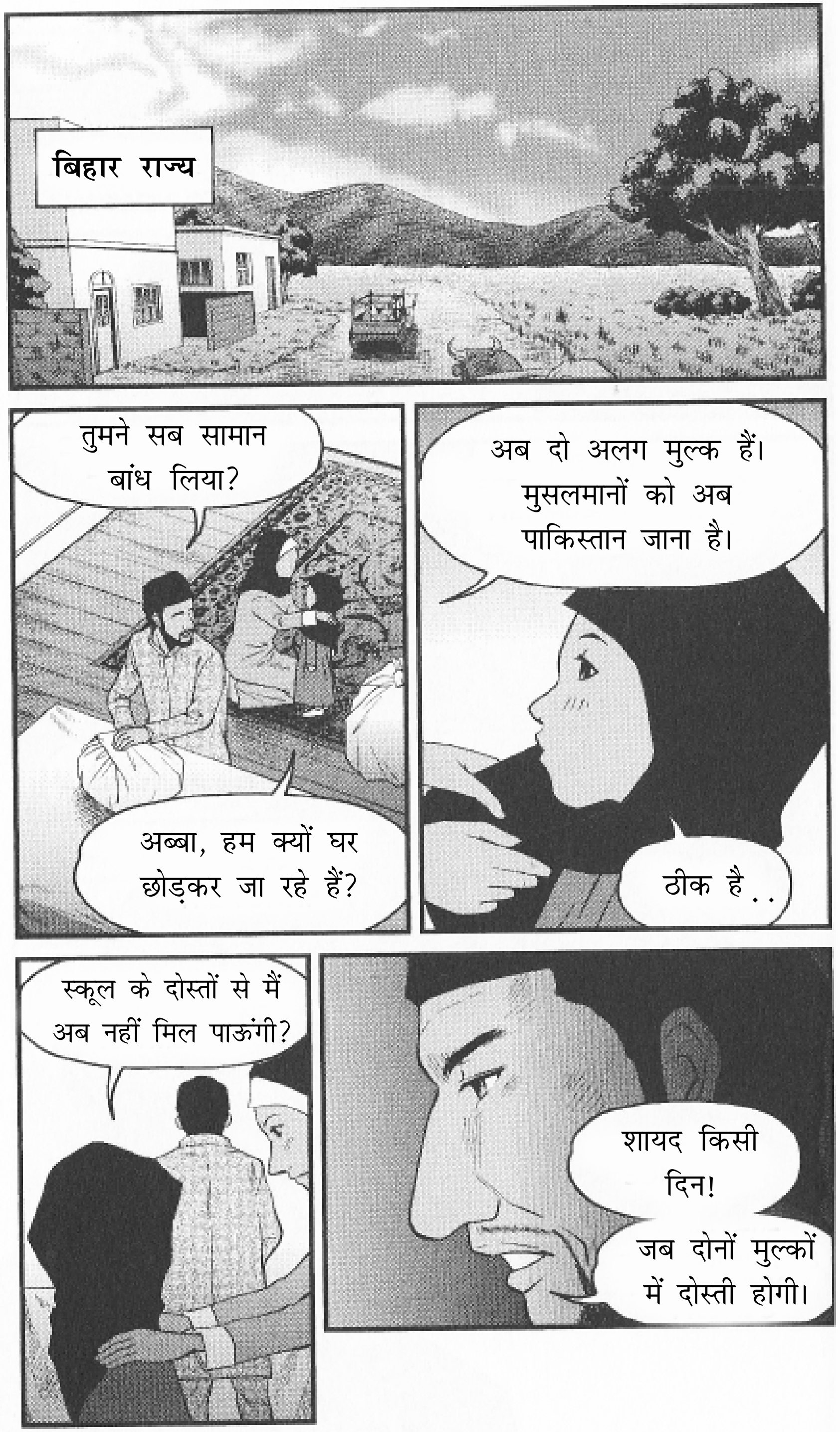

जिन्नाजी . . .
गांधीजी . . .
मुसलमानों की भलाई पर मैं गहराई से सोच रहा हूं।
मुझे डर है कि ब्रिटिश शासन के बाद हिन्दू शासन लागू हो जाएगा।
हमें अलग-अलग रास्ते अपनाने चाहिए।
महात्मा
मैं भी चाहता हूं
कि एक दिन दुनिया में एकता हो।
और सबमें आपकी मर्जी के अनुसार एकता हो।


15, अगस्त
1947
नेहरू!
जिन्ना!
नेहरू!
जिन्ना!


आज भारत स्वतंत्र हुआ है,
उसने आजादी जीती है!
PAD


अगर वो आपके बुलावे का उत्तर न दें..
तो अकेले ही चलो।
मुसलमानों के दंगों के बाद कलकत्ता में 4000 लोग मरे। बदला लेने के लिए अब हिन्दू नोआखाली,
बिहार में मुसलमानों को मार रहे हैं।
भारत में हिन्दुओं और मुसलमानों के बीच एक ग्रह-युद्ध छिड़ा है।
अगर वो भयभीत हों और चुपचाप खड़े हों..
तो अकेले बोलो।

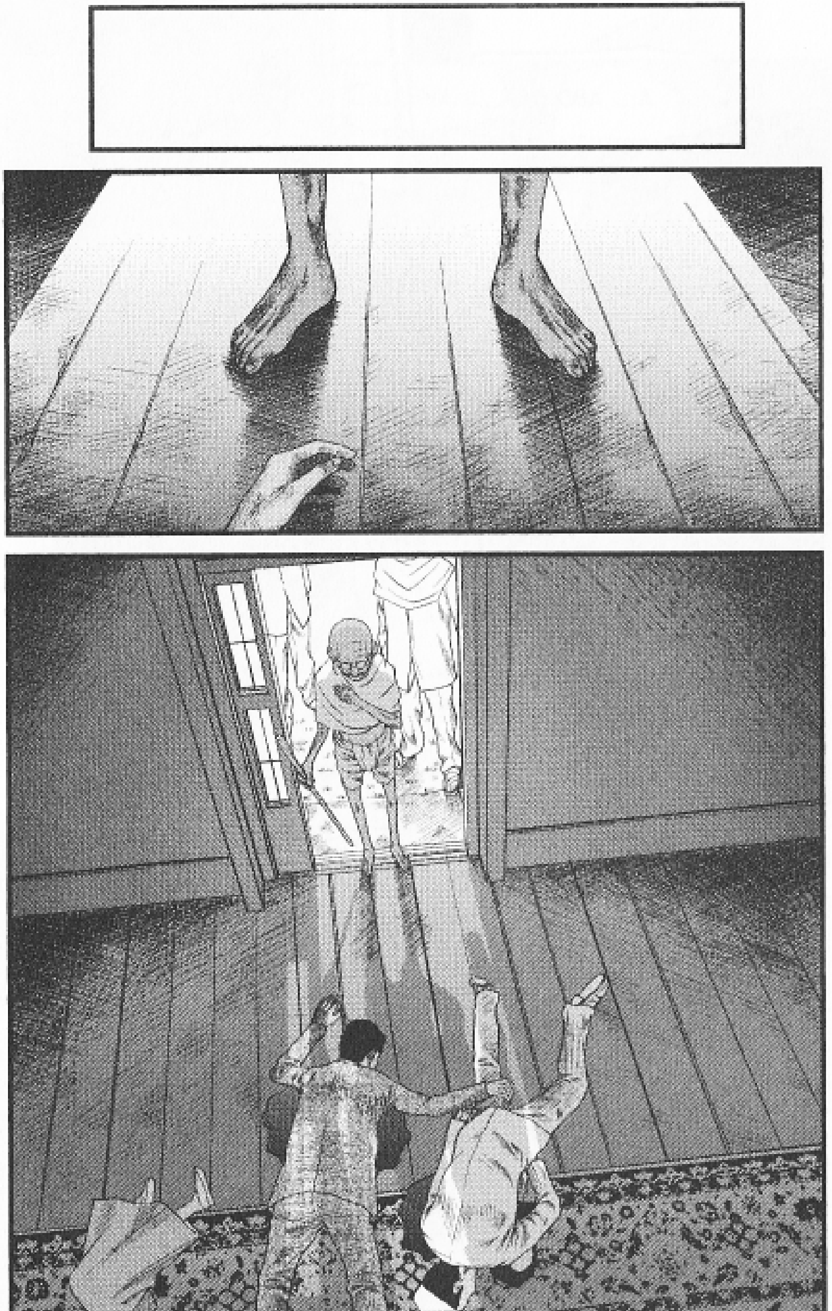

गांधीजी कहां हैं?
उन्होंने कहा था कि वो नोआखाली जाएंगे।
पागलपन है। वहां वो किसी को भी मार डालेंगे - महात्मा को भी।
वो जगह पृथ्वी पर नरक बन गई है।
कांटों को अपने पैरों से कुचलो
और रक्त-रंजित पथ पर चलो
अकेले ही चलो!


बिहार राज्य
तुमने सब सामान बांध लिया?
अब्बा, हम क्यों घर छोड़कर जा रहे हैं?
अब दो अलग मुल्क हैं। मुसलमानों को अब पाकिस्तान जाना है।
ठीक है..
स्कूल के दोस्तों से मैं अब नहीं मिल पाऊंगी?
शायद किसी दिन!
जब दोनों मुल्कों में दोस्ती होगी।


मैं 'कुरान' ड्राइंग-रूम में ही छोड़ गया था।
कुछ देर बाहर ही रुको।
क्या.......
SHATTER
खून का बदला खून!!
STOMP
रुको!
यह मेरे दोस्त का घर है!


मीना . . .
कितना बुरा हुआ . . .
पड़ोसी एक-दूसरे को
क्यों कत्ल कर रहे हैं?
मेरी बेटी के बदन से
अपने हाथ हटाओ, हिन्दू!


अब्दुल्ला . . .
कुमार? . . .
THUMP
क्यों . . .
खून का बदला खून!!
RRR
RRR
GRRR
खून का
बदला खून!!

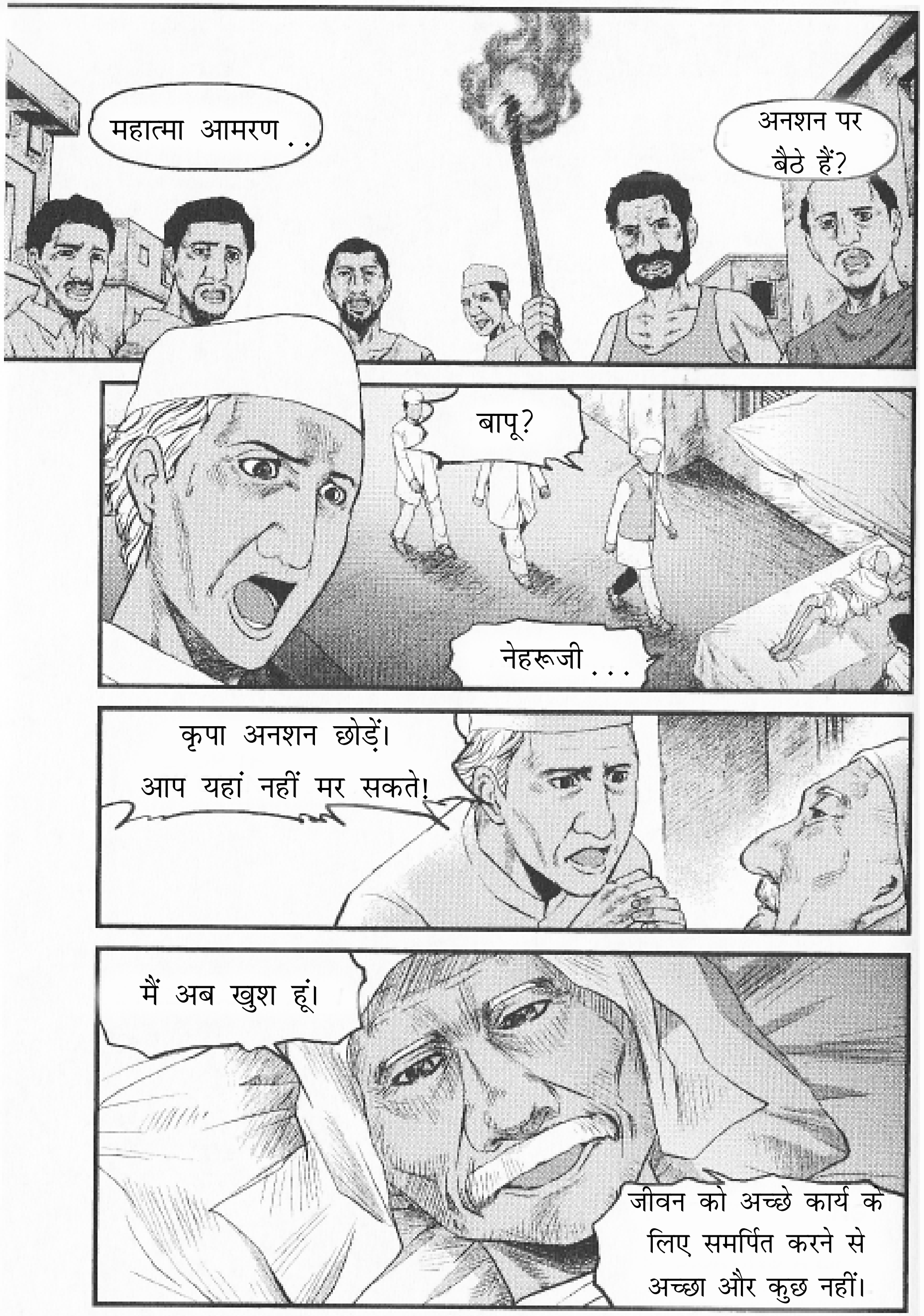




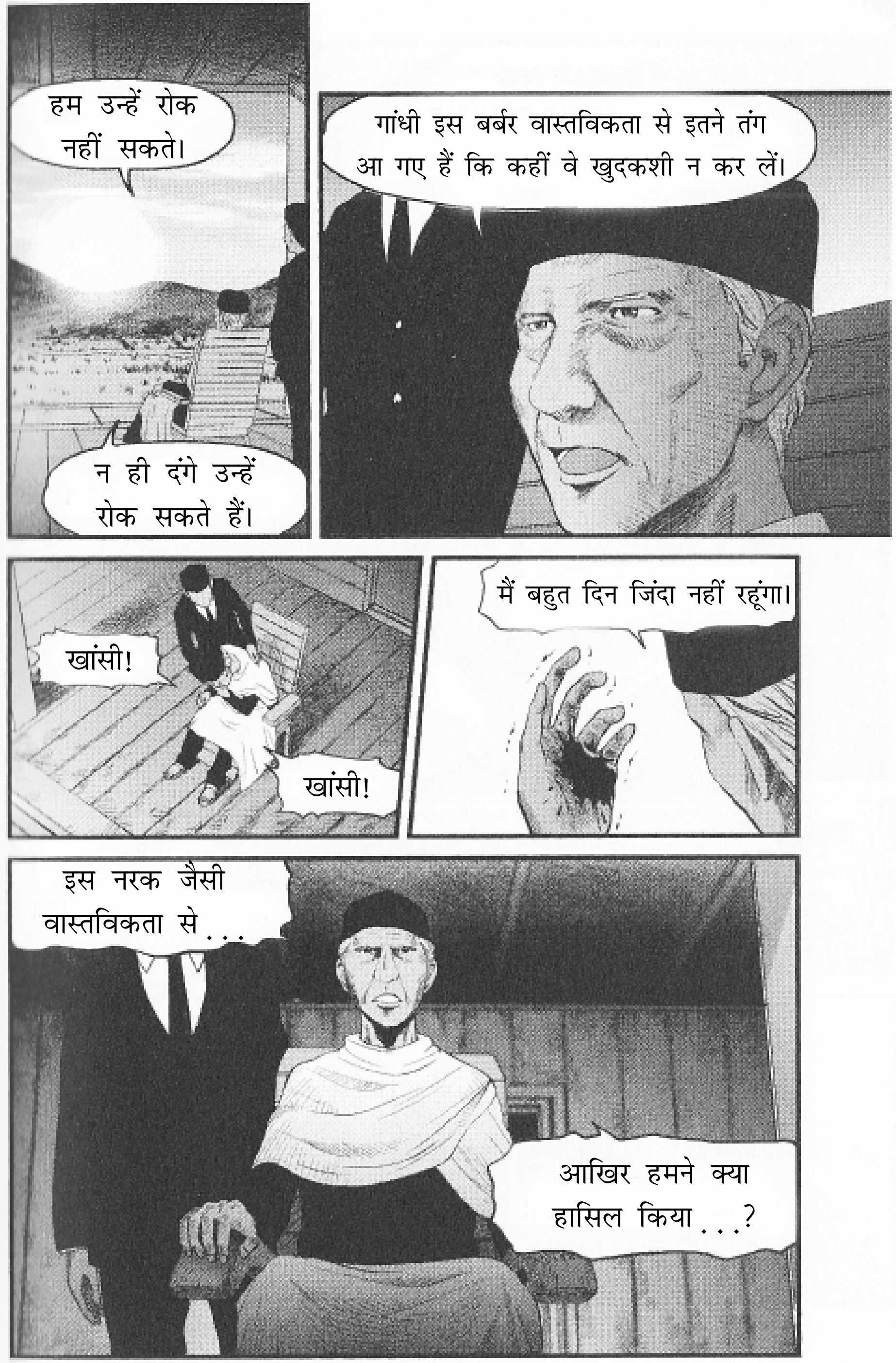
क्या ऐसा होना जरूरी था...
महात्मा!?
वो घर एक मुसलमान का है।
आप हमेशा मुसलमानों का साथ ही क्यों देते हैं?
मुसलमानों का चहेता!
देशद्रोही!!


CRACKLE
अहिंसा और मनुष्य की अच्छाई में मेरा विश्वास झूठा निकला।
मैंने असली सच्चाई को झुठलाया है।
मैं लोगों की अगुवाई करने के काबिल नहीं था।
अब मैं क्या करूं?


मैं या तो इस नफरत और बदले की आग में तबाह हो सकता हूं।
या फिर इसे बुझा सकता हूं...
जनवरी १३, १९४८ गांधी ने आमरण अनशन का ऐलान किया।
और कोई चारा नहीं है।
उन्होंने कहा कि अनशन तभी टूटेगा जब दंगे खत्म होंगे या फिर उनकी मौत होगी।



महात्मा आमरण . .
अनशन पर बैठे हैं?
बापू?
नेहरूजी . . .
कृपा अनशन छोड़ें। आप यहां नहीं मर सकते!
मैं अब खुश हूं।
जीवन को अच्छे कार्य के लिए समर्पित करने से अच्छा और कुछ नहीं।



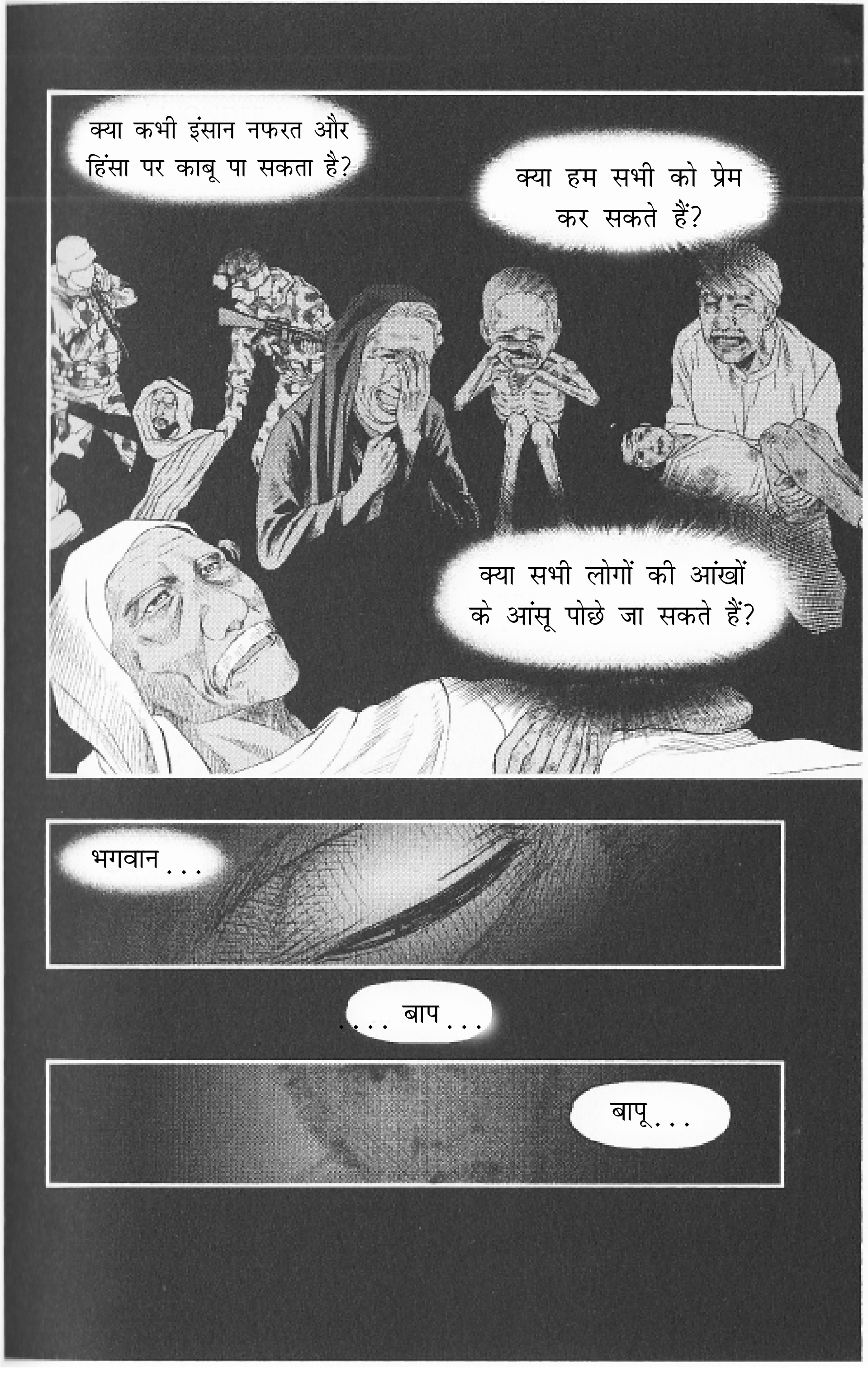
हम उन्हें रोक नहीं सकते।
न ही दंगे उन्हें रोक सकते हैं।
गांधी इस बर्बर वास्तविकता से इतने तंग आ गए हैं कि कहीं वे खुदकशी न कर लें।
खांसी!
खांसी!
मैं बहुत दिन जिंदा नहीं रहूंगा।
इस नरक जैसी वास्तविकता से . . .
आखिर हमने क्या हासिल किया . . .?


दुश्मन कितना ही बलवान हो गांधी सच्चाई के पथ पर डटे रहे।
दक्षिण अफ्रीका
जब वे जोहैनसबर्ग जेल में थे तब भी।
25 वर्ष पहले गांधी ने अपने हाथ से बनी सैंडल मुझे दी थीं। मुझे अब उन्हें वापस करना है।
मुझे लगता है उस महान आत्मा के हाथों से बनी सैंडल पहनने का मुझे कोई हक नहीं है।
चम्पारन बिहार राज्य
नेताजी, कहां जा रहे हैं।

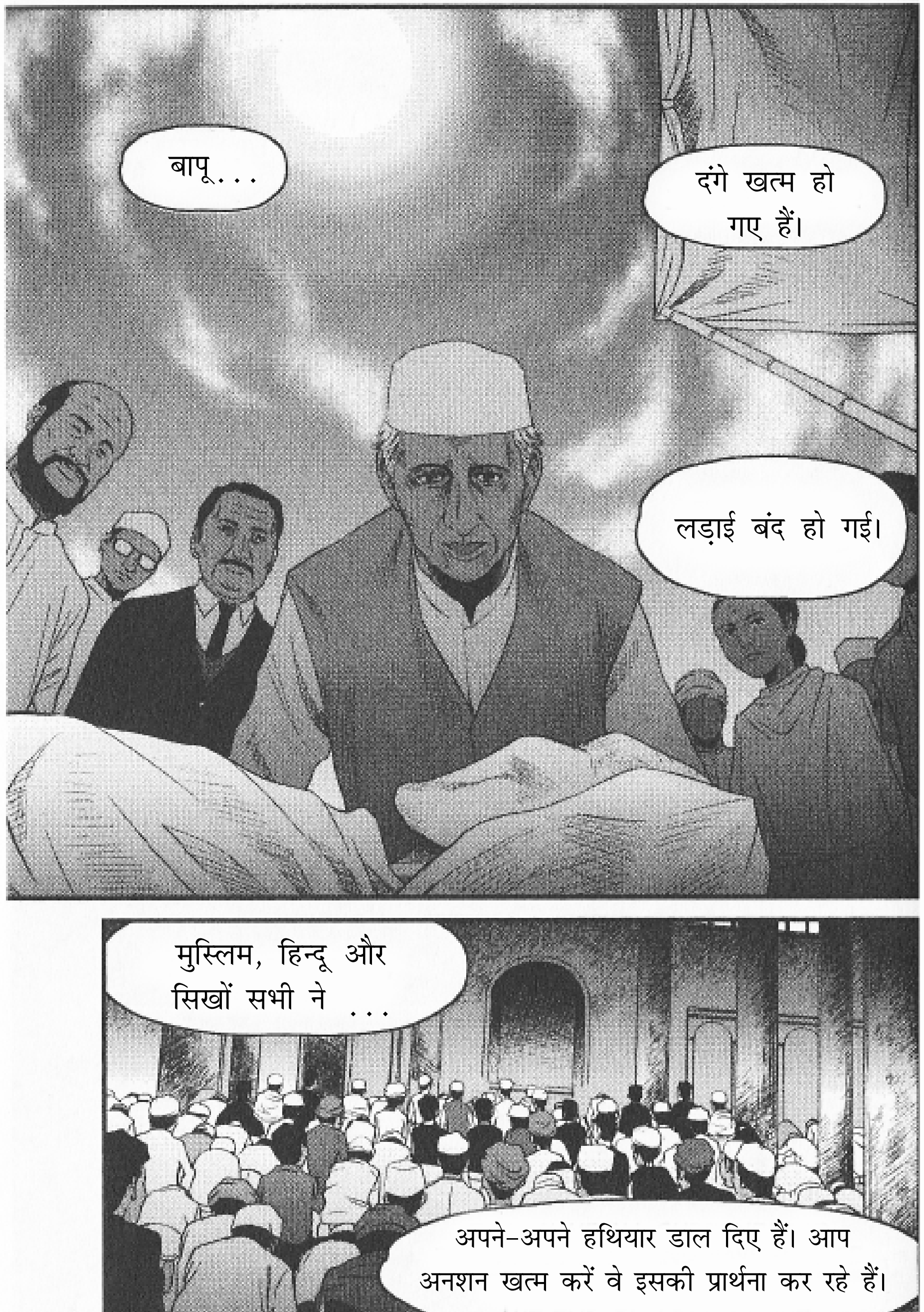

मैं दिल्ली जा रहा हूं।
महात्मा ने सारा जीवन हरिजनों के हकों के लिए लड़ा।
यहां बैठे मैं उन्हें इस प्रकार मरते हुए नहीं देख सकता हूं।
पहले उन्होंने मजदूरों के हकों के लिए अनशन किया। तब अंग्रेज फैक्ट्री मालिक मजदूरों का शोषण कर रहे थे।
महात्मा ने हमेशा लोगों के अधिकारों के लिए लड़ा है।
कलकत्ता
आज महात्मा हम लोगों की वजह से अपनी जान कुर्बान कर रहे हैं।
क्या कुछ ताजा खबर आई?
जल्दी करो।

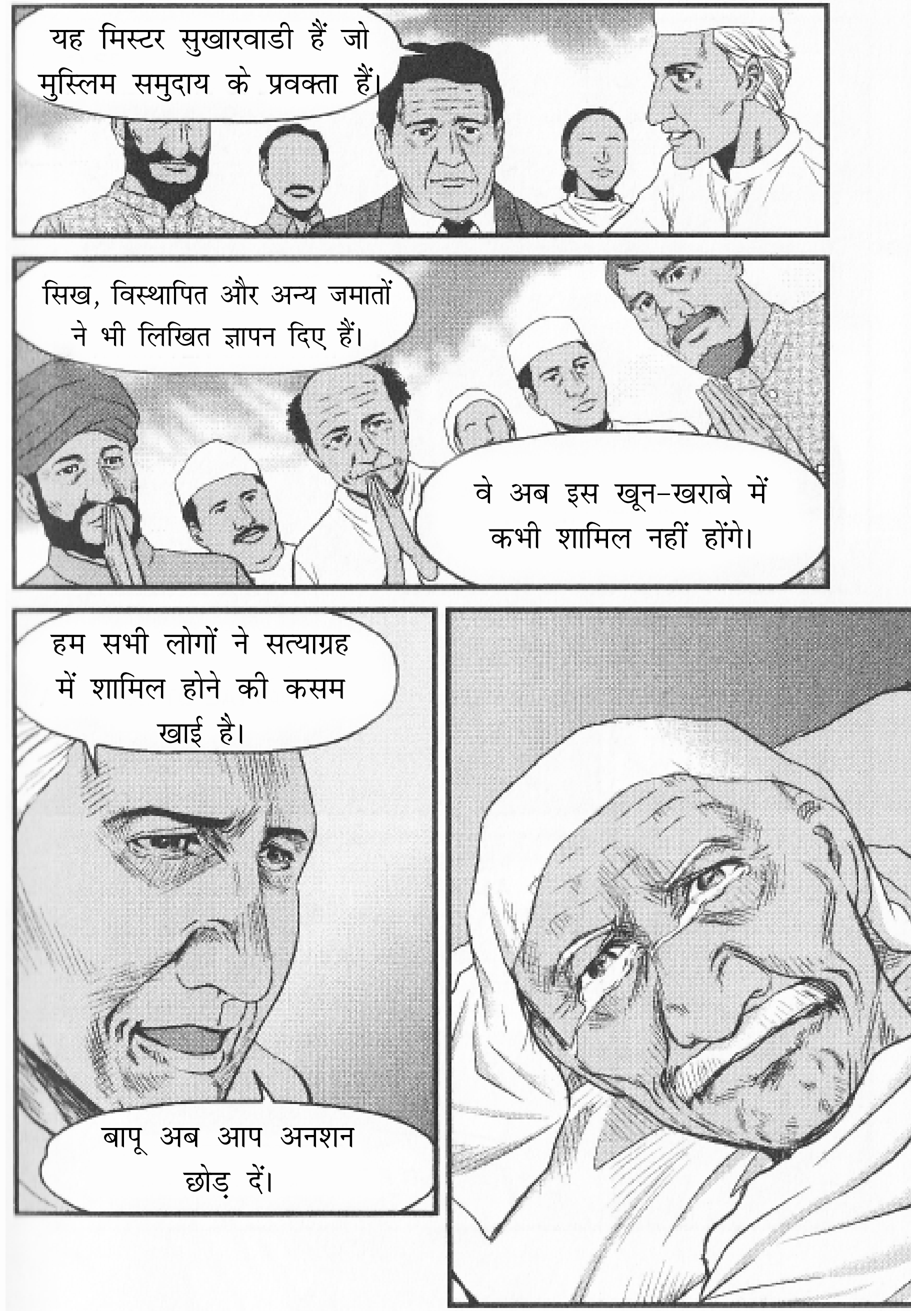


अनशन का छठवां दिन
रक्तचाप कम, नब्ज 50 के नीचे!
अनशन खत्म करें, नहीं तो...
भगवान...



क्या कभी इंसान नफरत और हिंसा पर काबू पा सकता है?
क्या हम सभी को प्रेम कर सकते हैं?
क्या सभी लोगों की आंखों के आंसू पोछे जा सकते हैं?
भगवान...
...बाप...
बापू...


बापू...
दंगे खत्म हो गए हैं।
लड़ाई बंद हो गई।
मुस्लिम, हिन्दू और सिखों सभी ने ...
अपने-अपने हथियार डाल दिए हैं। आप अनशन खत्म करें वे इसकी प्रार्थना कर रहे हैं।


यह मिस्टर सुखारवाडी हैं जो मुस्लिम समुदाय के प्रवक्ता हैं।
सिख, विस्थापित और अन्य जमातों ने भी लिखित ज्ञापन दिए हैं।
वे अब इस खून-खराबे में कभी शामिल नहीं होंगे।
हम सभी लोगों ने सत्याग्रह में शामिल होने की कसम खाई है।
बापू अब आप अनशन छोड़ दें।


बारह बजकर पैंतालिस मिनट
जनवरी 18
अनशन समाप्त
मैं भी कल से अनशन कर रहा हूं।
नेहरूजी...
आप लम्बी उम्र जिएं...
...और भारत के जवाहर (रत्न) बनें।


मनु...
अगर मैं बीमारी से मरूं तो मुझे महात्मा मत बुलाना।
अगर कोई मेरे सीने पर बंदूक तान कर रखेगा
तो मैं उस खतरे में भी मुस्कुराऊंगा।
अगर मेरे शरीर के अंदर गोली धंसी तो मैं **'राम'** (भगवान) का नाम लूंगा।
तब मेरे जीवन का जश्न मनाना - असली महात्मा जैसे।


05 . 17
जनवरी 30, 1948
जल्दी चलो मेरी बैसाखियों।
नहीं तो प्रार्थना खत्म हो जाएगी।
शायद वो सफल नहीं होगा।
बापू, काठियावाड़ के नेता आपसे मिलना चाहते हैं।
मैं उनसे प्रार्थना के बाद मिलूंगा।
अगर तब तक मैं जीवित रहा...


क्या कहा
हा! हा!
......
शायद गांधी भी लोगों को सही रास्ता दिखाने में असफल रहेंगे - बुद्ध और ईसा मसीह की तरह।
धमाका!
PANG
धमाका!
PANG
PAN
धमाका!
......



लेखक के दो शब्द

इस पुस्तक को पढ़ने के लिए आपका धन्यवाद।

जब मुझे इस पुस्तक पर काम का मौका मिला तो इस जीवनी के लेखक के नाते मैंने गांधी का एक असली इंसान जैसे चित्रण करना चाहा।

हम सभी जानते हैं कि महात्मा गांधी दुनिया के सबसे महान व्यक्तियों में से एक थे। उनके शब्दों और कामों पर इतिहास की किताबें भरी हैं। क्योंकि गांधी इतने मशहूर थे इसलिए उनकी शख्सियत मुझ जैसे साधारण इंसान को हमेशा कुछ रूहानी नजर आती थी और उनके बताए रास्ते का मैं अपनी जिंदगी के साथ कोई रिश्ता नहीं जोड़ पाता था।

इस प्रोजेक्ट को अंजाम देते समय मैंने गांधी के व्यक्तित्व को जानने और समझने के लिए गहरा शोध किया। मैंने जितना अध्ययन किया मुझे उतना ही लगा कि गांधी हम जैसे ही सामान्य व्यक्ति थे। अपने आदर्शों में उनका भी कभी-कभी विश्वास खो जाता था। अक्सर वो भी दुविधाओं में फंस कर परेशान होते थे – बिल्कुल हम-आप जैसे ही।

अब क्योंकि मैं गांधी की जीवनी लिख चुका हूं और उनसे अनेकों बार अपनी कल्पना में मिला हूं इसलिए उनके शब्द अब मुझे अपने बूढ़े मां-बाप की नसीहतों जैसे ही परिचित लगते हैं। पाठक, कैसा जीवन बिताएं? यह बताने का मुझे कोई अधिकार नहीं है। पर मुझे पूरी उम्मीद हैं कि आप सभी, गांधी के जीवन से, और सत्य के लिए उनके संघर्ष से जरूर कुछ-न-कुछ सीखेंगे। मेरा पूरा विश्वास है कि वर्तमान काल में गांधी का जीवन हम सभी के लिए एक संदेश बनेगा।

गांधी पर तमाम शोध करने के पश्चात मेरे ऊपर गांधी के शब्दों से ज्यादा उनके एक फोटो का अधिक प्रभाव पड़ा। फोटो में गांधी अपने पतले हाथों में एक बच्चे को उठाए पुचकार रहे हैं और उनके चेहरे पर एक सच्ची और अलौकिक मुस्कान है।

काजुकी इबान
टोक्यो, जापान